शर्मा हार्डओरब
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 11 | अंक : 254 | गुवाहाटी | शुक्रवार, 18 अप्रैल, 2025 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

एम्स दिल्ली दुनिया के सर्वश्रेष्ठ अस्पतालों में शामिल, मिला 97वां स्थान पेज 2
'मीडिया एसोसिएशन असम' का गठन, वरिष्ठ पत्रकार कनकसेन डेका बने... पेज 3
सुरक्षा बलों के त्याग और तपस्या के कारण ही हम सुरक्षित : शाह पेज 5
नीरज चोपड़ा ने पोटचेफस्ट्रूम आमंत्रण टूर्नामेंट में 84.52 मीटर थ्रो के साथ जीता स्वर्ण पेज 7

वक्फ बोर्ड और काउंसिल में फिलहाल नई नियुक्ति नहीं

केंद्र को मिला सात दिन का समय

नई दिल्ली। वक्फ संशोधन कानून को लेकर सुप्रीम कोर्ट में आज दूसरे दिन सुनवाई हुई। देश के मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना, जस्टिस पीवी संजय कुमार और जस्टिस केवी विश्वनाथन की बेंच इस मामले पर सुनवाई की। सुनवाई करते हुए अदालत ने कहा कि कानून में कुछ सकारात्मक बातें हैं और इस पर पूरी तरह रोक नहीं लगाई जा सकती। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि फिलहाल वक्फ बोर्ड और काउंसिल में कोई नियुक्ति न हो। इसपर सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि सरकार अभी नियुक्ति नहीं करने वाली है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि मौजूदा स्थिति में कोई बदलाव हो। सरकार के जवाब तक यथास्थिति बनी रहेगी। इसके साथ ही अगले आदेश तक नई नियुक्तियां भी नहीं होगी। सुप्रीम कोर्ट ने आगे कहा कि जब मामला कोर्ट में लंबित है तो कोर्ट को यह सुनिश्चित करना होगा कि मौजूदा स्थिति में कोई बदलाव न हो। सॉलिसिटर जनरल ने कोर्ट से कुछ दस्तावेज पेश करने के लिए एक सप्ताह का समय मांगा और आश्वासन दिया कि बोर्ड या काउंसिल की कोई नियुक्ति नहीं होगी। अदालत ने ये भी कहा कि वक्फ बाय यूजर में भी कोई बदलाव नहीं होगा। -शेष पृष्ठ दो पर

उग्रवाद से विकास की ओर आगे बढ़ा कार्बी आंग्लांग : सीएम

डिफू। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने गुरुवार (17 अप्रैल, 2025) को कहा कि कभी उग्रवादी गतिविधियों का केंद्र रहे कार्बी आंग्लांग में 2021 में छह संगठनों के साथ शांति समझौते पर हस्ताक्षर के बाद पिछले कुछ वर्षों में परिवर्तन आया है। पहाड़ी जिले कार्बी आंग्लांग की अपनी दो दिवसीय यात्रा के पहले दिन मुख्यमंत्री ने कहा कि एक समय अशांत रहा यह जिला शांति और विकास की यात्रा पर चल पड़ा है, जिसमें पूर्व उग्रवादियों को समाज में पुन: शामिल करने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने शांति समझौते पर हस्ताक्षर करने वाले छह संगठनों के प्रतिनिधियों से भी मुलाकात की और समझौते की शर्तों की समीक्षा की। शर्मा ने एक्स पर लिखा कि बंदूकों से लेकर -शेष पृष्ठ दो पर

सौ करोड़ की परियोजनाओं को दिखाई हरी झंडी

डिफू। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने गुरुवार को घोषणा की कि कार्बी आंग्लांग में अभूतपूर्व विकास हो रहा है और इस क्षेत्र को जल्द ही *देश के सर्वश्रेष्ठ जिलों में* गिना जाएगा। डिफू गवर्नमेंट बॉयज स्कूल के खेल के मैदान में एक विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि कार्बी आंग्लांग में चल रहे विकास कार्य की मात्रा राज्य में सबसे अधिक है। बहुत जल्द, हम इन जिलों को भारत के सर्वश्रेष्ठ जिलों -शेष पृष्ठ दो पर

दाऊदी बोहरा समुदाय ने पीएम मोदी से की मुलाकात

नए वक्फ कानून को बताया ऐतिहासिक कदम

नई दिल्ली। दाऊदी बोहरा समुदाय के एक प्रतिनिधिमंडल ने गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने नए वक्फ कानून को लागू करने के लिए प्रधानमंत्री का धन्यवाद किया। साथ ही इसे एक ऐतिहासिक कदम बताया। समुदाय के प्रतिनिधियों ने कहा कि यह उनकी लंबे समय से चली आ रही मांग थी, जिसे अब पूरा किया गया है। दाऊदी बोहरा समुदाय ने आगे प्रधानमंत्री के *सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास* के विजन -शेष पृष्ठ दो पर

कैंसर के इलाज के लिए प्रोटॉन बीम थेरेपी शुरू करेगी सरकार : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी। प्रोटॉन बीम थेरेपी की शुरुआत के साथ गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (जीएमसीएच) क्षेत्र में अग्रणी कैंसर उपचार केंद्र बनने की ओर अग्रसर है। यह अत्याधुनिक विकिरण तकनीक, जो वर्तमान में केवल दो अन्य भारतीय शहरों - चेन्नई और मुंबई में उपलब्ध है - अधिक सटीक और प्रभावी कैंसर उपचार प्रदान करने का वादा करती है। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने एक्स को लिखा कि जल्द ही आ रहा है: कैंसर रोगियों के लिए प्रोटॉन बीम थेरेपी हम प्रोटॉन बीम थेरेपी को असम में लाने के लिए काम कर रहे हैं, एक ऐसी तकनीक जो कैंसर से होने वाली मृत्यु दर को काफी हद तक कम करने की क्षमता रखती है। इस प्रयास का समर्थन करने के लिए इच्छुक लोगों को बुलाया जाता है - cm@assam.gov.in पर हमसे संपर्क करें। प्रोटॉन बीम थेरेपी पारंपरिक विकिरण से -शेष पृष्ठ दो पर

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

उसी का कार्य सिध्द होता है, जो समय को विचार कर कार्य करता है।

-अज्ञात

राष्ट्रपति को आदेश देना लोकतंत्र के खिलाफ : उपराष्ट्रपति

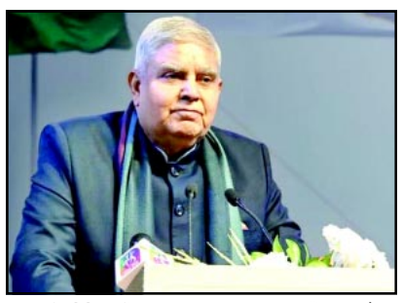

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट की शक्तियों पर कड़े शब्दों में टिप्पणी करते हुए कहा कि लोकतंत्र में ऐसी स्थिति नहीं हो सकती जहां अदालतें राष्ट्रपति को निर्देश दें। उनकी यह टिप्पणी सुप्रीम कोर्ट द्वारा एक ऐतिहासिक फैसले में राष्ट्रपति और राज्यपालों के लिए संविधान के अनुच्छेद 370 को मंजूरी देने की समय सीमा तय करने के कुछ दिनों बाद आई है। राज्यसभा के प्रशिक्षुओं के छठे बैच को संबोधित करते हुए धनखड़ ने दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीश यशवंत वर्मा के आवास से भारी मात्रा में नकदी बरामद होने के बारे में विस्तार से बात की और इस विवाद पर न्यायपालिका की प्रतिक्रिया की आलोचना की। उपराष्ट्रपति ने विधेयक को मंजूरी देने के लिए राष्ट्रपति के अधिकार क्षेत्र पर सर्वोच्च न्यायालय के फैसले का हवाला दिया और पूछा कि क्या न्यायाधीश सुपर-संसद के रूप में कार्य करेंगे। उन्होंने कहा कि हाल ही में एक फैसले में राष्ट्रपति को निर्देश -शेष पृष्ठ दो पर

भारत को पाकिस्तान से घनिष्ठ संबंध बनाने की उम्मीद छोड़ देनी चाहिए : हिमंत

गुवाहाटी। पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर की विवादास्पद टिप्पणी पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि अब समय आ गया है कि भारत दोनों देशों को अलग करने वाली वैचारिक वास्तविकता को स्वीकार करे और अपनी सभ्यतागत और राष्ट्रीय मूल्यों को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित करे। शर्मा ने सोशल मीडिया पर लिखा कि अपने ताजा भाषण में पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर ने एक बार फिर भारत और पाकिस्तान के बीच गहरी वैचारिक खाई को मजबूत किया है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि दोनों देश हर पहलू में अलग हैं - धर्म, रीति-रिवाज, परंपराएं, -शेष पृष्ठ दो पर

हम हिन्दुओं से हर क्षेत्र में अलग : पाक आर्मी चीफ

इस्लामाबाद (हि.स.)। पाकिस्तान के आर्मी चीफ जनरल असीम मुनीर ने एक बार फिर भारत और हिन्दुओं के खिलाफ जहर उगला। उन्होंने कहा कि हमारे पूर्वजों ने सोचा कि हम जीवन के हर क्षेत्र में हिन्दुओं से अलग हैं। हमारा धर्म अलग है। हमारे रीति रिवाज अलग हैं और हमारी संस्कृति व सोच भी अलग है। यह द्वि-राष्ट्र की आधार शिला है, जिसे डाला गया था। हम दो -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

हिंदुओं पर हिंसा के खिलाफ विहिप करेगा राष्ट्रव्यापी प्रदर्शन

नई दिल्ली। केंद्र सरकार किसी राज्य में राष्ट्रपति शासन लगाने के भले ही खिलाफ हो, लेकिन आरएसएस के सहयोगी संगठन (विहिप) चाहते हैं कि पश्चिम बंगाल में हिंदुओं पर हो रही हिंसा पर लगाम लगाने के लिए राज्य में तत्काल राष्ट्रपति शासन लगा दिया जाना -शेष पृष्ठ दो पर

आरपीएफ ने सिलचर से 450 जिंदा मेंढक और फरक्का एक्सप्रेस से 27 कछुए बरामद किए

नई दिल्ली (हि.स.)। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने तत्परता और सजगता का परिचय देते हुए फरक्का एक्सप्रेस से तस्करी के लिए ले जाए जा रहे 27 कछुए बरामद किए हैं। वहीं सिलचर रेलवे स्टेशन पर असामाजिक तत्वों के खिलाफ विशेष अभियान चलाकर लावारिस बैग से 450 जिंदा मेंढक बरामद किए। रेल मंत्रालय ने गुरुवार को एक बयान में कहा कि आरपीएफ को सिक्योरिटी कंट्रोल दानापुर से सूचना मिली थी कि गाड़ी संख्या 15734 फरक्का एक्सप्रेस में कुछ संदिग्ध लोग यात्रा कर रहे हैं। इस सूचना के बाद करीब 21.20 -शेष पृष्ठ दो पर

अनुच्छेद 370 हटाने का फारूक अब्दुल्ला ने किया था समर्थन : पूर्व रॉ प्रमुख

नई दिल्ली। मोदी सरकार ने जब साल 2019 में जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 को समाप्त कर दिया था तो नेशनल कांफ्रेंस ने बड़ा हो-हल्ला मचाया था। फारूक अब्दुल्ला के नेतृत्व वाली पार्टी केंद्र सरकार के इस फैसले के खिलाफ उच्चतम न्यायालय में भी गयी थी। लेकिन अब खुलासा हुआ है कि फारूक अब्दुल्ला ने निजी तौर पर केंद्र सरकार के इस कदम का समर्थन किया था। इस खुलासे के बाद जम्मू-कश्मीर की राजनीति में भूचाल आ गया है। हम आपको यह भी याद दिला दें कि अनुच्छेद 370 हटाए जाने से कुछ दिन पहले ही फारूक अब्दुल्ला ने अपने बेटे उमर अब्दुल्ला के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से दिल्ली में मुलाकात की थी। हम आपको बता दें कि रिसर्च एंड एनालिसिस विंग (रॉ) के पूर्व प्रमुख एएस दुलत ने अपनी नई किताब द चीफ मिनिस्टर एंड द स्पाई में जो खुलासे -शेष पृष्ठ दो पर

बेहाल कैलीफोर्निया ने ट्रम्प सरकार के खिलाफ किया मुकदमा

कैलीफोर्निया (हि.स.)। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा लगाए गए टैरिफ की मार से अन्य देश ही नहीं, बल्कि अमेरिका के राज्य भी काफी परेशान हैं। हालात यह हैं कि कैलीफोर्निया राज्य ने लगाए गए टैरिफ पर रोक के लिए संघीय अदालत में मुकदमा दायर कर दिया है। राज्य का आरोप है कि राष्ट्रपति ने शक्तियों का गलत प्रयोग किया है। इससे उनके राज्य ही नहीं बल्कि पूरे अमेरिका की अर्थ व्यवस्था को काफी नुकसान पहुंच रहा है। बीते दनों -शेष पृष्ठ दो पर

देश से 2026 तक हमेशा के लिए समाप्त हो जाएगा नक्सलवाद : शाह

नीमच (हि.स.)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में अग्रसर है। उनके मार्गदर्शन में वर्ष 2026 तक देश नक्सलवाद से मुक्त होगा। इस प्रण को पूरा करने में सीआरपीएफ की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। सीआरपीएफ ने जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 हटने के बाद शांतिपूर्ण तरीके से चुनाव संपन्न कराए। कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक जहां जरूरत होती है, सीआरपीएफ के जवान सदैव उपलब्ध होते हैं। जब भी देश का स्वर्णिम इतिहास लिखा जाएगा, उसमें सीआरपीएफ के शहीदों के नाम स्वर्ण अक्षरों से लिखे जाएंगे। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भी उपस्थित रहे। केंद्रीय गृह मंत्री शाह गुरुवार को नीमच स्थित सीआरपीएफ के ग्रुप सेंटर में सीआरपीएफ के 86वें स्थापना दिवस पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने देश की आंतरिक सुरक्षा में सीआरपीएफ के कर्मियों के अदम्य साहस और समर्पण की सराहना की। उन्होंने सीआरपीएफ बल की आतंकवाद और उग्रवाद विरोधी गतिविधियां, शांति स्थापना के कार्यों में निभाई गई भूमिका का उल्लेख करते हुए कहा कि जहां सीआरपीएफ है, वहां चिता करने की कोई बात नहीं। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि आज सीआरपीएफ के तीन लाख जवान देश में कानून-व्यवस्था और शांति स्थापित -शेष पृष्ठ दो पर

फ्रांस से 26 राफेल मरीन लड़ाकू विमान खरीदेगा भारत, मेगा डील को मिली मंजूरी

नई दिल्ली। भारत की घटती वायु युद्ध क्षमता को मजबूती देने के लिए भारतीय वायुसेना अब फ्रांस से राफेल फाइटर जेट्स जल्द खरीदेगी। डिफेंस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, भारत फ्रांस से 40 से 60 राफेल एयरक्राफ्ट की खरीद की तैयारी कर रहा है। यह सौदा सरकार से सरकार (जी2जी) के स्तर पर होने की संभावना है। यह डील भारतीय नौसेना के लिए राफेल-एम की खरीद से अलग होगी, लेकिन इसके समानांतर चल रही है। नौसेना की डील 28 या 29 अप्रैल को दिल्ली में फ्रांस के रक्षा मंत्री के भारत दौरे के दौरान साइन होने की संभावना है। डिफेंस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, भारत और फ्रांस के बीच हाल ही में उच्च स्तरीय वार्ताएं हुई हैं। इसमें आईएएफ के लिए राफेल के दूसरे चरण की बुनियाद रखने पर भी चर्चा हुई है। यह समझौता *फास्ट-ट्रैक्ड एमआरएफए-प्लस* समझौते के तहत होगा। यह प्रस्तावित डील नौसेना की राफेल-एम खरीद से अलग है, लेकिन इसे भारत की वायु युद्ध प्रणाली में फ्रांसीसी फाइटर प्लेटफॉर्म पर आधारित बड़े रणनीतिक कदम के रूप में देखा जा रहा है। -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

एम्स दिल्ली दुनिया के सर्वश्रेष्ठ अस्पतालों में शामिल, मिला 97वां स्थान

नई दिल्ली (हि.स.)। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) नई दिल्ली को न्यूजवीक और स्टेटिस्टा द्वारा 2024 की दुनिया के सर्वश्रेष्ठ अस्पतालों की सूची में वैश्विक स्तर पर 97वां सर्वश्रेष्ठ अस्पताल नामित किया गया है। यह प्रतिष्ठित मान्यता उच्च गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने, चिकित्सा अनुसंधान को आगे बढ़ाने और लाखों लोगों को किफायती उपचार प्रदान करने के लिए मिला है। इस सूची में दो अन्य भारतीय अस्पतालों को भी वैश्विक सूची में स्थान मिला है। गुरुग्राम स्थित मेदांता मेडिसिटी को 146वां स्थान और चंडीगढ़ में पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च (पीजीआईएमईआर) को 228वां स्थान मिला है। न्यूजवीक-स्टेटिस्टा रैंकिंग के छठे संस्करण में रोगी संतुष्टि, नैदानिक परिणामों, स्वच्छता मानकों और स्वास्थ्य पेशेवरों की सिफारिशों के आधार पर 30 देशों के 2,400 से अधिक अस्पतालों का मूल्यांकन किया गया। इसमें एम्स दिल्ली को शीर्ष-100 में स्थान मिला, जो भारत के स्वास्थ्य सेवा परिदृश्य में अग्रणी के रूप में इसकी भूमिका को रेखांकित करता है। एम्स 1956 में अपनी स्थापना के बाद से अपनी अत्याधुनिक सुविधाओं और अत्यधिक कुशल चिकित्सा पेशेवरों के लिए प्रसिद्ध है। गुरुग्राम में मेदांता – द मेडिसिटी ने 146वीं रैंक हासिल की, जिसे कार्डियोलॉजी, ऑन्कोलॉजी और अंग प्रत्यारोपण जैसी विशेषताओं में अपनी अत्याधुनिक तकनीक और विशेषज्ञता के लिए मान्यता प्राप्त है। 2009 में स्थापित मेदांता निजी स्वास्थ्य सेवा में एक विश्वसनीय नाम बन गया है, जो विश्व स्तरीय सेवाएं प्रदान करता है। चंडीगढ़ में पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च 228वें स्थान पर है, जिसे चिकित्सा शिक्षा, अनुसंधान और विशेष देखभाल में इसके योगदान के लिए जाना जाता है।

नुमलीगढ़ में युवक के हत्यारे की गिरफ्तारी की मांग

नुमलीगढ़ (हिंस)। नुमलीगढ़ दिल दहला देने वाली हत्या के आरोपी को गिरफ्तार करने की मांग तेज हो गई है। ड्रग्स की लत और उसके खतरनाक असर ने इलाके में भय का माहौल बना दिया है। उल्लेखनीय है कि नुमलीगढ़ के 2 नंबर पंकाग्रांट क्षेत्र में एक युवक की मुंह में पत्थर और रेत भरकर बेरहमी से हत्या किए जाने के 16 दिन बीत चुके हैं, लेकिन मुख्य आरोपी अब भी खुलेआम घूम रहा है। ज्ञात हो कि चेन्नई में कार्यरत गगन महतो नामक युवक 13 अप्रैल को एक पुराने केस की तारीख के सिलसिले में 1 अप्रैल को घर आया था। दोपहर करीब 1 बजे जैसे ही वह घर पहुंचा, बिरेज प्रधान नामक एक कथित दोस्त उसे घर से बाहर ले गया। इसके बाद करीब 3-30 बजे बिरेज ने परिवार को बताया कि गगन शराब के नशे में धलाजान इलाके के पास पड़ा हुआ है। परिवार मौके पर पहुंचा तो देखा कि गगन के मुंह और नाक में पत्थर और रेत भरे हुए हैं। उसे तुरंत वीके-एनआरएल अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। परिवार ने हत्या का शक सीधे बिरेज प्रधान पर जताया है, जो पहले भी मारपीट के केस में शामिल रह चुका है। गांववालों के मुताबिक, बिरेज चाकू और अन्य हथियार लेकर खुलेआम घूमता है और इलाके में कई चोरी की घटनाओं में भी उसका हाथ रहा है। डर के मारे पीड़ित परिवार पहले कुछ नहीं बोल पाया, लेकिन 3 अप्रैल को उन्होंने नुमलीगढ़ थाने में मामला दर्ज कराया। बावजूद इसके पुलिस ने कोई ठोस कदम नहीं उठाया। मजबूरी में परिवार को गुरुवार को मीडिया की शरण लेनी पड़ी, तब जाकर मामला सामने आया।

यमुनानगर : भाजयुमो ने सोनिया व राहुल के फूंके पुतले, किया प्रदर्शन

यमुनानगर (हिंस)। नेशनल हेराल्ड मनी लांड्रिंग मामले में भाजपा जिला युवा मोर्चा ने शेयरों की हेराफेरी, भ्रष्टाचार और हजारों करोड़ों रुपए की जमीन हथियाने के आरोपों पर राहुल गांधी व सोनिया गांधी का पुतला फूंककर विरोध प्रदर्शन किया। गुरुवार को भारतीय जनता युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष निश्चल चौधरी ने जानकारी देते हुए बताया कि कांग्रेस के भ्रष्टाचारी नेता नेशनल हेराल्ड केस में बुरी तरह से धिर गए हैं। आज इसी को लेकर भारतीय जनता युवा मोर्चा ने भाजपा जिला अध्यक्ष राजेश सपरा व सैंकड़ों भाजपा जिला युवा मोर्चा के पदाधिकारीयों व कार्यकर्ताओं की उपस्थिति में जगाधरी के मटका चौक पर कांग्रेस के राहुल गांधी व सोनिया गांधी के पुतले फूंकें।उन्होंने कहा कि भारतीय जनता युवा मोर्चा सरकार से मांग करता है कि राहुल गांधी व सोनिया गांधी सहित कांग्रेस के सभी नेताओं पर भ्रष्टाचार के जो आरोप लगे हैं इनमें उन पर सख्त सजा होनी चाहिए ताकि अन्य लोग भी इससे घबराकर अपराध करने से डरें। भाजपा जिला अध्यक्ष राजेश सपरा ने कहा कि कांग्रेस के भ्रष्टाचारी नेताओं ने नेशनल हैरल्ड के मामले में एक अनोखा भ्रष्टाचार करने का कीर्तिमान बनाया है। जिसमें नेशनल हेराल्ड में भी लगभग वही पदाधिकारी है और कांग्रेस के तत्कालीन पदाधिकारी भी लगभग वही लोग रहे। उन्होंने कहा कि लोग कांग्रेस के नेताओं के असलीयत जान चुके हैं इसलिए कांग्रेस हर प्रदेश में पूरी तरह से हर चुनाव हार रही है।

अवैध रूप से प्रवेश करने वाले पांच बांग्लादेशी नागरिकों को सीमा से लौटाया : सीएम

गुवाहाटी (हिंस)। असम के श्रीभूमि क्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय सीमा के पास असम पुलिस ने कार्रवाई करते हुए पांच बांग्लादेशी नागरिकों को पकड़ा और उन्हें सीमा पार वापस भेज दिया। पकड़े गए नागरिकों की पहचान अब्दुल्ला, अंसारुल्ला, रशीद अहमद, मोहम्मद कालिम मोल्ला और हेपी शेख के रूप में हुई है। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने इस कार्रवाई की सराहना करते हुए कहा कि हमारे राज्य में अवैध घुसपैठ के खिलाफ सतर्कता बरतने में असम पुलिस की भूमिका सराहनीय है। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य की सीमाओं को सुरक्षित रखने के लिए सरकार कड़े कदम उठाती रहेगी।

प्रदेश के हर स्कूल में 21 अप्रैल तक पहुंचेगी एनसीईआरटी की किताबें

पानीपत (हिंस)। हरियाणा के शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा ने कहा है कि आगामी 21 अप्रैल तक प्रदेश के प्रत्येक स्कूल में एनसीईआरटी की किताबें पहुंचा दी जाएंगी। इसे लेकर रोजाना अधिकारियों से रिपोर्ट ली जा रही है। गुरुवार को जारी जानकारी में महिपाल ढांडा ने कहा कि अभिभावकों को एक दुकान से किताबें लेने के लिए बाध्य करने वाले स्कूल संचालकों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। कैबिनेट मंत्री ने उन अधिकारियों को फिर से चेताया है, जोकि विधायक, मंत्रियों के फोन नहीं उठाते और न ही कॉल बैक करते हैं। शिक्षा मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री का विजन है कि नशे की वजह हो रही बर्बादी को रोका जाए।

पृष्ठ एक का शेष

वक्फ बोर्ड और काउंसिल...

बता दें कि वक्फ कानून के खिलाफ 70 से ज्यादा याचिकाएं कोर्ट में दायर की गई है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि ऐसे पांच बिंदु तय करने होंगे, जिनपर सुनवाई होगी। 110-120 फाइलें पढ़ना संभव नहीं। नोडल काउंसिल के जरिए आपत्तियों को तय किया जाए। इस मामले पर 5 मई को अगली सुनवाई होगी।

उग्रवाद से विकास की ...

मूंगफली और उग्रवाद से लेकर उद्यमिता तक, कार्बी आंग्लांग ने हाल के वर्षों में बड़े पैमाने पर बदलाव देखा है। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने गुरुवार (17 अप्रैल, 2025) को कहा कि कभी उग्रवादी गतिविधियों का केंद्र रहे कार्बी आंग्लांग में 2021 में छह संगठनों के साथ शांति समझौते पर हस्ताक्षर के बाद पिछले कुछ वर्षों में परिवर्तन आया है। पहाड़ी जिले कार्बी आंग्लांग की अपनी दो दिवसीय यात्रा के पहले दिन मुख्यमंत्री ने कहा कि एक समय अशांत रहा यह जिला शांति और विकास की यात्रा पर चल पड़ा है, जिसमें पूर्व उग्रवादियों को समाज में पुनः शामिल करने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने शांति समझौते पर हस्ताक्षर करने वाले छह संगठनों के प्रतिनिधियों से भी मुलाकात की और समझौते की शर्तों की समीक्षा की। शर्मा ने एक्स पर लिखा कि बंदूकों से लेकर मूंगफली और उग्रवाद से लेकर उद्यमिता तक, कार्बी आंग्लांग ने हाल के वर्षों में बड़े पैमाने पर बदलाव देखा है। उन्होंने कहा कि विभिन्न सशस्त्र समूहों के पूर्व कार्यकर्ताओं से मुलाकात की, जिन्होंने समृद्ध समाज के निर्माण में मदद के लिए हिंसा छोड़ दी। हमारे विभिन्न पुनर्एकीकरण कार्यक्रमों के माध्यम से, उनमें से कई मत्स्यपालन और कृषि उद्यमी बनने के साथ-साथ रोजगार सृजनकर्ता भी बन गए हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार विकास पर जोर देते हुए और केंद्र के 1,000 करोड़ रुपए के पैकेज के साथ कार्बी शांति समझौते को *शब्दशः* लागू कर रही है। शर्मा ने कहा कि इस अवसर पर मैंने 6 पूर्ववर्ती समूहों के पूर्व कैडरों के साथ समझौते की शर्तों की भी समीक्षा की। सभी छह कार्बी संगठनों, कार्बी लोंगरी एनसी हिल्स लिबरेशन फ्रंट (केएलएनएलएफ), पीपुल्स डेमोक्रेटिक काउंसिल ऑफ कार्बी लोंगरी (पीडीसीके), कार्बी पीपुल्स लिबरेशन टाइगर (केपीएलटी) के तीन गुटों और यूनाइटेड पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (यूपीएलए) के प्रतिनिधियों ने उसी वर्ष मई में मुख्यमंत्री के पदभार ग्रहण करने के बाद सितंबर 2021 में समझौते पर हस्ताक्षर किए थे।

सौ करोड़ की ...

में से एक में बदल देंगे। बुनियादी ढांचे के विकास के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को रेखांकित करते हुए, शर्मा ने क्षेत्र के लोगों को 100 करोड़ रुपए की लागत वाली कई संपर्क परियोजनाएं समर्पित कीं। इनमें 7.25 करोड़ रुपए की लागत से एनएच-329 से रेंगबोंगहोम स्कूल होते हुए केएपीटीए कार्यालय तक 1.85 किलोमीटर सड़क का सुधार, एनएच-36 के पास बिरोला (तरालांगसो) से रोंगकिमी तक 22 किलोमीटर सड़क का निर्माण और लाहोरीजान में कार्बी आंग्लांग के लिए एक भव्य स्वागत द्वार की स्थापना शामिल है। मुख्यमंत्री ने प्रमुख संस्थागत विकास के लिए समयसीमा भी तय की। उन्होंने कहा कि अपनी अगली यात्रा के दौरान हम पशु चिकित्सा महाविद्यालय, सैनिक स्कूल, कृषि महाविद्यालय और एक डिग्री कॉलेज के पूरा होने की घोषणा करेंगे। स्वास्थ्य सेवा की बात करते हुए, शर्मा ने बताया कि क्षेत्र का आगामी कैंसर अस्पताल जनवरी 2026 तक तैयार हो जाने की उम्मीद है। उन्होंने आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं के लिए एक अक्तूबर से वेतन वृद्धि तथा एकमुश्त वित्तीय सहायता पैकेज की घोषणा की जिसका सभी ने स्वागत किया। उन्होंने कहा कि हम आर्थिक रूप से कमजोर तबकों के लिए एलपीजी की कीमतें कम करने के तरीके भी तलाश रहे हैं। हम इस दिशा में काम कर रहे हैं। शैक्षणिक दृष्टि से समृद्ध माहौल बनाने की आवश्यकता पर बल देते हुए मुख्यमंत्री ने युवाओं से क्षेत्र में बढ़ते शैक्षिक बुनियादी ढांचे का लाभ उठाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि हम यहां कई संस्थान स्थापित कर रहे हैं, लेकिन उनकी सफलता के लिए हमें ऐसा वातावरण भी बनाना होगा जो अकादमिक उत्कृष्टता को बढ़ावा दे।

नए वक्फ कानून ...

पर भी विश्वास जताया। उन्होंने कहा कि वे इस सोच के साथ खुद को जुड़ा हुआ महसूस करते हैं। बता दें कि दाऊदी बोहरा समुदाय के प्रतिनिधिमंडल की पीएम मोदी के साथ मुलाकात के दौरान केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू भी मौजूद रहे। सूत्रों की माने तो प्रधानमंत्री ने बोहरा समुदाय के प्रतिनिधियों से विस्तार से बातचीत की और उनकी बातों को ध्यान से सुना। इसके साथ ही उन्होंने भरोसा दिलाया कि सरकार सभी समुदायों के विकास और अधिकारों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। यह मुलाकात सरकार और अल्पसंख्यक समुदायों के बीच मजबूत रिश्ते का संकेत देती है। बोहरा सुमदाय के प्रतिनिधियों ने आगे नए वक्फ कानून की खासियत पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि यह संशोधन समुदाय के हितों की रक्षा करने के साथ-साथ वक्फ संपत्तियों से जुड़ी व्यवस्था में पारदर्शिता लाएगा। साथ ही न केवल दाऊदी बोहरा, बल्कि पूरे मुस्लिम समुदाय के लिए लाभकारी साबित होगा।

कैंसर के इलाज के ...

भिन्न है, क्योंकि इसमें प्रोटॉन की किरण का उपयोग करके कैंसरग्रस्त ट्यूमर को अत्यधिक सटीकता के साथ लक्षित किया जाता है। यह परिशुद्धता आसपास के स्वस्थ ऊतकों और अंगों को होने वाली क्षति को न्यूनतम कर देती है, जिससे संभावित रूप से रोगी के परिणाम बेहतर हो सकते हैं और दीर्घकालिक जटिलताओं का जोखिम कम हो सकता है। असम में स्वास्थ्य सेवा के बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देने के लिए पुराने गौहाटी मेडिकल कॉलेज अस्पताल (जीएमसीएच) को ध्वस्त कर उसकी जगह 3,000 बिस्तरों वाला अत्याधुनिक अस्पताल बनाया जाएगा। यह विकास तीन नए अस्पतालों – प्राग्ज्योतिषपुर अस्पताल, महेंद्र मोहन चौधरी अस्पताल (एमएमसीएच) और एक समर्पित मातृ एवं शिशु अस्पताल के उद्घाटन के मद्देनजर हुआ है। 3,000 बिस्तरों वाले नए परिसर के निर्माण के साथ, जीएमसीएच जल्द ही पटना के बाद देश का दूसरा सबसे बड़ा अस्पताल बन जाएगा, जिसकी कुल क्षमता 5,000 बिस्तरों की होगी। हाल ही में निर्मित मातृ एवं शिशु अस्पताल का उद्घाटन अक्तूबर के अंत तक होने की संभावना है, जिससे क्षेत्र में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सुविधाओं में काफी सुधार होगा। एमएमसीएच को आधुनिक सुविधाओं से युक्त सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल में भी अपग्रेड किया जाएगा, ताकि लीवर और किडनी प्रत्यारोपण जैसी जटिल चिकित्सा प्रक्रियाओं में सहायता मिल सके।

राष्ट्रपति को आदेश...

दिया गया है। हम कहां जा रहे हैं? देश में क्या हो रहा है? हमें बेहद संवेदनशील होना होगा। यह किसी के द्वारा समीक्षा दायर करने या न करने का सवाल नहीं है। हमने इस दिन लोकतंत्र के लिए कभी सौदेबाजी नहीं की। राष्ट्रपति को समयबद्ध तरीके से निर्णय लेने के लिए कहा जाता है, और यदि ऐसा नहीं होता है, तो यह कानून बन जाता है। इसलिए हमारे पास ऐसे न्यायाधीश हैं जो कानून बनाएंगे, जो कार्यकारी कार्य करेंगे, जो सुपर-संसद के रूप में कार्य करेंगे, और उनकी कोई जवाबदेही नहीं होगी क्योंकि देश का कानून उन पर लागू नहीं होता है। धनखड़ ने देश को हिलाकर रख देने वाले विवाद को याद करते हुए कहा कि 14 और 15 मार्च की रात को नई दिल्ली में एक जज के घर पर एक घटना घटी। सात दिनों तक किसी को इस बारे में पता नहीं चला। हमें खुद से सवाल पूछने होंगे। क्या देरी की वजह समझी जा सकती है? क्या यह माफी योग्य है? क्या इससे कुछ बुनियादी सवाल नहीं उठते? किसी भी सामान्य परिस्थिति में, और सामान्य परिस्थितियां कानून के शासन को परिभाषित करती हैं – चीजें अलग होतीं। 21 मार्च को ही एक अखबार ने खुलासा किया कि देश के लोग पहले कभी इतने हैरान नहीं हुए। उन्होंने कहा कि इसके बाद, सौभाग्य से, सार्वजनिक डोमेन में, हमें एक आधिकारिक स्रोत, भारत के सर्वोच्च न्यायालय से इनपुट मिला। और इनपुट ने दोषी होने का संकेत दिया। इनपुट से यह संदेह नहीं हुआ कि कुछ गड़बड़ है। कुछ जांच की आवश्यकता है। अब राष्ट्र सांस रोककर इंतजार कर रहा है। राष्ट्र बेचैन है क्योंकि हमारी एक संस्था, जिसे लोग हमेशा सर्वोच्च सम्मान और आदर के साथ देखते हैं, उसे कटघरे में खड़ा किया गया है। उन्होंने रेखांकित किया कि न्यायमूर्ति वर्मा के आवास पर लगी आग को बुझाने के लिए अग्निशमन विभाग के अभियान के दौरान नकदी बरामद होने के बाद भी उनके खिलाफ कोई प्राथमिकी दर्ज नहीं की गई है और कहा कि देश में किसी के भी खिलाफ मामला दर्ज किया जा सकता है, लेकिन अगर किसी न्यायाधीश के खिलाफ मामला दर्ज करना है तो विशेष अनुमति की आवश्यकता होती है।

भारत को पाकिस्तान ...

विचार और महत्वाकांक्षाएं। दो-राष्ट्र सिद्धांत की इस पुनरावृत्ति में अस्पष्टता की कोई गुंजाइश नहीं है। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि हम इस सच्चाई को स्वीकार करें और पाकिस्तान के साथ दोस्ती के किसी भी भ्रम से आगे बढ़ें। हमें अब भारत को मजबूत करने के लिए खुद को समर्पित करना चाहिए – अपने धर्म को बनाए रखने और अपनी सभ्यतागत लोकाचार की रक्षा करने के लिए। तभी हमारा राष्ट्र अपनी नियत महानता तक पहुंच सकता है। असम के मुख्यमंत्री की टिप्पणी जनरल मुनीर द्वारा इस्लामाबाद में प्रवासी पाकिस्तानियों के सम्मेलन में दिए गए सार्वजनिक भाषण के जवाब में आई। मुनीर ने पाकिस्तान की स्थापना की विचारधारा का हवाला देते हुए कहा कि हमारे पूर्वजों का मानना था कि हम जीवन के हर संभावित पहलू में हिंदुओं से अलग हैं – हमारा धर्म अलग है, हमारे रीति-रिवाज अलग हैं, हमारी परंपराएं अलग हैं, हमारे विचार अलग हैं, हमारी महत्वाकांक्षाएं अलग हैं। यही दो-राष्ट्र सिद्धांत की नींव है – हम दो राष्ट्र हैं, एक नहीं। उन्होंने पाकिस्तानियों से इस विचारधारा को भावी पीढ़ियों में डालने का आग्रह करते हुए कहा कि आपको अपने बच्चों को यह बताना चाहिए ताकि वे पाकिस्तान की कहानी कभी न भूलें। हमारे पूर्वजों ने इस देश के लिए बहुत बड़ी कुर्बानियां दी हैं, और हमें भी देनी चाहिए। कश्मीर पर पाकिस्तान के रुख को पुख्ता करते हुए मुनीर ने कहा कि कश्मीर पाकिस्तान की गले की नस है। दुनिया की कोई भी ताकत इसे हमसे अलग नहीं कर सकती। उनकी यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब कुछ ही दिन पहले भारत ने संयुक्त राष्ट्र में एक बहस के दौरान कश्मीर मुद्दा उठाने पर पाकिस्तान को कड़ी फटकार लगाई थी और उससे *अवैध रूप से कब्जाए गए* क्षेत्रों को खाली करने का आग्रह किया था। सेना प्रमुख की टिप्पणियों ने द्वि-राष्ट्र सिद्धांत की प्रासंगिकता और परिणामों पर बहस को फिर से छेड़ दिया है, विशेष रूप से क्षेत्रीय शांति और धर्मनिरपेक्षता और समावेशिता पर भारत के सतत रुख के संदर्भ में। मुख्यमंत्री शर्मा सहित भारतीय विश्लेषक और राजनीतिक नेता मुनीर की बयानबाजी को पाकिस्तान के सैन्य प्रतिष्ठान द्वारा राष्ट्रीय पहचान और बाहरी संबंधों पर नियंत्रण स्थापित करने का एक और प्रयास मानते हैं।

हम हिन्दुओं से हर ...

देश हैं, एक देश नहीं हैं। पाकिस्तान के बनाने के लिए हमारे पूर्वजों ने बलिदान दिया। पाक सेना प्रमुख ने बीते दिन इस्लामाबाद में प्रवासी पाकिस्तानियों के सम्मेलन में किसी मौलाना की तरह कहा कि पाकिस्तान की नींव कलमे के आधार पर रखी गई थी। किसी को भी पाकिस्तान की इस कहानी को कभी नहीं भूलना है। इस बात को अपनी अगली पीढ़ी को बताएं, जिससे वह पाकिस्तान के साथ अपने जुड़ाव को महसूस कर सकें। इसी तरह हमारी तीसरी, चौथी या फिर पांचवी पीढ़ी हो, सभी को पता होना चाहिए कि पाकिस्तान उनके लिए क्या है। उन्होंने कहा कि आज तक इंसानियत की तारीख में सिर्फ दो रियासतें हैं, जो कि कलमें की बुनियाद पर बनी हैं। पहले जो भी है वह रियासत है तैयबा। क्योंकि तैयबा को हमारे नबी ने नाम दिया था। कुरान में उसका नाम हैं यस रब, जिसे आज मदीना कहते हैं। दूसरी रियासत पाकिस्तान है। 1300 साल बाद अल्लाह ने इसकी बुनियाद कलमे पर रखी है। हैरत की बात तो यह रही कि जब आर्मी चीफ यह तकरीर कर रहे थे, उस समय पाकिस्तान के प्रधानमंत्री समेत सभी बड़े नेता मौजूद थे। लेकिन किसी ने भी इस बात पर आर्मी चीफ को नहीं टोका।

आरपीएफ ने सिलचर से ...

बजे ट्रेन के आरा स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर एक पर आगमन के बाद आरपीएफ तथा जीआरपी आरा के अधिकारी ने जवानों के साथ फरक्का एक्सप्रेस को अटेंड किया। ट्रेन में जीआरपी बक्सर की एस्कॉर्ट पार्टी के साथ अन्य स्टाफ के द्वारा कोच संख्या एस-2 के शौचालय के पास तीन पुरुष एवं एक महिला खड़े हुए पाए गए। इनके पास पिट्ठू बैग और झोला था, जिसको जीआरपी आरा, आरपीएफ आरा को सुपुर्द कर दिया गया। बाद में इस बैग को जीआरपी आरा के द्वारा विधिवत चेक किया गया तो रिहाना (31 वर्ष) पति विनोद के झोले से 7 कछुए बरामद किए गए। वहीं विनोद नाम के व्यक्ति के झोलों में 7 कछुए मिले। तीसरे व्यक्ति उमेश के बैग में 13 कछुए पाए गए। शिकायत पत्र के आधार पर जीआरपी थाना आरा में 15 अप्रैल को बीएनएस और वन्यजीव संरक्षण अधिनियम 1972 के विरुद्ध मामला दर्ज किया गया। इसी तरह रेलवे सुरक्षा बल ने सिलचर रेलवे स्टेशन पर असामाजिक तत्वों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया। इस दौरान रेलवे सुरक्षा बल ने प्लेटफॉर्म नंबर एक के पास पड़े तीन लावारिस बैग बरामद किए। बरामद प्रत्येक बैग से रेलवे को 450 जिंदा मेंढक मिले। मामले को तुरंत बराक वैली वाइल्डलाइफ डिवीजन के डीएफओ को सूचित किया गया। इसके बाद आगे की आवश्यक कार्रवाई के लिए उन्हें जिंदा मेंढक सौंप दिए गए।

अनुच्छेद 370 हटाने ...

किए हैं, फारूक अब्दुल्ला ने सार्वजनिक रूप से उसकी निंदा करते हुए इसे *विश्वासघात* बताया है। फारुक अब्दुल्ला ने दुलत के इस दावे पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की और आरोप लगाया कि दुलत अपनी आगामी किताब के प्रचार के लिए इस तरह की *सस्ती लोकप्रियता* का सहारा ले रहे हैं। अब्दुल्ला ने दुलत के इस दावे को खारिज कर दिया कि यदि नेकां को विश्वास में लिया गया होता तो वह पूर्ववर्ती राज्य के विशेष दर्जे को समाप्त करने के प्रस्ताव को पारित कराने में मदद करती। नेकां अध्यक्ष अब्दुल्ला ने इस पर कहा कि यह लेखक की महज एक *कल्पना* है। हम आपको बता दें कि दुलत की किताब द *चीफ मिनिस्टर एंड द स्पाई* का 18 अप्रैल को विमोचन होने वाला है। हम आपको बता दें कि जगरनॉट द्वारा प्रकाशित किताब के अनुसार, अनुच्छेद 370 पर फारूक अब्दुल्ला ने दुलत से पूछा था कि हम (प्रस्ताव पारित करने में) मदद करते। हमें विश्वास में क्यों नहीं लिया गया? दुलत लिखते हैं कि अनुच्छेद 370 के निरस्तीकरण से कुछ दिन पहले अब्दुल्ला और उनके बेटे उमर अब्दुल्ला ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। निरस्तीकरण के बाद फारूक अब्दुल्ला को सात महीने तक हिरासत में रखा गया था। इस अवधि के दौरान, दिल्ली ने उनके रुख की सावधानीपूर्वक जांच की। दुलत कहते हैं कि वे चाहते थे कि वह नई वास्तविकता को स्वीकार करें। उन्होंने लिखा कि 2020 की शुरुआत में अपनी रिहाई के बाद फारूक अब्दुल्ला ने दिल्ली के कदम का सार्वजनिक रूप से समर्थन करने से इंकार कर दिया। उन्होंने दुलत से कहा कि मैं जो भी कहूंगा, संसद में कहूंगा। फिर भी उन्होंने चुपचाप गुपकार घोषणापत्र (पीएजीडी) के लिए पीपुल्स अलायंस बनाया, जिसमें क्षेत्र की स्वायत्तता और राज्य का दर्जा बहाल करने की मांग करने के लिए पीडीपी की महबूबा मुफ्ती जैसे प्रतिद्वंद्वियों को एकजुट किया।

हिंदुओं पर हिंसा के ...

चाहिए। विश्व हिंदू परिषद पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद समेत अलग-अलग जगहों पर हिंदुओं पर हो रही हिंसा के खिलाफ 19 अप्रैल को राष्ट्रव्यापी प्रदर्शन करेगा। इस प्रदर्शन में हिंदुओं पर हो रही हिंसा पर रोक लगाने की मांग की जाएगी। साथ ही विहिप कार्यकर्ता पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी की सरकार बर्खास्त कर वहां राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग भी करेंगे। विहिप के एक दल ने मुर्शिदाबाद का दौरा कर वहां हिंदुओं की स्थिति जानी थी। इसके बाद संगठन ने राज्य सरकार के खिलाफ एक मुहिम चलाने का निर्णय लिया है। विहिप के राष्ट्रीय महामंत्री मिलिंद परांडे ने इसके बाद ही राष्ट्रीय स्तर पर हिंदुओं पर हो रही हिंसा के खिलाफ सड़क पर उतरने की योजना बनाई है।

बेहाल कैलीफोर्निया ने ...

डोनाल्ड ट्रम्प ने दस फीसदी से लेकर ऊंची दरों पर टैरिफ लगाए हैं। इस टैरिफ से अमेरिका के कमोवेश सभी राज्य परेशान हैं, लेकिन अभी कैलीफोर्निया खुलकर टैरिफ के विरोध में आ गया है। संघीय अदालत में दायर मुकदमे में कैलीफोर्निया स्टेट ने कहा कि संविधान के मुताबिक टैरिफ लगाने का अधिकार सिर्फ कांग्रेस के पास है। राष्ट्रपति के पास इसका कोई अधिकार ही नहीं हैं। राष्ट्रपति ने इंटरनेशनल इमरजेंसी इकोनामिक पावर्स एक्ट की दलील देकर टैरिफ लगाया है, जो कि गलत है। यह कानून राष्ट्रपति को उनके मन मुताबिक टैरिफ लगाने का अधिकार नहीं देता है। गौरतलब है कि कैलिफोर्निया अमेरिका में सबसे अधिक सामान आयात करता है। यहां के 12 बंदरगाहों के जरिए 40 फीसदी आयात होता है। इसलिए टैरिफ लगाने से सबसे अधिक यह राज्य ही प्रभावित हुआ है। इस टैरिफ से राज्य की अर्थ व्यवस्था के साथ ही नौकरियों पर भी असर पड़ सकता है। उधर मामला अदालत तक जाने पर व्हाइट हाउस ने कड़ी नाराजगी व्यक्त की है। सरकारी प्रवक्ता कुश देसाई ने कैलीफोर्निया के गवर्नर गैविन न्यूजम से कहा कि उनके राज्य में अपराध चरम पर है। महंगाई की समस्या से लोग जूझ रहे हैं। उन्हें राज्य की समस्याओं पर ध्यान दें, न कि टैरिफ को रोकने के प्रयास करनी चाहिए। उनका यह कदम किसी भी सूरत में उचित नहीं कहा जा सकता।

देश से 2026 तक हमेशा...

करने के लिए कार्य कर रहे हैं। देश की संसद पर आतंकी हमले और श्रीराम जन्मभूमि पर हमले जैसी मुश्किल समय में कई बार सीआरपीएफ जवानों ने वीरता का प्रदर्शन करते हुए राष्ट्र की सुरक्षा के लिए बलिदान दिया। उन्होंने केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के शहीद जवानों को नमन करते हुए कहा कि सीमाई क्षेत्रों से लेकर अंदरूनी इलाकों तक देश की सुरक्षा में सीआरपीएफ के योगदान को कोई भुला नहीं सकता। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार द्वारा सीआरपीएफ कर्मियों को आयुष्मान कार्ड और आवास योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है। सीआरपीएफ में अब महिला कर्मियों की भर्ती हो रही है। उनके लिए भी आवास सुविधा विकसित की जा रही है। सीआरपीएफ को आधुनिक बनाए रखने के लिए केंद्र सरकार की ओर से उत्कृष्ट सुविधा प्रदान की जा रही है। सीआरपीएफ को 2708 वीरता पदक प्राप्त हुए हैं, जो विलक्षण हैं। इस अवसर पर केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के 86वें स्थापना दिवस की परेड का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने भव्य परेड का निरीक्षण कर, परेड की सलामी ली। उन्होंने देश की आंतरिक सुरक्षा में सीआरपीएफ के कार्मिकों के अदयम साहस एवं समर्पण की सराहना की। उन्होंने बल की आतंकवाद और उग्रवाद विरोधी अभियानों, शांति स्थापना के कार्यों और अन्य महत्वपूर्ण दायित्वों में निभाई गई भूमिका को रेखांकित करते हुए कहा कि जहां सी.आर.पी.एफ.है, वहां चिंता की कोई बात नहीं। उन्होंने कहा कि सीआरपीएफ को देश ही नहीं, पूरी दुनिया के सबसे बड़ा अर्द्ध सैनिक बल का गौरव हासिल है। केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने ग्रुप सेंटर परिसर स्थित शहीद स्मारक स्थल पर माल्यार्पण कर राष्ट्र के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर सपूतों को श्रद्धांजलि अर्पित की।

फ्रांस से 26 राफेल ...

फिलहाल आईएएफ केवल 31 स्क्वाड्रनों के साथ काम कर रही है, जबकि जरूरत 42.5 स्क्वाड्रनों की है। इस साल की शुरुआत में वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल ए.पी. सिंह ने बताया था कि आईएएफ को हर साल 3540 नए फाइटर जेट्स की आवश्यकता है ताकि रिटायर्ड हो रहे विमानों और स्क्वाड्रन की कमी को पूरा किया जा सके। एचएएल द्वारा 2030 तक 97 तेजस एक-1ए देने की तैयारी है। लेकिन उत्पादन की स्पीड, बुनियादी ढांचा और जरूरतों का आकार आईएएफ को एक बार फिर विदेशी विकल्प की ओर देखने को मजबूर कर रहा है। एमआरएफए प्रोजेक्ट जिसमें करीब 114 विदेशी लड़ाकू विमानों की खरीद की योजना अब तक रुका हुआ है और अभी तक कोई रिक्वेस्ट फॉर प्रोपोजॉल (आरएफपी) जारी नहीं हुआ है। लेकिन राफेल प्लेटफॉर्म की विश्वसनीयता और भारतीय वायुसेना के द्वारा पहले से ही इस्तेमाल किए जाने के कारण यह एयरक्राफ्ट प्रतियोगिता के बिना ही पहली पसंद बनकर उभरा है। यहां पर खास ध्यान देने वाली बात ये भी है कि भारत फ्रांस के साथ इस डिल के पहले चरण में 40 से 60 विमानों की खरीद कर सकता है और उसके बाद जरूरत के हिसाब से इस संख्या को (114 एमआरएफए) तक ले जा सकता है। भारतीय नौसेना 63,000 करोड़ रुपए की लागत से 26 राफेल-एम फाइटर्स की डील को अंतिम रूप देने के करीब है। कैबिनेट कमेटी ऑन सिक्योरिटी (सीसीएस) ने इस डील को पहले ही मंजूरी दे दी है। इसमें 22 सिंगल-सीट कैरियर-आधारित फाइटर और 4 ट्विन-सीट ट्रेनर विमान शामिल होंगे, जो आईएनएस विक्रांत से संचालित होंगे और पुराने हो चुके मीग-29के को बदलेंगे। इनकी डिलीवरी 2028-29 से शुरू होगी और 2031 तक पूरी तरह से सेवा में आ जाएंगे। इस डील में हथियार पैकेज, *अस्त्र* मिसाइल, स्वदेशी एमआरओ सुविधाएं और क्रू ट्रेनिंग शामिल हैं, जो आईएएफ के राफेल नेटवर्क को भी मजबूत करेंगे। इसके साथ ही, आईएएफ के 36 राफेल में से 10 विमानों को *बडी-बडी रिफ्यूलिंग,* बेहतर सेंसर और लॉन्ग-रेंज सॉफ्टवेयर सूट के साथ अपग्रेड किया जा रहा है, जो भारत की राफेल पर लंबे समय तक निर्भरता को देखते है। सीरिया, लीबिया और माली में युद्ध में और लद्दाख की ऊंचाई वाली परिस्थितियों में खुद को साबित कर चुका राफेल भारत के लिए एक बेहतर पसंद बन चुका है। इसमें मेटेओर एयर-टू-एयर मिसाइलें, स्काल्प स्टैंड-ऑफ हथियार, और एईएसए रडार जैसी एडवांस क्षमताएं हैं, जो मीग-21, मीग-29 और जगुवार से कहीं आगे हैं। आईएएफ और नौसेना दोनों के राफेल वेरिएंट में लगभग 95 प्रतिशत समानता होने के कारण लॉजिस्टिक्स, ट्रेनिंग और रखरखाव में भारी सुविधा होती है। यह ज्वाइंट ऑपरेशन के लिए एक बड़ा फायदा है। एमआरएफए के खुले टेंडर की बजाय जी2जी मॉडल को एक रणनीतिक विकल्प के रूप में भी देखा जा रहा है। दो मोर्चों पर तेजी से बदलते खतरों और लिमिटिड टाइम बाउंडेशन को देखते हुए भारत राफेल को सबसे ज्यादा पसंद कर रहा है। सूत्रों के मुताबिक यह डिल भारत की मेक-इन-इंडिया-फॉर-द-वर्ल्ड नीति के भी अनुकूल है।

तांत बिहू की पवित्रता में बसती है असम की परंपरा : दिलीप सैकिया

गुवाहाटी (हिंस)। बोहाग बिहू के चौथे दिन यानी *तांत बिहू* के अवसर पर असम भाजपा अध्यक्ष दिलीप सैकिया ने असम की सभी बुनकर महिलाओं को नववर्ष की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने एक भावुक पंक्ति के साथ अपने संदेश की शुरुआत की—

अतिकै सेनेहर मुगारे महुरा
ऐ तातोके सेनेहर माकों
तातोके सेनेहर बहागर बिहुटी
नापाति केनेकै थाकों।

इस अवसर पर सैकिया ने असम की तांत परंपरा, महिला बुनकरों की मेहनत और उनकी कला को नमन करते हुए कहा कि सात पीढ़ियों से चली आ रही परंपरा को आगे बढ़ाते हुए आज बुनकर महिलाएं एकत्रित होकर तांतशाला में धूप-अगरबत्ती, सुपारी-पान अर्पित कर *तांत बिहू* मना रही हैं। उन्होंने कहा कि असम की बुनकर महिलाएं तांत के ताने-बाने में अपने सपने बुनती हैं। सूखे धागों और हाथों की मेहनत से बने वस्त्रों ने विश्व में असम के वस्त्र उद्योग को एक अनोखी पहचान दी है। रंगाली बिहू और तांतशाल का आपस में गहरा और अटूट रिश्ता है। सैकिया ने इस अवसर पर कहा कि असम की संस्कृति, कला और सृजनशीलता को आगे ले जाने वाली इन बुनकर महिलाओं को हम सबका नमन है। यही हमारी अस्मिता, हमारी परंपरा और हमारी शक्ति का प्रतीक है।

'मीडिया एसोसिएशन असम' का गठन, वरिष्ठ पत्रकार कनकसेन डेका बने मुख्य संरक्षक

गुवाहाटी (हिंस)। असम के मीडिया जगत में आज एक नई सशक्त संस्था *मीडिया एसोसिएशन, असम* का गठन हुआ। असमिया नववर्ष 1947 शक के प्रथम बोहाग के पावन अवसर पर इस संगठन ने जन्म लिया। वरिष्ठ पत्रकार, साहित्यकार और बुद्धिजीवी कनकसेन डेका को इसका मुख्य संरक्षक और प्रमुख सलाहकार नियुक्त किया गया है। यह संगठन असम के सभी छोटे-बड़े पत्रकारों, बुद्धिजीवियों, विचारकों, स्तंभलेखकों, कलाकारों, साहित्यकारों और समाजसेवियों को एकजुट कर समग्र विकास की दिशा में काम करेगा। संगठन का उद्देश्य आपसी विश्वास व संवाद को बढ़ावा देना, परंपरा और सांस्कृतिक विरासत की रक्षा करना, पत्रकारों की पेशेवर और निजी सुरक्षा सुनिश्चित करना, पेंशन में वृद्धि और जीवन बीमा

जैसी मांगों को लेकर आवाज उठाना और उन्हें लागू करवाना है। पूर्वोत्तर भारत की सभी भाषाओं और जनजातियों के बीच एकता को मजबूत कर क्षेत्रीय विकास की दिशा में यह संस्था महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। आज गुवाहाटी के गणेशगुड़ी स्थित अग्रदूत भवन में कनकसेन डेका की अध्यक्षता में एक आमसभा का आयोजन किया गया। इसी सभा में 25 सदस्यीय कार्यकारिणी समिति का गठन किया गया। गठित कार्यकारिणी समिति इस प्रकार है- मुख्य संरक्षक: कनकसेन डेका, सलाहकार: मृणालिनी देवी, डॉ. दयानंद पाठक, देवज्योति हजारिका, नीरा गोगोई सोनोवाल, नितुल बरगोहाई, राजकुमार अगरवाला, कैलाश शर्मा और राजेश केम्प्राई। अध्यक्ष: हीरेन चंद्र कलिता, उपाध्यक्ष: दीपेन बायन, जयंत कलिता, रसधर शर्मा, नवनीता कलिता और विपुल दास महासचिव: चंद्रकुमार सैकिया, सहायक सचिव: बनदीप गोस्वामी, अमर कश्यप, इंद्रेश्वर हजारिका, कुमुद बोड़ो, संगीता सैकिया, संगठन सचिव: शेवाली कलिता, रंजीत पाटगिरी, विकास शर्मा, अजहुरुल इस्लाम, प्रचार सचिव: दर्शना बरुवा, पपी दास, दीपज्योति शर्मा, हीरक कश्यप, कार्यकारी सदस्य: पवित्र मेच, रंजिता देवी, अब्दुल साजिद, रिंटु कुर्मी तथा दिपांकर पाठक शामिल किए गए हैं। इस सभा में संगठन के संविधान, पंजीकरण और अन्य कार्यों के लिए कार्यकारिणी को जिम्मेदारियां सौंपी गईं।

कांग्रेस के भ्रष्टाचार के खिलाफ भाजयुमो का शांतिपूर्ण प्रदर्शन

गुवाहाटी (हिंस)। भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) गुवाहाटी महानगर इकाई ने गुरुवार को कांग्रेस पार्टी के कथित भ्रष्टाचार और नेशनल हेराल्ड मामले में राहुल गांधी एवं सोनिया गांधी के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा दाखिल चार्जशीट को लेकर एक शांतिपूर्ण प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन मार्च हेंगराबाड़ी स्थित पीएचई फील्ड से प्रारंभ होकर भाजपा जिला कार्यालय तक पहुंचा। प्रदर्शन के दौरान भाजयुमो कार्यकर्ताओं ने हाथों में तख्तियां लेकर कांग्रेस नेतृत्व के खिलाफ जवाबदेही और पारदर्शिता की मांग करते हुए नारेबाजी की। इस अवसर पर भाजयुमो के प्रदेश अध्यक्ष राकेश दास ने कहा कि यह प्रदर्शन कांग्रेस पार्टी द्वारा लगातार किए जा रहे भ्रष्टाचार और अनियमितताओं के खिलाफ है। दशकों से एक परिवार ने देश को लूटा है और अब देश की जनता न्याय की मांग कर रही है। नेशनल हेराल्ड केस इस लूट का केवल एक उदाहरण है। प्रदर्शन में भाजयुमो गुवाहाटी नगर जिला अध्यक्ष निहारेंद्र शर्मा, एएसटीसी के उपाध्यक्ष प्रणब ज्योति लखर और कई कार्यकर्ता मौजूद रहे। सभी ने इस मुद्दे पर अपना समर्थन जताते हुए भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई में पार्टी की प्रतिबद्धता दोहराई।

बंगाईगांव की वसुधा कोठारी ने केंद्रीय रंगाली बिहू सम्मिलिनी के मंच पर दी प्रशंसनीय प्रस्तुति

बंगाईगांव। बंगाईगांव के गांधी मैदान में आयोजित केंद्रीय रंगाली बिहू सम्मिलिनी के द्वारा आयोजित बिहू के सांस्कृतिक कार्यक्रम में बंगाईगांव के राजकुमार कोठारी की पुत्रवधू श्रीमती वसुधा-गुंजन कोठारी ने स्वर्गीय भूपेन हजारिका का मशहूर गीत मानुहे मानुहोर बाबे गाकर खचाखच भरे पंडाल में उपस्थित सभी श्रोताओं को मंत्र मुग्ध कर दिया। ज्ञात हो कि यह केंद्रीय रंगाली बिहू का कार्यक्रम कई वर्षों से वर्तमान के माननीय सांसद फनी भूषण चौधरी के सानिध्य में सुचारू एवं सफलतापूर्वक संपन्न होता है। इस मंच पर मारवाड़ी घर की बहू के द्वारा बिहू गीत की प्रस्तुति संपूर्ण मारवाड़ी समाज को गोरवान्वित करता है। वसुधा कोठारी जो कि बंगाल के कोलकाता में जन्मी पढ़ी-लिखी और बड़ी हुई जिसके द्वारा असमिया में सुंदर गीत प्रस्तुत करना सहरानीय योग्य है। मारवाड़ी महिला द्वारा इस तरह के कार्यक्रम स्थानीय समाज के साथ समन्वय व समरसता का प्रतीक है। वसुधा कोठारी के द्वारा सफल प्रस्तुति पर स्थानीय समाज के सभी लोगों ने शुभकामनाएं एवं बधाई प्रेषित की है एवं वसुधा कोठारी के उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। राजकुमार-कविता कोठारी ने संपूर्ण समाज को अपनी बहू के प्रति इतना प्यार देने के लिए आभार प्रकट करते हुए हार्दिक धन्यवाद दिया है।

नलबाड़ी में तीन सौ से अधिक बिहू नृत्यांगनाओं ने किया मनमोहक प्रदर्शन

नलबाड़ी (हिंस)। रंगाली बिहू की खुशी में पूरा असम उत्साह और उमंग से सराबोर है। ढोल-पेपा की मधुर धुनों से हर बिहू स्थल गूंज रहा है और चारों ओर उत्सव का माहौल छाया हुआ है। नलबाड़ी के गॉर्डन उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के खेल मैदान में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में तीन सौ से अधिक बिहू नृत्यांगनाओं ने एक साथ पारंपरिक नृत्य प्रस्तुत कर समां बांध दिया। इस भव्य आयोजन ने असम की लोकसंस्कृति की समृद्ध विरासत को फिर से जीवंत कर दिया। कार्यक्रम को देखने के लिए हजारों की संख्या में लोग पहुंचे और बिहू नृत्य का भरपूर आनंद उठाया। राज्य सरकार और स्थानीय संगठनों के सहयोग से यह आयोजन बेहद सफल और आकर्षक रहा।

अभाविप के तत्वावधान में सांस्कृतिक शोभायात्रा आयोजित

कछार (हिंस)। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, असम प्रांत तथा राष्ट्रीय कला मंच के संयुक्त तत्वावधान में बराक सांस्कृतिक महोत्सव के अंतर्गत भव्य शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा के दौरान तेज आंधी और बारिश हुई, किंतु विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ताओं और प्रतिभागियों ने उसकी परवाह न करते हुए शोभायात्रा को पूरी सफलता के साथ संपन्न किया। इस सांस्कृतिक शोभायात्रा का उद्घाटन गौरांग राय, प्रांत प्रचारक, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, दक्षिण असम प्रांत ने किया। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद बराक घाटी की संस्कृति को ज़िला स्तर से राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाने के लिए एक अभिनव प्रयास कर रही है। इसी उद्देश्य से बराक घाटी के छात्र-छात्राओं के बीच सांस्कृतिक प्रतियोगिताएं आयोजित की गई हैं। ये प्रतियोगिताएं पहले नगर स्तर पर, फिर ज़िला स्तर पर आयोजित की गईं। और अब आगामी शुक्रवार को सिलचर में इसका ग्रैंड फिनाले आयोजित होगा। इस ग्रैंड फिनाले में प्रसिद्ध बॉलीवुड और टॉलीवुड अभिनेता मिथुन चक्रवर्ती विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। इस शोभायात्रा में बराक घाटी के विभिन्न स्वयंसेवी संगठन, सामाजिक संस्थाएं और

सांस्कृतिक संगठनों ने सक्रिय सहयोग प्रदान किया। इस सांस्कृतिक शोभायात्रा में 500 से अधिक छात्र-छात्राएं और आम नागरिक सम्मिलित हुए। इस शोभायात्रा का मुख्य उद्देश्य बराक घाटी की सांस्कृतिक विरासत को राष्ट्रीय मंच पर प्रस्तुत करना और उसकी गरिमा को राष्ट्रीय पहचान दिलाना था। यह शोभायात्रा सिलचर ज़िले के टाउन क्लब के समक्ष से सुबह 7 बजे आरंभ हुई। इस शोभायात्रा में विशेष अतिथि गौरांग राय ने प्रेरणादायक भाषण दिया और कनक लाल देव, बराक सांस्कृतिक महोत्सव के कार्यक्रम प्रमुख ने सभी को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि उन्होंने बारिश के बावजूद शोभायात्रा को सफल बनाने में अपना योगदान दिया। इस अवसर पर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के राष्ट्रीय संपादक कमलेश सिंह, असम प्रांत के संगठनात्मक सचिव अनूप कुमार, सह-संगठनात्मक सचिव तुषार भौमिक और बराक घाटी के विभिन्न जिलों के शैक्षणिक संस्थानों के छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। साथ ही, विभिन्न जनजातियों के छात्र-छात्राएं भी इस शोभायात्रा में सहभागी बने।

मोरीगांव में साइबर अपराध से जुड़े पांच गिरफ्तार

मोरीगांव (हिंस)। राज्य में रोजाना बढ़ते साइबर अपराध के मामलों के बीच मोरीगांव जिले की पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने गुरुवार को बताया कि जिले के लाहोरीघाट इलाके में चलाए गए एक विशेष अभियान में साइबर अपराध से जुड़े 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। यह कार्रवाई मोरीगांव पुलिस और मुंबई पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा की गई। पुलिस सूत्रों के अनुसार, ये आरोपी साइबर ठगी के मामलों में लिप्त थे और इनके खिलाफ कई जगह शिकायतें दर्ज थीं। अभियान के दौरान आरोपी छत के ऊपर छिपे हुए थे, जिन्हें खोजकर पुलिस ने गिरफ्तार किया। पुलिस ने कहा है कि साइबर अपराध के खिलाफ यह कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

नगांव में चार दिवसीय श्री हनुमान जन्मोत्सव संपन्न

नगांव (निसं)। चार दिवसीय श्री हनुमान जन्मोत्सव समारोह का श्री हनुमान जन्मोत्सव समिति के तत्वधान में हवन और ईश वंदना के साथ बुधवार को यहां समापन हुआ। स्व. सेठ मेघराज अग्रवाल स्मृति भवन में बुधवार को श्री पवन पुत्र हनुमान जी महाराज की विशेष पूजा अर्चना पंडित प्रह्लाद दाधिच के सानिध्य में संपन्न हुई। श्री हनुमान जन्मोत्सव समिति के सचिव राजेंद्र प्रसाद मुंदड़ा ने सपत्नीक पूजा विधि संपन्न करवाई। तत्पश्चात हवन संपन्न हुआ जिसमे भक्तो ने उपस्थित होकर श्रद्धा की हाजरी लगाई और सुख शांति के लिए आयोजित हवन में आहुति प्रदान की। इस समय समिति केअध्यक्ष प्रह्लाद राय तोदी, उपाध्यक्ष रतन जाजोदिया, पवन कुमार गा ?ेदिया, संयुक्त सचिव अजित माहेश्वरी, उप सचिव अजय मित्तल, शिव चरण पोद्दार, प्रसाद विभाग के संयोजक जगदीश प्रसाद धूत, उप संयोजक नितिन मुंदड़ा, मेला बाजार के संयोजक मुकेश पोद्दार व अन्य सदस्य विनोद कुमार धूत, महेश गाडोदिया, टिंकू सिन्हा, कैलाश मुंदड़ा, जुगल किशोर धूत, विनोद मुंदड़ा के अतिरिक्त कई गणमान्य लोग उपस्थित थे। ज्यादातर भक्त सपत्नीक नजर आए। पंडितो के मंत्रोच्चारण के बीच हवन विधि संपन्न हुई व आरती से पूर्व पूर्णाहुति में भक्तो ने सामूहिक रूप से भाग लिया और जय श्रीराम, जय हनुमान के नारो से आयोजन स्थल भक्तिमय हो गया। तत्पश्चात भंडारे में लोगों ने कतारबद्ध प्रसाद ग्रहण किया। समिति के संयुक्त सचिव व प्रचार विभाग के संयोजक अजित माहेश्वरी ने बताया कि भंडारे में विभिन्न समुदाय के लोगों को मिलाकर काफी संख्या में भक्तो ने प्रसाद ग्रहण किया। इससे पहले श्री हनुमान जन्मोत्सव के चतुर्थ व अंतिम दिन भी लोगों का समागम रहा। चतुर्थ दिन मंगलवार को कार्यक्रम में मुख्य रूप से जो कार्यक्रम संपन्न हुए उनमे वैष्णवी कला मंच मुरादाबाद के राहुल कुमार के निर्देशन में नृत्यनाटिका का प्रदर्शन ने लोगों को पंडाल में जमाए रखा। बाद में देवघर से आमंत्रित गायक अजीत-मनोज की जोड़ी द्वारा प्रस्तुत भजनों में लोगों को झुमाते देखा गया और एक से बढ़कर एक शानदार भजनो की प्रस्तुति पर माहौल को भक्तिमय कर दिया। चार दिवसीय कार्यक्रम का संचालन संजय पोद्दार, सुनील आलमपुरिया, सारंग खाटुवाला व अजित माहेश्वरी ने बारी बारी से किया। रात्रि जागरण में पवन शर्मा एंड पार्टी के अतिरिक्त यश झंवर ने भजनो की प्रस्तुती दी। सभी अतिथि कलाकारो का समिति की तरफ से फुलाम गोमछा से सम्मान किया गया।

बिश्वनाथ के वृहत्तर टेंगाबाड़ी रंगाली बिहू सम्मेलन का रजत जयंती समारोह शुरू

बिश्वनाथ (विभास)। बिश्वनाथ के वृहत्तर टेंगाबाड़ी रंगाली बिहू सम्मेलन की रजत जयंती 17, 18 और 19 अप्रैल को टेंगाबाड़ी बाकरी, बिश्वनाथ चारिआलि में आयोजित की जाएगी। कार्यक्रम में प्रात: 09.00 बजे तोरण का उद्घाटन एवं प्रात: 10.00 बजे मुख्य ध्वज सहित 24 ध्वजों का आरोहण किया जायेगा। ध्वजारोहण -बिपुल बोरा, अध्यक्ष, वृहत्तर टेगाबाड़ी रंगाली बिहू सम्मेलन समारोह समिति, सहयोगी ध्वजवाहक: आमंत्रित अतिथि द्वारा, सुबह 11.00 बजे दिवंगत जयंत बोरा को श्रद्धांजलि, पुष्प अर्पित किया जाएगा। 2.00 बजे: मंच उद्घाटन (टेंगाबाड़ी माताओं द्वारा) 2.30 बजे सांस्कृतिक प्रतियोगिता (कविता पाठ, बिहू गीत, बिहू नृत्य, आधुनिक नृत्य, ढोल बजाने की प्रतियोगिता) होगा। आगामी 18 अप्रैल, 2.00 बजे मंच का उद्घाटन

(मुकली), दोपहर 3.00 बजे: जिला स्तरीय मौकुंवरी प्रतियोगिता (श्रेणी क-प्रथम से चतुर्थ श तक और श्रेणी ख-पंचम से सप्तम तक) 19 अप्रैल, सुबह 11.00 बजे: सामूहिक सफाई (वृहत्तर टेंगाबाड़ी रंगाली बिहू सम्मेलन उद्यापन समिति द्वारा) दोपहर 1.00 बजे: स्मारक विमोचन, जिसका विमोचक डॉ. चिंतामणि शर्मा, प्राचार्य, विश्वनाथ महाविद्यालय और दोपहर 2 बजे उद्घाटन समारोह किया जाएगा। रात में सांस्कृतिक संध्या होगी जिसमें लोकप्रिय गायक नील आकाश समेत कई कलाकार शामिल होंगे। समारोह से पहले एक अभिनंदन समारोह का आयोजित किया जाएगा। रात 8.00 बजे: सांस्कृतिक कार्यक्रम का उद्घाटन बिश्वनाथ विधायक प्रमोद बरठाकुर करेंगे। कार्यक्रम का सफल बनाने के लिए अध्यक्ष बिपुल बोरा और महासचिव दिगंत बोरा और प्रांजल बोरा ने आह्वान किया।

जेसीआई हुनर ने बच्चों के मनोरंजन के लिए आबरा का डाबरा कार्यक्रम आयोजित किया

गुवाहाटी (विभास)। गत ग्यारह सालों से समाज सेवा में अग्रणी रही जूनियर चैंबर ऑफ इंटरनेशनल (जेसीआई) की गुवाहाटी हुनर चैप्टर ने समाज सेवा के साथ-साथ बच्चों का मनोरंजन करने के लिए गिनीज बुक्स ऑफ रिकॉर्ड में अपना नाम दर्ज करवाने वाले विश्व प्रसिद्ध जादूगर विल्सन चंपाकुल के जादूई कार्यक्रम का आयोजन किया। जिसमें बच्चों ने काफी मनोरंजन किया। जेसीआई हुनर की अध्यक्षा नेहा गुप्ता ने सभी का स्वागत किया। इस कार्यक्रम की मुख्य अतिथि जेसीआई क्षेत्रीय अध्यक्ष गुंजन हरलालका विशेष रूप से उपस्थित थी। गुंजन हरलालका ने अपने संबोधन में जेसीआई हुनर के कार्यों की भूरि-भूरि प्रशंसा की। जादूगर विल्सन चंपाकुल ने बच्चों के साथ बड़े बुजुर्गों का भी मनोरंजन करते हुए एक से एक बढ़कर जादूई कला का प्रदर्शन किया। दर्शक दीर्घा से महिलाओं को मंच पर बुलाकर

अपनी जादुई कला में उन्हें भी भागीदार बनाया और उन्हें उपहार भी प्रदान किया जो की कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रहा। उनके हर जादुई कला पर बच्चे चिल्ला उठाते थे और बड़े बुजुर्ग तालियां बजाते थे। जेसीआई ही नहीं गुवाहाटी में भी इस तरह का मनोरंजन कार्यक्रम पहली बार आयोजित हुआ है। इसे देखने के लिए माछखोवा आईटीए सेंटर की सारी सीटे हाउसफुल हो चुकी थी। कई दर्शको ने कोने में खड़े होकर इस कार्यक्रम को देखा। कार्यक्रम के संयोजक प्रकाश जैन व विकास झाबक के नेतृत्व में सह संयोजक सरिता जैन, पिंकी जैन, आकाश कल्याणी, योगेश शर्मा, पूजा अग्रवाल, सोनिया जैन और प्रतिभा पसारी ने सारी व्यवस्था संभाल रखी थी। गुवाहाटी हुनर के निवर्तमान अध्यक्ष पारस सराफ, सचिव रवि कुंडलिया, कोषाध्यक्ष अमित बाकलीवाल ने उपस्थित सभी दर्शकों व प्रायोजकों को धन्यवाद ज्ञापन दिया।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ विश्वनाथ जिला का प्राथमिक शिक्षा वर्ग संपन्न

विश्वनाथ (विभास)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा प्रत्येक वर्ष की भांति इस बार भी विश्वनाथ जिला ने नदुवार खंड में स्थित कुसुमतोला हाई स्कूल में 1 अप्रैल से 9 अप्रैल तक प्राथमिक शिक्षा वर्ग (आईटीसी) का आयोजन किया गया। जिसमें 60 शिक्षार्थी प्राथमिक शिक्षा वर्ग में भाग ली। साथ ही इन शिक्षार्थी को 11 शिक्षकों ने प्रशिक्षित किया। प्रत्येक दिन का कार्यक्रम क्रमश: सर्वप्रथम प्रात: 4-30 जागरण एकात्मतास्त्रोतम्, प्रथम संघ स्थान, जलपान, श्रम साधना, स्नान, योगनिद्रा, बैठक, चर्चा, भोजन व विश्राम, चाय, प्रार्थना अभ्यास, द्वितीय संघ स्थान, स्वल्पाहार, बौद्धिक, प्रवचन व रात्रि कार्यक्रम, भोजन और रात्रि 10 बजे दीप निर्वापन हुआ। प्राथमिक शिक्षा वर्ग में वर्ग अधिकारी लाचित बरठाकुर के मार्गदर्शन में हुए बैठक कार्यक्रम में विश्वनाथ नगर कार्यवाह अपूर्व कुमार दास, तेजपुर विभाग का कार्यवाह सत्यव्रत बरुवा, विश्वनाथ जिला संपर्क प्रमुख संजीत दास, उत्तर असम प्रांत के प्रचारक निपेन वर्मन, जिला बौद्धिक प्रमुख दीपांकर देवनाथ, उत्तर असम प्रांत पर्यावरण संरक्षण प्रमुख बकुल गोगोई, जिला पर्यावरण प्रमुख भास्कर ज्योति बोरा, जिला प्रचारक कार्तिक गोड़, जिला सह बौद्धिक प्रमुख दीनकांत दास ने और बौद्धिक

के रूप में में माननीय जिला संघचालक गोपाल बोरा, तेजपुर विभाग के कार्यवाह सत्यव्रत बरुवा, उत्तर पूर्व प्रांत कार्यालय प्रमुख ज्ञान मोहन मंडल, जिला कार्यवाह अनिल बरुवा, हेलेम खंड कार्यवाह संजय खाउंड, जिला प्रचारक कार्तिक गोड़, जिला सह बौद्धिक प्रमुख दीनकांत दास, जिला शारीरिक प्रमुख रूद्र सुनारी ने शिक्षार्थी के सामने अपना विषयगत ज्ञानवर्धक जानकारी दी। आदर्श हिंदू घर, विविधता के बीच भी भारत एक देश तथा राष्ट्र, हमारा उत्सव, भारत का गौरवशाली इतिहास, इसका पतन का कारण और उत्थान, अंतर्राष्ट्रीय कार्यकलाप, देश को परम वैभवशाली बनाना, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का उद्देश्य तथा नाम का तात्पर्य, मानचित्र द्वारा भारत का दर्शन, संघ का क्रम विकास और समाज में सर्वस्पर्शीय प्रभाव, स्वच्छता तथा पर्यावरण का रक्षा भारतीय (हिंदू) परंपरा, भगवा ध्वज राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का गुरु, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का शाखा कार्यक्रम पद्धति, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का प्रार्थना, संघ का स्वयंसेवक का गुण और व्यवहार, समस्या बहुल असम और असम में संघ का स्थान के आलावा संघ के शताब्दी वर्ष के पांच समाज परिवर्तन बिंदू सामाजिक समरसता, कुटुंब प्रबोधन, नागरिक कर्तव्य, पर्यावरण और स्वदेशी आदि विषयगत विषयों पर सारगर्भित चर्चा और व्याख्यान हुई। इसके अलावा चर्चा और शारीरिक क्रियाएं, प्रवचन भी हुए। इस सात दिवसीय प्राथमिक शिक्षा वर्ग के कार्यक्रम में वर्ग के अधिकारी तथा दायित्व के रूप में वर्गाधिकारी लाचित बरठाकुर, वर्ग मुख्य शिक्षक रुद्र सुनारी, कार्यालय प्रमुख निपेन हजारिका, वर्ग व्यवस्था प्रमुख राजीव दास, सह व्यवस्था प्रमुख क्रमश: डमरू छेत्री, भास्कर बोरा, बिमल शर्मा, पूर्ति विभाग गोविंद पाल, सह पूर्ति विभाग अंकुर पाल, आवासीय विभाग क्रमश: शैलेन शइकीया, द्विपज्योति दास, बौद्धिक प्रमुख सुनील तेरांग, भोजन प्रमुख चित्रध्वज बोरा, भोजन सह विभाग क्रमश: रूपम बोरा, तिलक शर्मा, विद्युत विभाग देवजीत गोगोई, स्वच्छता विभाग राजू बर्मन, प्रबंधक प्रमुख अविंदम भट्टाचार्य, सह प्रबंधक प्रमुख चंदन कुमार दास, स्वागत प्रमुख भपन हजारिका के सहयोग से संपन्न हुआ। विशेष बात यह है कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष में हुए प्राथमिक शिक्षा वर्ग में चिकित्सक, शिक्षक, कर्मचारी, ब्राह्मण, किसान, श्रमिक और छात्र ने एक साथ प्रशिक्षित हुए। जिसमें विश्वनाथ जिले सुचिकित्सक व समाजसेवक डॉ. सरजीत दास, शिक्षक संतोष कुमार महतो, शिक्षक प्रांजल शइकीया, कर्मचारी पिटूपल शर्मा, ब्राह्मण बाबलू बरठाकुर, लोकनाथ कार्की, उत्तम कुमार शर्मा, राजु छेत्री, नवजीत दास, अशोक हाजंग, भास्कर ज्योति हाजरिका, कौशिक हाजरिका, तूफान बाघ आदि ने ली।

संपादकीय

बड़ी कूटनीतिक जीत

लगभग डेढ़ दशक के प्रयासों के बाद, देश को दहला देने वाले मुंबई आतंकी हमले के सूत्रधार रहे पाकिस्तानी मूल के तहव्वुर राणा का भारत प्रत्यर्पण हमारी बड़ी कानूनी व कूटनीतिक जीत है। यह सफलता तब ही पूर्ण मानी जाएगी जब इस साजिश में बड़ी भूमिका निभाने वाले डेविड कोलमैन हेडली का भारत प्रत्यर्पण हो सकेगा। जिसने मुंबई हमले से पूर्व आतंकियों द्वारा निशाने पर लिए गए जगहों की कई बार रेकी करके आतंकी सरगनाओं की मदद की थी। निश्चय की तहव्वुर राणा का भारत लाया जाना इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि जांच के बाद मुंबई आतंकी हमले में पाकिस्तान सरकार तथा आईएसआई की भूमिका व पाक स्थित आतंकी संगठनों के खतरनाक मंसूबों का खुलासा हो सकेगा। सही मायनों में यह हमारी खुफिया एजेंसियों की भी कठिन परीक्षा होगी कि इस साजिश की तह तक कैसे पहुंचा जाए। भारतीय खुफिया एजेंसियां से यदि इस बड़ी साजिश की कड़ियां सही तरह से जोड़ पायी तो आतंकवाद की उर्वरा भूमि बने पाकिस्तान को दुनिया के सामने बेनकाब किया जा सकेगा। यही वजह है कि 26/11 के दहला देने वाले मुंबई हमले के सूत्रधार तहव्वुर राणा को भारत प्रत्यर्पण करने के रास्ते अवरोध खड़े करने में प्रत्यक्ष-परोक्षतौर पर पाक समर्थकों द्वारा कोशिशें की गई। वे सारे कानूनी उपाय अपनाए गए जो राणा का प्रत्यर्पण रोक सकते थे। बहरहाल, इस प्रत्यर्पण से उन शहीदों के परिजनों को न्याय मिलने की उम्मीद जगी है, जिनकी इस आतंकी हमले में मृत्यु हुई थी। अब तक उनके परिजनों को इस बात का मलाल था कि सोलह साल बाद भी सभी अपराधियों को सजा नहीं मिली सकी है। साथ ही राणा की पूछताछ से होने वाले खुलासों से आतंकवाद की पाठशाला बने पाकिस्तान को अलग-थलग करने के प्रयासों को भी बल मिलेगा। निश्चित रूप से तहव्वुर राणा के खिलाफ भारतीय कानून व न्याय व्यवस्था के मानकों के अनुरूप ही कार्रवाई होगी। साथ ही अजमल कसाब की तरह उसकी अपनी बात कहने को कानूनी मदद भी दी जाएगी। हालांकि, अब तक पाकिस्तान मुंबई आतंकी हमले में अपना हाथ होने से लगातार इनकार करता रहा है, लेकिन सभी प्राथमिक सूचनाएं और ठोस सबूत पाक की तरफ इशारा करते रहे हैं। वहीं दूसरी ओर वह अपनी धरती पर कुख्यात आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के बड़े गुर्गों को संरक्षण देकर उनका बचाव करता रहा है। ऐसे में हमारी जांच एजेंसियों के अधिकारी तहव्वुर राणा से सख्त पूछताछ से सच्चाई सामने लाने में सक्षम हो सकते हैं। साथ ही ठोस निष्कर्षों के आधार पर पाकिस्तान पर दबाव बना सकता है कि वह अपनी जमीन आतंकवादियों को पालने-पोसने में इस्तेमाल न होने दे। इसके अलावा आतंकी संगठनों पर पर्याप्त दबाव बनाए, ताकि फिर मानवता के खिलाफ मुंबई हमले जैसे घटनाक्रम न दोहराए जा सकें। बहरहाल, तहव्वुर राणा का भारत प्रत्यर्पण पाकिस्तान तथा दूसरे देशों में भारत विरोधी गतिविधियां चला रहे लोगों व संगठनों के लिये साफ संदेश गया है कि इंसानियत के दुश्मन दुनिया के किसी भी कोने में कानून की ओट में बच नहीं सकते। साथ ही पाकिस्तान को आईना दिखा दिया गया है जो तहव्वुर राणा को कनाडा का नागरिक बताकर अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ने की कोशिश कर रहा था। निश्चित रूप से इस सफलता में भारत के राजनीतिक व कूटनीतिक प्रयासों की भी बड़ी भूमिका रही है। भारतीय अधिकारियों ने इस दिन के लिये कड़ी मेहनत की।

देश को दहला देने वाले मुंबई आतंकी हमले के सूत्रधार रहे पाकिस्तानी मूल के तहव्वुर राणा का भारत प्रत्यर्पण हमारी बड़ी कानूनी व कूटनीतिक जीत है। यह सफलता तब ही पूर्ण मानी जाएगी जब इस साजिश में बड़ी भूमिका निभाने वाले डेविड कोलमैन हेडली का भारत प्रत्यर्पण हो सकेगा। जिसने मुंबई हमले से पूर्व आतंकियों द्वारा निशाने पर लिए गए जगहों की कई बार रेकी करके आतंकी सरगनाओं की मदद की थी। निश्चय की तहव्वुर राणा का भारत लाया जाना इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि जांच के बाद मुंबई आतंकी हमले में पाकिस्तान सरकार तथा आईएसआई की भूमिका व पाक स्थित आतंकी संगठनों के खतरनाक मंसूबों का खुलासा हो सकेगा। सही मायनों में यह हमारी खुफिया एजेंसियों की भी कठिन परीक्षा होगी कि इस साजिश की तह तक कैसे पहुंचा जाए।

नौकरशाही से जिनका पल्ला पड़ता रहता है, उन्हें भी पता है कि नौकरशाही किस तरह फैसलों को टालती हैं, उनके हिसाब से योजना नहीं हुई तो उससे आगे बढ़ाने से इनकार कर देती है और आखिर में उस योजना का पलीता ही लगा देती है

मोदी का नया मंत्रः देरी विकास का दुश्मन

उमेश चतुर्वेदी

प्रधानमंत्री का यह कहना कि देरी विकास का दुश्मन है और हमारी सरकार इस दुश्मन को हराने के लिए प्रतिबद्ध है, उनकी इसी सोच को जाहिर करता है। बीते दिनों एक कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने परियोजनाओं में देरी को देश के विकास की बड़ा रोड़ा बताया है। अपने संबोधन में उन्होंने स्वीकार किया परियोजनाओं में देरी से प्रगति बाधित होती है, जबकि तात्कालिक कार्रवाई से विकास को बढ़ावा मिलता है। प्रधानमंत्री ने अपने भाषण में असम के बोगीबील पुल परियोजन का उदाहरण दिया, जिसकी आधारशिला 1997 में तत्कालीन प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा ने रखी थी, बाद में सत्ता संभालते ही अटल बिहारी वाजपेयी ने इसका काम शुरू कराया।

अमेरिकी लेखक जय एम फिनमैन की अमेरिकी बीमा कंपनियों के कामकाज को लेकर कुछ साल पहले एक पुस्तक आई थी, डिले, डिनाय, डिफेंड...अंग्रेजी के इन तीन शब्दों का अर्थ है टालना, इनकार करना और बचाव करना। इस पुस्तक में फिनमैन ने साबित किया है कि किस तरह बीमा कंपनियां दावों को टालती हैं, देने से इनकार करती हैं और फिर अपने फैसले का बचाव करती हैं। नौकरशाही से जिनका पल्ला पड़ता रहता है, उन्हें भी पता है कि नौकरशाही किस तरह फैसलों को टालती हैं, उनके हिसाब से योजना नहीं हुई तो उससे आगे बढ़ाने से इनकार कर देती है और आखिर में उस योजना का पलीता ही लगा देती है। इस देर और इनकार की कीमत आखिरकार जनता को चुकानी पड़ती है। अव्वल तो तय समय पर लोगों को सहूलियतें मिल ही नहीं पाती। लेकिन जब किसी वजह से परियोजना पर काम चलता भी है, तब तक बहुत देर हो चुकी होती है, उसकी लागत खर्च बढ़ चुकी होती है। आखिरकार इसकी कीमत देश को ही चुकानी पड़ती है। लंबे समय तक गुजरात के मुख्यमंत्री रहते प्रधानमंत्री मोदी ने तंत्र की इस खामी को समझा था। सबसे पहले इस कमजोरी पर काबू पाने की उन्होंने गुजरात में कोशिश की और देश की कमान संभालने के बाद उन्होंने तंत्र से इस खामी को दूर करने की कोशिश की। प्रधानमंत्री का यह कहना कि देरी विकास का दुश्मन है और हमारी सरकार इस दुश्मन को हराने के लिए प्रतिबद्ध है, उनकी इसी सोच को जाहिर करता है। बीते दिनों एक कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने परियोजनाओं में देरी को देश के विकास की बड़ा रोड़ा बताया है। अपने संबोधन में उन्होंने स्वीकार किया परियोजनाओं में देरी से प्रगति बाधित होती है, जबकि तात्कालिक कार्रवाई से विकास को बढ़ावा मिलता है। प्रधानमंत्री ने अपने भाषण में असम के बोगीबील पुल परियोजन का उदाहरण दिया, जिसकी आधारशिला 1997 में तत्कालीन प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा ने रखी थी, बाद में सत्ता संभालते ही अटल बिहारी वाजपेयी ने इसका काम शुरू कराया। लेकिन बाद की सरकारों के दौरान पता नहीं किन वजहों से इस परियोजना का काम रोक दिया गया। जिसकी वजह से अरुणाचल प्रदेश और असम के लाखों लोगों को परेशानियां झेलनी पड़ीं। इस योजना पर दोबारा काम मोदी सरकार के आने के बाद शुरू हुआ और चार साल में यह पुल बनकर तैयार हुआ और 2018 इसे जनता

के लिए खोला गया। अगर इसी हिसाब से देखें तो यह काम 2001 या अधिक से अधिक 2002 में पूरा किया जा सकता था। लेकिन ऐसा नहीं हो सका। सत्ताएं बदलते ही कई योजनाएं रोक दी जाती हैं और राजनीतिक नफा-नुकसान को देखते हुए उन्हें ठंडे बस्ते में डाल दिया जाता है। केरल की कोल्लम बाईपास सड़क परियोजना को इसके उदाहरण के रूप में रखा जा सकता है। यह योजना 1972 में शुरू होनी थी, लेकिन नहीं हुई। तकरीबन पचास साल तक यह योजना लटकी रही। यह बात और है कि इस काम को मोदी सरकार ने ही पूरा किया। प्रधानमंत्री मोदी जब भी कोई नया काम शुरू करते हैं या देश के सामने कोई लक्ष्य रखते हैं, तो वे नया नारा भी गढ़ते हैं। 'देरी विकास का दुश्मन है' इस कड़ी में नया नारा है। देश में ऐसी कई परियोजनाएं मिल जाएंगी, जिन्हें तय वक्त तक पूरा नहीं किया जा सका। पूर्वी उत्तर प्रदेश और बिहार को जोड़ने के लिए घाघरा नदी पर मांझी में एक पुल है। प्रसिद्ध कवि केदारनाथ सिंह ने इस पुल को केंद्र मे रखकर कविता ही रच डाली है। इस पुल का शिलान्यास जनता पार्टी के शासनकाल के राज्य मंत्री चांद राम ने शुरू किया और दशकों तक इसका काम नहीं हो पाया। अरसे बाद यह पुल बनकर तैयार हो पाया। परियोजनाओं में देरी की ऐसी ढेरों कहानियां पूरे देश में फैली हुई हैं। प्रधानमंत्री ने अपने भाषण में नवी मुंबई हवाई अड्डा परियोजना का भी इसी संदर्भ में उल्लेख किया है। देश की आर्थिक राजधानी के लिए बेहतर और सुगम हवाई सेवा की जरूरत से किसे इनकार हो सकता है। लेकिन नवी मुंबई में हवाई अड्डा बनाने की चर्चा साल 1997 में शुरू हुई। लेकिन उस परियोजना को ठीक दस साल बाद यानी 2007 में मंजूरी मिल पाई। लेकिन राजनीति और नौकरशाही से कोलाज वाले तंत्र की वजह से इस परियोजना पर ठोस रूप में काम नहीं हो पाया। प्रधानमत्री ने तो सीधे-सीधे इसके लिए इस दौरान केंद्र और महाराष्ट्र में काबिज रही कांग्रेस सरकारों को जिम्मेदार ठहराया। प्रधानमंत्री के अनुसार, कांग्रेस की सरकारों ने इस परियोजना में ना तो दिलचस्पी दिखाई, ना ही कोई कार्रवाई नहीं की। यह बात और है कि मोदी सरकार ने इस परियोजना के कामकाज में तेजी लाने की दिशा आगे बढ़ी है। उम्मीद की जा रही है कि जिस तरह दूसरी योजनाएं तेज गति से तय वक्त या उससे पहले पूरी हुईं, उसी गति और तेजी से नवी मुंबई हवाई अड्डा परियोजना भी पूरा होगी। देश के आर्थिक विकास की नींव नरसिंह राव ने साल 1991 में रखी थी, जिनके सहयोग से तत्कालीन वित्त मंत्री मनमोहन सिंह ने उदारीकरण की गति को तेज किया था। देश की आर्थिकी को लाइसेंस राज और लालफीताशाही से दूर किया था। उस बदलाव का असर भी दिखा। लेकिन राजकाज की कमान जिस तंत्र के हाथों में रही, वह पुरानी मानसिकता से ग्रस्त रहा। प्रधानमंत्री मोदी के सत्ता संभालने के बाद इस मानसिकता को थोड़ी लगाम जरूर लगी है। यह बात और है कि इस मोर्चे पर अभी बहुत कुछ किया जाना बाकी है। 'देरी, विकास का दुश्मन है' के प्रधानमंत्री के नए मंत्र का ही असर कहा जाएगा कि आर्थिक मोर्चे पर तय लक्ष्यों को हासिल करना आसान हुआ। आर्थिक मोर्चे पर बदलाव का ही असर है कि कुछ ही वर्षों में दुनिया की 11वें नंबर से भारतीय अर्थव्यवस्था पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था बन गई है। दुनियाभर की विकास दर को कोरोना की महामारी ने बुरी तरह प्रभावित किया। आज की दुनिया के विकास का ईंधन एक तरह से जैविक ऊर्जा यानी पेट्रोल और डीजल है। अरब देशों के आपसी संघर्ष और रूस-यूक्रेन युद्ध के बावजूद भारत को पेट्रोलियम आपूर्ति में बाधा न पड़ना, चीन और अमेरिका के बीच जारी व्यापार युद्ध के बावजूद भारत की विकास दर में कमी ना आना, एक तरह के भारत के संकल्प का नतीजा है। बेशक इसके लिए राजनीतिक नेतृत्व जिम्मेदार है, लेकिन प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में इसका श्रेय युवाओं को दिया। उन्होंने कहा कि यह अभूतपूर्व बढ़ोतरी युवाओं की महत्वाकांक्षाओं और आकांक्षाओं से प्रेरित है। इससे दुनिया का भारत के प्रति नजरिया बदला है। पहले दुनिया मानती थी कि भारत धीरे-धीरे और लगातार प्रगति करेगा, उसी दुनिया को भारत अलग नजर आ रहा है। प्रधानमंत्री के शब्दों में कहें तो दुनिया अब देश को 'तेज और निडर भारत' के रूप में देख रही है।

कुछ अलग

बेहाल बुजुर्ग

केरल की गिनती देश के सबसे शिक्षित राज्यों में होती है। लेकिन आज 94 फीसदी साक्षरता वाले इस राज्य में बुजुर्ग शिक्षित युवाओं के पलायन का संत्रास झेल रहे हैं। राज्य के करीब 21 लाख घरों में युवाओं के पलायन करने के कारण सिर्फ बुजुर्ग बचे हैं। गांव के गांव पलायन का दंश झेलते हुए वीरान हो चुके हैं। लाखों घरों में सिर्फ ताले लटके नजर आते हैं। दरअसल, समुद्र तट से लगे इस राज्य में खाड़ी के देशों में जाकर सुनहरा भविष्य तलाशने की होड़ लगी रही है। शिक्षा ने जहां प्रगतिशील सोच दी है, वहीं अंतहीन भौतिक लिप्साओं को भी जगाया है। यह होड़ हाल के वर्षों में पंजाब-हरियाणा में भी नजर आ रही है। वैसे तो यह हमारे नीति-नियंताओं की नाकामी का भी परिणाम है कि हम युवाओं को उनकी योग्यता-आकांक्षाओं के अनुरूप रोजगार देश में नहीं दे पाए। उन्हें न अपनी जन्मभूमि का सम्मोहन रोकता है और न ही यह फिक्र कि उनके जाने के बाद बुजुर्ग माता-पिता का क्या होगा। एकाकीपन का त्रास झेलते केरल के इन गांवों में बुजुर्गों के पास पैसा तो है मगर समाधान नहीं है। सामाजिक सुरक्षा की वह छांव कहां, जिसमें बुजुर्ग खुद को सुरक्षित महसूस कर सकें। केरल के कई गांवों में लोग एक दिन हर बुजुर्ग का हाल पूछते हैं कि क्या वे सुरक्षित हैं। वे चर्च व पंचायतों में बैठकें करते हैं ताकि एक-दूसरे के हाल-चाल जान सकें। निश्चय ही ऐसे वैकल्पिक प्रयासों से सामाजिक सुरक्षा को संबल मिलेगा। बताते हैं कि मार्च माह के अंत में बुजुर्गों के इस एकाकीपन के संकट को महसूस करते हुए केरल सरकार ने एक वरिष्ठ नागरिक आयोग बनाने की घोषणा की है। यह वक्त बताएगा कि लाल-फीताशाही व घुन लगी व्यवस्था में ये आयोग कब तक कारगर भूमिका निभाना शुरू करेगा। लेकिन फिर भी जिस राज्य में हर पांचवें घर से एक व्यक्ति विदेश चला गया है, वहां ऐसा आयोग एक सीमा तक तो सहायक ही हो सकता है।

देश दुनीया से

कम न हो पाएंगे यमुना के दुःख-दर्द

पहली बार में दिल्ली की यमुना पर सफेद झाग नजर आते हैं। थोड़ा करीब से देखें तो पानी निपट काला नजर आता है। खासकर कालिंदी कुंज पर तो लगता था कि यह नदी नहीं, बर्फ का ढेर हो। दिल्ली विधानसभा चुनाव में यमुना को साफ करने के मुद्दे पर खूब चर्चा हुई, होनी भी चाहिए थी क्योंकि केजरीवाल सरकार ने इस बारे में बहुत से दावे किए लेकिन नतीजा सिफर रहा था। लेकिन आश्चर्य तब हुआ जब चुनावी नतीजे आते ही, बगैर सरकार के गठन के यमुना में कुछ ऐसी मशीन तैरती दिखीं जो कचरा साफ कर रही थीं। वैसे तो ऐसा कचरा यदि कोई भी नदी अविरल रहे और उसमें बरसात के दिनों में दो-चार बाढ़ आ जाये तो खुद-ब-खुद किनारे लग जाता है। सभी जानते हैं कि आप सरकार के दौरान दिल्ली में आधा राज तो 'लपटन साब' अर्थात लेफ्टिनेंट गवर्नर का चलता रहा है। फिर यह मशीन उतारने के लिए सरकार बदलने का इंतज़ार क्यों किया गया? कड़वा सच तो यह है कि यमुना के दर्द से जब जनता बेपरवाह हुई और महज छठ के आसपास इसकी याद आने लगी तो राजनीतिक दलों ने भी इसे गम्भीरता से लेना छोड़ दिया। यह समझना होगा कि बीते दो दशकों से दिल्ली में हरियाणा से दिल्ली आने वाली यमुना में साल में कम से कम 10 बार अमोनिया की मात्रा बढ़ती है। यह भी समझना होगा कि साल दर साल यमुना में पानी की मात्रा कम हो रही है, जबकि उसके किनारे बसे शहरों-बस्तियों की आबादी बढ़ रही है। जाहिर है कि वहां से निकलने वाले जल-मल में भी वृद्धि हो रही है और कड़वा सच यह है कि यह आधे अधूरे ट्रीटमेंट के बाद यमुना में मिल रहा है। एक तरफ हम यमुना से ज्यादा पानी ले रहे हैं, दूसरा हम

इसमें अधिक गंदगी डाल रहे हैं, तीसरा इसमें पानी कम हो रहा है। वैसे दिल्ली की रेखा गुप्ता सरकार ने इस साल यमुना के मद में 500 करोड़ का प्रावधान रखा है लेकिन कोई ठोस योजना प्रस्तुत की नहीं। लेकिन यमुना की जमीनी हकीकत को परे रखकर जिस तरह अहमदाबाद के साबरमती फ्रंट की तर्ज पर दिल्ली की यमुना को दमकाने की योजनाएं सरकार के खजाने से बाहर आईं उससे जाहिर हो गया कि यमुना में निर्मल जल और विशाल जलनिधि के बनिस्बत उसकी भूमि छुड़ाकर उसका व्यावसायिक इस्तेमाल करने की मंशा है। वैसे एनजीटी सन् 2015 में ही दिल्ली के यमुना तटों पर निर्माण पर पाबंदी लगा चुका है लेकिन इससे बेपरवाह सरकारें मान नहीं रही। अभी एक साल के भीतर ही लाख आपत्तियों के बावजूद सराय कालेखां के पास 'बांस घर' के नाम से केफेटेरिया और अन्य निर्माण हो गए। और अब यही सराय कालेखां के सामने 22 एकड़ का जो रिवर फ्रंट बनाने की बात है, वह भी एनजीटी के आदेश की खुली अवहेलना ही होगा। दिल्ली में यमुना कोई 52 किलोमीटर का सफर तय करती है। सराय कालेखां तक आने में उसका आधा सफर हो जाता है और इसमें ही अधिकांश नाले, औद्योगिक कचरा आदि मिलता है। आईटीओ पुल पर पहुंचते ही यह मृतप्राय हो जाती है। इसमें घुलित ऑक्सीजन की मात्रा नहीं मिलती है। यानी ऑक्सीजन शून्य है। किसी भी नदी की जीवनधारा के लिए घुलित ऑक्सीजन अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि दिल्ली के किसी भी हिस्से में यमुना जल मनुष्यों के उपयोग के लायक नहीं है। यहां फीकल कोलीफॉर्म की मात्रा भी मानक स्तर से कहीं ज्यादा है। इससे पहले ही श्मशान घाट है और इससे पहले ही, कभी अरावली से आने वाली साहबी नदी और नजफ़गढ़ वेट लेंड की बीच का चैनल रहे और अब सबसे दूषित नाला बन गया नजफ़गढ़ ड्रेन भी है। एक नजर में स्पष्ट हो जाता है कि सरकार का असली मन्तव्य समूची नदी को पावन बनाने की जगह सबसे पहले इसके पाट को काम कर इसे संकरी नहर में बदलना है। फिर नदी से ली गई जमीन पर दुकानें खोलना और उससे पैसा कमाना है। दिल्ली में बहने वाली नदी की लंबाई के दो प्रतिशत से भी कम को चमका कर लोगों को मुगालते में रखने की यह परियोजना कम से कम यमुना के आंसू तो पोंछ नहीं पाएगी। यहां जानना जरूरी है कि यमुना नदी के आसपास की भूगर्भ संरचना कठोर चट्टानों वाली नहीं है। यहां की मिट्टी सरंध्र है। नदी में प्रदूषण के उच्च स्तर के कारण इसमें कई फुट गहराई तक गाद भरी है, जो कि नदी के जलग्रहण क्षमता को तो कम कर ही रही है, साथ ही पानी के रिसाव के रास्ते भी बना रही है। इसका परिणाम यमुना के तटों पर दलदली भूमि के विस्तार के तौर पर देखा जा सकता है। जब व्यापक निर्माण के कारण यमुना के उद्गम, पहाड़ों पर जम कर जंगल काटे गए और इस तरह हुए पारिस्थितिकी हानि के कुप्रभाव से नदी भी नहीं बच सकती। महज सिंचाई और बिजली के सपने में यमुना हरियाणा में आने से पहले ही हार जाती है।

भारत की विरासत

आगरा

आगरा किला

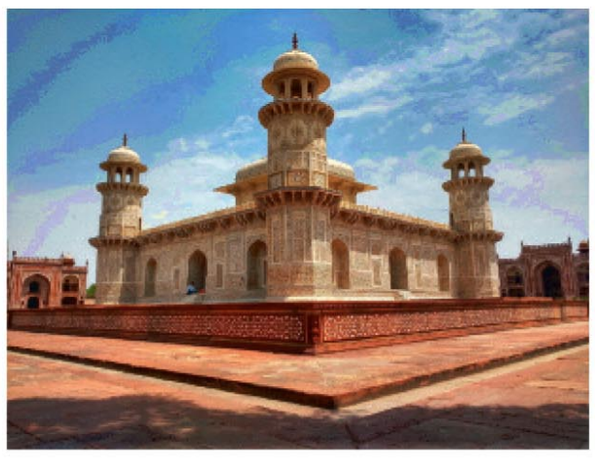

यदि आप मुगलों के इतिहास को थोड़ा और करीब से देखना चाहते हैं, तो आगरा किला घूमने जाएं, जो भारत के प्रसिद्ध ऐतिहासिक स्थलों में से एक है, जिसे मुगल सम्राट अकबर ने वर्ष 1665 में पूरी तरह से लाल बलुआ पत्थर से बनवाया था। इस ऐतिहासिक स्थल के दो द्वार हैं; एक अमर सिंह द्वार और दूसरा दिल्ली द्वार। यदि आप मस्जिदों, प्रवेशद्वारों, दरबारों और मार्गों से भरे प्राचीन शहर को देखना चाहते हैं, तो आपको अमर सिंह द्वार से प्रवेश करना चाहिए। आगरा किला आगरा में घूमने के लिए सबसे खूबसूरत जगहों में से एक है और इसका उपयोग ऋतिक रोशन और ऐश्वर्या राय अभिनीत लोकप्रिय फिल्म जोधा अकबर की शूटिंग के समय किया गया था।

बोध कथा

परमात्मा के साथ

छह साल का एक छोटा सा बच्चा अक्सर परमात्मा से मिलने की जिद किया करता था। उसे परमात्मा के बारे में कुछ भी पता नहीं था पर मिलने की तमन्ना भरपूर थी। उसकी चाहत थी कि एक समय की रोटी वो परमात्मा के साथ खाए। एक दिन उसने थैले में ५ ६ रोटियां रखीं और परमात्मा को ढूंढने निकल पड़ा। चलते चलते दूर निकल गया। संध्या हो गई। उसने देखा नदी के तट पर एक बुजुर्ग बैठे हैं जिनकी आंखों में गजब की चमक थी प्यार था और लग रहा था जैसे वहां बैठे उसका रास्ता ही देख रहे हों। छह साल का वो मासूम बालक बुजुर्ग के पास जा कर बैठ गया अपने थैले में से रोटी निकाली और खाने लग गया। और उसने अपना रोटी वाला हाथ बूढ़े की ओर बढ़ाया और मुस्कुरा के देखने लगा बूढ़े ने रोटी ले ली बूढ़े के झुर्रियों वाले चेहरे पे अजीब सी खुशी आ गई। आंखों में खुशी के आंसू भी थे बच्चा बूढ़े को देखे जा रहा था जब बूढ़े ने रोटी खा ली तो बच्चे ने १ और रोटी बूढ़े को दी। बूढ़ा खुश था। बच्चा भी बहुत खुश था। दोनों ने आपस में स्नेह के पल बिताए। जब रात घिरने लगी तो बच्चा इजाजत ले घर की ओर चलने लगा वो बार–बार पीछे मुड़ कर देखता ! तो पाता बुजुर्ग उसी की ओर देख रहा था। बच्चा घर पहुंचा तो मां ने अपने बेटे को आया देख जोर से गले से लगा लिया और चूमने लगी बच्चा बहूत खुश था। मां ने अपने बच्चे को इतना खुश पहली बार देखा तो खुशी का कारण पूछा तो बच्चे ने बताया ! मां आज मैंने परमात्मा के साथ बैठ कर रोटी खाई आपको पता है उन्होंने भी मेरी रोटी खाई.मां परमात्मा बहुत बूढ़े हो गए हैं।

अमृत कलश

सबको अपने में समाहित कर लेना ही धर्म है

आपके कर्मों से ज्यादा-से-ज्यादा लोगों का भला हो और फिर उसी हिसाब से कर्म करिए। जब बाहरी क्रिया-कलापों की बात आती है, तो उस पल के लिए उचित निर्णय लेना ही धर्म है। कोई यह तय नहीं कर सकता कि क्या सही है और क्या गलत। धर्म की व्याख्या प्रत्येक व्यक्ति अपने-अपने ढंग से करता है। इसलिए इसके रूप को लेकर मतभेद रहते हैं। लेकिन शाश्वत धर्म किसी भी परिभाषा से ऊपर है। यह व्यक्ति को व्यक्ति से जोड़ता है। अपने 'मैं' और तुम्हारे 'तुम' से मुक्त होकर सबको अपने में समाहित कर लेना ही वास्तविक धर्म है। धर्म क्या है? कृष्ण के जीवन में बहुत लोगों ने उनसे यह प्रश्न पूछा था। जब द्रौपदी का विवाह होने वाला था, तो उन्होंने हर संभव कोशिश की कि द्रौपदी का विवाह पांच पांडवों से हो। उस वक्त द्रौपदी ने उनसे पूछा, 'आपको पता है धर्म क्या है?' एक बार कृष्ण ने भीम से कहा था, 'हस्तिनापुर दुर्योधन के लिए छोड़ दो। चलो हम नया नगर बसाएंगे।' इस पर भीम ने जवाब दिया, 'आप देशद्रोही हैं। मैं दुर्योधन को मार डालना चाहता हूं और आप मुझसे यह कह रहे हैं कि मैं यह राज्य उसके लिए छोड़ कर चला जाऊं। कहीं और जाकर अपना राज्य बसाऊं।' धर्म के बारे में आप क्या जानते हैं? अर्जुन और बहुत से दूसरे लोगों ने भी ऐसे ही सवाल उठाए। लोगों ने कृष्ण से पूछा, 'क्या आपको वास्तव में पता है कि धर्म क्या है?' कृष्ण ने हर किसी को धर्म के बारे में विस्तार से समझाया। मैं उनके एक-एक उत्तर की बात तो नहीं करूंगा, लेकिन उन्होंने सामान्य तौर पर यह कहा कि, अभी इस पल के कर्म के मामले में धर्म क्या है, यह मैं भी नहीं जानता, क्योंकि कर्म परिस्थितियों पर आधारित होते हैं। हालांकि हम इसके बारे में सही-गलत का फैसला करते हैं, लेकिन बाहर से देखने पर हम थोड़े-बहुत गलत भी हो सकते हैं। लेकिन जब बात अपने स्वधर्म (जीवन में खुद का कर्तव्य) की आती है, यानी मैं स्वयं अपने अंदर कैसे रहूं, तो उसके बारे में मैं पूरी तरह स्पष्ट हूं।

दृष्टि कोण

सही नहीं धर्म राष्ट्र एवं संप्रदाय को व्यापार से जोड़ना

बाबा रामदेव एक बार फिर चर्चा में हैं। वैसे वे ऐसे बाबा हैं जिन्हें चर्चा में रहने के 'फन' में उस्तादी हासिल है। कभी साइकिल के करियर पर लकड़ी की संदूकची रखकर चूरण और दवाइयां बेचने वाला हरियाणा का दुबला पतला यदुवंशी दाढ़ीधारी रामदेव नाम का साधु जैसा व्यक्ति किस तरह देखते ही देखते पतंजलि योगपीठ स्थापित करके अरबों रुपए के संस्थान का सर्वेसर्वा हो गया, यह इस देश ने देखा है। पूरे देश में अपनी लच्छेदार बातों और घने काले बालों के साथ योग प्रदर्शन करने वाले रामदेव ने बेशक योग को घर-घर पहुंचाने का काम किया है। शुरुआती दौर में उनके साथी रहे कर्मवीर आज भी हरियाणा में योग सिखा रहे हैं लेकिन न चर्चा में हैं और न ही उन्होंने कोई बड़ा औद्योगिक संस्थान खड़ा किया है. बस उनका काम धंधा चल रहा है जबकि रामदेव का साथ निभा रहे आचार्य बालकृष्ण कभी नेपाली मूल के होने एवं भारत में अवैध प्रवास करने के आरोपी होने के बाद भी मजबूती के साथ उनके साथ खड़े हैं। बाबा रामदेव ने कुशल प्रबंधन, चतुराई भरा प्रचार, अपने उत्पादों में घोली गई राष्ट्रवाद की चाशनी, केंद्र एवं प्रदेश सरकारों के साथ गज़ब का संयोजन एवं समायोजन अपनाते हुए पतंजलि योगपीठ को ऊंचाइयों तक पहुंचाया है। हालांकि बीच में उन्होंने कांग्रेस सरकार को आंखें भी दिखाने की कोशिश की लेकिन कपिल सिब्बल के कठोर रुख के चलते उन्हें सलवार पहन कर भागना भी पड़ा था। लालू यादव एवं वृंदा करात भी एक समय उनके पीछे पड़े और उनके सबसे प्रसिद्ध उत्पादों में से एक दंतकांति टूथपेस्ट जिसे वह आज विज्ञापनों में 'टुथपेस्ट' कह रहे हैं, में हड्डियों का चूरा होने के आरोप भी उन पर लगे हैं तो साथ ही साथ पतंजलि के शहद के भी गुणवत्ता के मानकों पर घटिया होने के चर्चे भी बाजार में आए लेकिन यह बाबा का चतुर प्रबंधन ही रहा कि उन पर न कोई आंच आई और न ही उनके उत्पादों पर। आज बाबा रामदेव केवल योग के सहारे नहीं है बल्कि वह एक मल्टीपरपज उत्पाद संस्थान की प्रतिमूर्ति के रूप में डटकर खड़े हैं जिनमें आयुर्वेदिक दवाइयां, कॉस्मेटिक क्रीम, पाउडर, शक्ति वर्धक औषधीयां, खाद्य

पदार्थ, शीतल पेय, कपड़े, मसाले और भी न जाने कितने ही उत्पाद उन्होंने पतंजलि के माध्यम से दिए हैं। साबुन, सर्फ, टॉयलेट क्लीनर, बर्तन साफ करने वाले उत्पाद, साबुन तेल फुलेल आदि क्या नहीं शामिल है, यानी बाबा ने जीवन का कोई भी क्षेत्र ऐसा न छोड़ने का संकल्प लिया है जिसमें पतंजलि के उत्पादन न खप सकें। भले ही बाबा रामदेव की शिक्षा दीक्षा कैसी भी रही हो लेकिन उनकी व्यापारिक समझ देश की बड़ी से बड़ी कंपनी के एमबीए या सीईओ पदधारक पढ़े लिखे लोगों को आईना दिखाने वाली है और उन्होंने सिद्ध किया है कि लग्न ,संकल्प एवं जुनून के साथ यदि योजनाबद्ध तरीके से आगे बढ़ा जाए तो फिर सफलता कदम चूमती ही है। बेशक, आज बाबा एक बहुत सफल योगाचार्य ही नहीं अपितु व्यापारी, प्रबंधक एवं सफल सीईओ बनकर सामने हैं। बाबा रामदेव अच्छी तरह से जानते हैं कि अपना एवं अपने उत्पादों का प्रचार – प्रसार कैसे किया जाए। चाहे सोशल मीडिया, टेलीविजन, अख़बार, पत्रिकाएं एवं दूसरे मंचों से विज्ञापन देने हों या फिर कोई विवाद खड़ा करके चर्चा पानी हो, रामदेव हर तरह की रणनीति से अच्छी तरह न केवल वाक़िफ हैं अपितु उसका उपयोग करना भी जानते हैं और अपने इन सब आजमाए हुए तरीकों की बदौलत वे एक बड़ी हस्ती बन चुके हैं मगर अति महत्वाकांक्षा के चलते हुए कई बार खुद को अनावश्यक रूप से विवादास्पद भी बनाते रहे हैं एवं अपने लिए ही संकट भी खड़ा कर लेते हैं या फिर यूं कहिए कि यह भी उनके रणनीति है और वह आपदा पैदा करके उसे अवसर में तब्दील करने की कला अच्छी तरह से जानते हैं। इन दिनों बाबा शरबत जेहाद के अपने बयान के चलते सुर्खियों में हैं। हालांकि उन्होंने किसी उत्पाद का या उत्पादक का नाम नहीं लिया लेकिन इशारों ही इशारों में देश भर में सबसे ज्यादा एवं सबसे लोकप्रिय शरबत पर प्रहार कर दिया है। अब यह तो सब जानते हैं कि वह कौन सा शरबत है जिसका उत्पादन मुस्लिम उद्योगपति करते हैं एवं दूसरे कई बड़े औद्योगिक घरानों के उत्पादों के बावजूद यह उत्पाद आज भी सबसे ऊपर नज़र आता है और उसके प्रयोग करने वाले मानते हैं कि उसके पीने से रूह अफजा होती है।

सुरक्षा बलों के त्याग और तपस्या के कारण ही हम सुरक्षित : शाह

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने किया सुरक्षा सेवा प्रभाग के राष्ट्रीय सम्मेलन और संस्थान की वार्षिक थीम का शुभारंभ

सिरोही (हिंस)। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि सशस्त्र बलों के सुरक्षाकर्मियों के त्याग-तप और बलिदान के कारण आज हम सुरक्षित हैं। 46 डिग्री टेंपरेचर से लेकर प्लस 46 डिग्री टेंपरेचर में रेगिस्तान के अंदर हमारी सीमाओं की वह सुरक्षा अपने जीवन का स्वर्ण काल देकर करते हैं। तभी जाकर हम सुरक्षित, आंतरिक सुरक्षा की बात करते हैं। सेना और सीआरपीएफ को छोड़कर सभी राज्यों की पुलिस भी कानून और व्यवस्था की स्थिति संभालकर हर निर्बल को संरक्षण देने का काम करती है। यह काम एक प्रकार से ढेर सारा तनाव पैदा करने वाला है। नींद की कमी, पानी की कमी, शांत मन की कमी और हिंसा से जूझने के समय उनका मन तनाव में होता है, ऐसे में ब्रह्माकुमारी द्वारा हमारे सुरक्षा कर्मियों को बाहर लाकर उनका मन, आत्मा और शरीर को शांति का मार्ग प्रशस्त करने का प्रयास करना, अपने आप में एक बहुत बड़ा काम है। गृह मंत्री अमित शाह गुरुवार को ब्रह्माकुमारी के अंतरराष्ट्रीय मुख्यालय शांतिवन पहुंचे। यहां उन्होंने डायमंड हॉल में आयोजित कार्यक्रम में संस्थान के सुरक्षा सेवा प्रभाग के राष्ट्रीय सम्मेलन का दीप प्रज्जवलित कर शुभारंभ और प्रभाग की सिल्वर जुबली की लांचिंग की। संस्थान की इस वर्ष की वार्षिक थीम- विश्व एकता एवं विश्वास के लिए ध्यान का राष्ट्रीय उद्घाटन किया। कार्यक्रम में गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि 25 साल से हर एक सुरक्षा बल के अंदर जाकर इतने तनाव को कम करके अपने आत्मा को शांति की और कैसे ले जाना और उसके साथ शांत मन और स्वस्थ शरीर से देश की सुरक्षा को और अच्छे तरीके से करने की दिशा में ब्रह्माकुमारी ने जो प्रयास किया है, इसकी मैं बहुत मन से प्रशंसा भी करता हूं और देश के गृह मंत्री के नाते धन्यवाद भी प्रेरित करना चाहता हूं। योग और अध्यात्म से मन-बुद्धि, शरीर और आत्मा को एकरूप करके ज्ञान से प्रगति के रास्ते पर जाने के लिए और चिंतन से समस्याओं के निवारण के लिए नीतियों का सृजन करना, भारत की बहुत पुरानी परंपरा है। हम इस परंपरा को आज भी समग्र विश्व के अंदर पहुंचाने के लिए प्रयासरत हैं। वसुधैव कुटुंबकम की भावना, भारत ने सबसे पहले विश्व को दी। जब पूरे विश्व में लोग गुफाओं में रहते थे तब पूरा विश्व मेरा परिवार है, ये हमारे उपनिषद की ऋचा ने समग्र विश्व को हमारा परिवार बनाया। गृह मंत्री शाह ने कहा कि आजादी के 75 साल के बाद जब पीछे मुड़कर देखते हैं तो हमारा देश बहुत बड़ी व्याधि काटकर आज विश्व में पांचवें नंबर का अर्थतंत्र बना है। मुझे पूरा विश्वास है कि हम कुछ ही सालों में विश्व में तीसरे नंबर का अर्थतंत्र बनेंगे। हम पीएम मोदी के नेतृत्व में विश्व में सर्वोच्च स्थान पर पहुंचने का लक्ष्य लेकर चल रहे हैं। परंतु विश्व में तीसरे नंबर का अर्थतंत्र बनने के साथ ही हमारी जो परंपराएं हैं, जिन्होंने पूरे विश्व को विश्व बंधुत्व की भावना की ओर ले जाने की क्षमता पड़ी है। हर मानव के अंदर रही आत्मा को परमात्मा के साथ जोड़ने की शक्ति हमारी परंपराओं में पड़ी है। हर जीवन को सद्बुद्धि को नई राह पर ले जाने की हमारी परंपराओं में शक्ति पड़ी है। इतनी ही तेजी के साथ आगे ले जाना यह भारत का लक्ष्य होना चाहिए। इसके लिए ब्रह्माकुमारी जैसी संस्थाएं बहुत अच्छे से काम कर रही हैं जो हमारे उद्देश्य को बहुत जल्दी से पूरा करने की दिशा में हम आगे बढ़ेंगे। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि गृह मंत्री ने देश की आंतरिक सुरक्षा, संवैधानिक सुधारों और राष्ट्रीय अखंडता को सशक्त करने वाले कई ऐतिहासिक निर्णय किए हैं। जिनकी प्रतीक्षा देश दशकों से कर रहा था। अनुच्छेद 370 का स्थायी समाधान, कश्मीर घाटी में शांति और नवाचार और प्रगति की नींव रखने वाला ऐतिहासिक कदम उठाया गया है। इससे कश्मीर में अलगाववाद और आंतकवाद के मंसूबे परास्त हुए हैं। नक्सलवाद के विरुद्ध आपकी जीरो टालरेंस की नीति के चलते वे क्षेत्र जो कभी भय और हिंसा के पर्याय थे, आज शांति और विकास के पथ पर अग्रसर हैं। इस मौके पर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ भी मौजूद रहे। ब्रह्माकुमारीज की मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी बीके मोहिनी दीदी ने कहा कि यदि अपने ही मन में शांति नहीं है तो हम कितनी ही कांफ्रेंस कर लें, शांति की बात कर लें लेकिन कोई फायदा नहीं होगा। सबसे पहले हमें स्वयं के अंदर शांति लानी होगी। गृह मंत्री शाह ने पूर्व मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी को श्रद्धांजली अर्पित की। साथ ही नवनियुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी बीके मोहिनी दीदी और अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी बीके मुन्नी दीदी का शॉल ओढ़ाकर सम्मान किया। गृह मंत्री शाह के पहुंचने पर मानपुर हवाई पट्टी पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़, राज्य मंत्री ओटाराम देवासी, प्रभारी मंत्री केके विश्नोई ने अगवानी की। सुरक्षा सेवा प्रभाग के राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लेने पहुंचे जल सेना, थल सेना और वायु सेना के 400 से अधिक अधिकारी, जवान भी विशेष रूप से मौजूद रहे। ये सभी अधिकारी और जवान चार दिन तक आध्यात्मिता और राजयोग ध्यान की बारीकियां सीखेंगे।

हिसार में ईडी की कार्रवाई के खिलाफ पारित किया निंदा प्रस्ताव

हिसार (हिंस)। कांग्रेस पार्टी की पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनिया गांधी, नेता प्रतिपक्ष व सांसद राहुल गांधी, इंडियन ओवरसिज कांग्रेस के अध्यक्ष सेम पित्रोदा व सुमन दुबे के खिलाफ ईडी की दुर्भावनापूर्ण कार्रवाई पर हरियाणा कांग्रेस लीगल डिपार्टमेंट ने रोष जताया है। हरियाणा कांग्रेस लीगल डिपार्टमेंट के पदाधिकारियों व अन्य अधिवक्ताओं ने हिसार के कोर्ट कांप्लेक्स में बैठक करके ईडी की कार्रवाई के खिलाफ निंदा प्रस्ताव पारित करके भाजपा की तानाशाही बंद करने का आह्वान किया। हरियाणा कांग्रेस लीगल डिपार्टमेंट के जिलाध्यक्ष रतन सिंह पानू की अध्यक्षता में गुरुवार को हुई बैठक में हरियाणा कांग्रेस लीगल डिपार्टमेंट के प्रदेश अध्यक्ष एडवोकेट लाल बहादुर खोवाल, एडवोकेट पवन तुंदवाल, एडवोकेट श्वेता शर्मा,बजरंग इंदल, एडवोकेट ओमप्रकाश धरतवाल, सी. आर. वर्मा, सत्यवान जांगड़ा, विपिन लाडूना, विवेक भार्गव, गौरव टूटेजा, शबनम, मीना तीजारिया, हिमांशु आर्य खोवाल, आशा बहलान, विपिन सलेमगढ़ सहित काफी संख्या में एडवोकेट मौजूद रहे। इस दौरान हरियाणा कांग्रेस लीगल डिपार्टमेंट के अध्यक्ष एडवोकेट लाल बहादुर खोवाल ने कहा कि भाजपा बदले की भावना से कांग्रेस नेताओं के खिलाफ कार्रवाई कर रही है। सोनिया गांधी व राहुल गांधी के खिलाफ ईडी की कार्रवाई व चार्जशीट दाखिल करना लोकतंत्र का गला घोंटने के समान है। उन्होंने कहा कि भाजपा अपने स्वार्थ सिद्ध करने के लिए ओच्छी राजनीति पर उतर आई है। वैसे तो भाजपा कई वर्षों से उद्योगपतियों व अन्य प्रभावशाली लोगों पर सरकारी एजेंसियों से दबाव बनाकर पार्टी के लिए फंड जुटा रही है।

राजद विधायक रीतलाल का बड़ा आरोप- मेरी हत्या की साजिश रची जा रही थी

पटना (हिंस)। दानापुर से राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के बाहुबली विधायक रीतलाल यादव ने दानापुर कोर्ट में आत्मसमर्पण करने के बाद कई संगीन आरोप लगाए हैं। यादव ने कहा कि दानापुर विधानसभा सीट से दूर करने के लिए उनके खिलाफ राजनीतिक षड्यंत्र रचा जा रहा है। विधायक ने कहा कि मैं फरार चल रहा था, क्योंकि मेरी हत्या की साजिश रची गई और इसको अंजाम देने के लिए एके-47 भी मुहैया कराया गया था। रीतलाल यादव ने कोर्ट परिसर में मीडिया के सामने कहा कि मेरी हत्या की साजिश रची जा रही थी। बिल्डर को कहा गया कि तुम जाओ रीतलाल से मिलो और हमको बता देना। हम उसपर केस करेंगे कि तुमको (बिल्डर) किडनैप करके लाया था। उसी दौरान हम रीतलाल पर गोली चलाकर उसकी हत्या कर देंगे। सबको बताएंगे कि हमने किडनैपर के चंगुल से व्यक्ति विशेष को बचा लिया है। यादव ने कहा कि कुछ पदाधिकारियों के द्वारा मुझे मारने के लिए एके-47 मुहैया करायी गई थी। अब मैं जेल जा रहा हूं। सबसे बड़ी बात है कि जेल जाने और कोर्ट आने के दरम्यान मेरी जान को सबसे बड़ा खतरा है। जान बचेगा तब न बेल के लिए फाइल करेंगे। रीतलाल यादव ने कहा कि ये सारी साजिश दानापुर विधानसभा चुनाव जीतने के लिए की जा रही है। मेरे विरोधियों द्वारा ये सब किया जा रहा है। ऐसी घटना से हम डरने वाले नहीं हैं। जनता मेरे साथ है। विरोधियों की कोशिश है कि दानापुर किसी भी हाल में छूट जाए। इसके लिए वो रीतलाल की हत्या कराना चाहते हैं या किसी भी मामले में जेल भेज देना चाहते हैं। किसी भी हाल में मैं चुनाव लड़ूंगा। उल्लेखनीय है कि आज सुबह कोर्ट खुलते ही रीतलाल अपने भाई और कई सहयोगियों के साथ दानापुर न्यायालय में आत्मसमर्पण करने पहुंचे थे। यहां से उन्हें 14 दिन की न्यायिक हिरासत में बेऊर जेल भेज दिया गया है।

चाइनीज मांझे की थोक एवं खुदरा बिक्री भंडारण, परिवहन और उपयोग प्रतिबंधित

बीकानेर (हिंस)। जिला कलेक्टर एवं मजिस्ट्रेट नम्रता वृष्णि ने जिले में चाइनीज व धातु मिश्रित मांझे की बिक्री, भंडारण, परिवहन और उपयोग पर प्रतिबंध लगा दिया है। आदेश भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के तहत जारी किया गया है। यह कदम अक्षय तृतीया पर पतंगबाजी के दौरान मानव जीवन, पक्षियों और विद्युत आपूर्ति को होने वाले संभावित नुकसान को देखते हुए उठाया गया है। धातुयुक्त मांझा धारदार होने के साथ विद्युत का सुचालक भी होता है, जिससे दुर्घटनाएं हो सकती हैं। आदेश में सुबह 6 से 8 और शाम 5 से 7 बजे तक पतंगबाजी पर रोक लगाई गई है, क्योंकि ये समय पक्षियों की सक्रियता के होते हैं। आदेश का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 223 के तहत कार्रवाई की जाएगी। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू होकर अगले आदेश तक प्रभावी रहेगा।

भारत में लोकतंत्र और असहमति की परंपरा हजारों साल से मौजूद : आरिफ मोहम्मद

जयपुर (हिंस)। बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने कहा है कि बहुत से लोग यह मानते हैं कि भारत में लोकतंत्र 1947 में आजादी के बाद आया, जबकि वास्तव में लोकतंत्र भारत में हजारों वर्षों से मौजूद है। महात्मा बुद्ध से भी पहले वर्तमान बिहार में स्थित वैशाली गणराज्य एक लोकतांत्रिक व्यवस्था वाला राज्य था। असहमति की परंपरा भी भारत में प्राचीन काल से रही है। खान गुरुवार को जयपुर स्थित कांस्टीट्यूशन क्लब में पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर की 98वीं जयंती पर व्याख्यान माला को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि उस समय भारत में कई ऐसे राज्य थे, जहां जनता मताधिकार के माध्यम से राजा का चुनाव करती थी। भले ही भारत राजनीतिक रूप से विभाजित था और कई क्षेत्रों में राजतंत्र प्रचलित था, फिर भी भारतीय संस्कृति में असहमति की एक समृद्ध परंपरा रही है। रामायण का उदाहरण देते हुए खान ने कहा कि भगवान राम के राजतिलक से पहले राजा दशरथ ने अपनी पत्नी कैकेयी को वचन दिया था, जिसके अनुसार राम को वनवास जाना पड़ा। इसके बाद भरत ने राम को वनवास से लाने का प्रयास किया। जब राम नहीं लौटे तो भरत उनकी पादुकाएं लेकर आए और उन्हें ही गद्दी पर रखकर राज्य का संचालन किया। राज्यपाल ने कहा कि असहमति भी सभ्यता की मर्यादा में रहकर होनी चाहिए। जब लोग आपस में चर्चा करते हैं, तो मतभेद होते हैं, लेकिन इन्हीं चर्चाओं से सही निष्कर्ष निकलकर सामने आते हैं। उन्होंने लोकतंत्र और स्मृति को लेकर ऋग्वेद, यजुर्वेद, रामायण और महाभारत जैसे प्राचीन ग्रंथों का भी उल्लेख किया। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर के साथ अपने संबंधों को याद करते हुए कहा कि उनसे कई मुद्दों पर उनकी असहमति रहती थी। वे मानते थे कि चंद्रशेखर कुछ ऐसे लोगों को प्रोत्साहित करते थे जो विभाजनकारी राजनीति करते हैं, लेकिन बाद में समझ में आया कि चंद्रशेखर का हृदय विशाल था और वे ऐसे किसी भी कार्य को समर्थन नहीं देते थे जो राष्ट्र को कमजोर करे। वे असहमति रखने वालों को भी साथ लेकर चलने का प्रयास करते थे, ताकि वे सीमाएं न लांघें। उन्होंने कहा कि चंद्रशेखर युवाओं के लिए प्रेरणा स्रोत थे और जीवनभर निर्बलों और नौजवानों के लिए संघर्ष करते रहे। पूर्व नेता प्रतिपक्ष और भाजपा नेता राजेंद्र राठौड़ ने चंद्रशेखर को याद करते हुए कहा कि जब वे राजस्थान विश्वविद्यालय छात्र संघ के अध्यक्ष थे, तब चंद्रशेखर ने उनके कार्यालय का उद्घाटन किया था। उन्होंने उनके साथ पदयात्रा में भी भाग लिया था। राठौड़ ने बताया कि चंद्रशेखर ने कांग्रेस में रहते हुए आपातकाल का विरोध किया था, जिसके चलते उनका अखबार बंद हुआ और वे जेल भी गए। उन्होंने कहा कि जब 1990 में वे पहली बार विधायक बने और भैरोंसिंह शेखावत मुख्यमंत्री थे, तब सरकार अल्पमत में आ गई थी। उस समय चंद्रशेखर ने सलाह दी कि सरकार बचाई जाए। तब 26 विधायकों ने जनता दल से अलग होकर नया दल बनाया और सरकार को समर्थन दिया। राठौड़ ने कहा कि आज देश में जितने भी प्रमुख राजनीतिक दल हैं, उनमें कई ऐसे शीर्ष नेता हैं जिन्हें चंद्रशेखर ने राजनीतिक रूप से तराशा। वरिष्ठ समाजवादी नेता और पूर्व सांसद पंडित रामकिशन शर्मा ने कहा कि असहमति के बिना लोकतंत्र की कल्पना ही नहीं की जा सकती, लेकिन आज असहमति रखने वालों को दुश्मन माना जाता है, जो उचित नहीं है।

संस्कृत गौरव के संवाहक बन प्राचीन ज्ञान परंपरा को आगे बढ़ाएं विद्यार्थी : बिरला

जयपुर (हिंस)। जयपुर स्थित राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में गुरुवार को जगद्गुरु रामानंदाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय का सप्तम दीक्षांत समारोह आयोजित हुआ। इस अवसर पर राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ बागडे, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला व राजस्थान के शिक्षा एवं पचायत राज मंत्री मदन दिलावर ने विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को उपाधियां और स्वर्ण पदक प्रदान किए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए लोकसभा अध्यक्ष बिरला ने कहा कि संस्कृत केवल परंपरा की नहीं, बल्कि वैज्ञानिक दृष्टिकोण और वैचारिक स्पष्टता की भी भाषा है। भारत आज योग, आयुर्वेद और दर्शन के माध्यम से विश्व में सम्मान प्राप्त कर रहा है और ऐसे समय में संस्कृत को नई पीढ़ी से जोड़ना हमारी जिम्मेदारी है। जब विश्व के प्रमुख विश्वविद्यालयों में संस्कृत पर शोध हो रहे हैं, तब भारत में भी इसे नवाचार, तकनीक और डिजिटल युग से जोड़ना समय की मांग है। विश्वविद्यालय द्वारा योग को तकनीकी दृष्टिकोण से पढ़ाने, पांडुलिपियों के डिजिटलीकरण और ऑनलाइन पाठ्यक्रमों की दिशा में उठाए गए कदमों की सराहना की गई। बिरला ने यह भी याद दिलाया कि इस विश्वविद्यालय की स्थापना का विचार तत्कालीन मुख्यमंत्री भैरोंसिंह शेखावत ने पूज्य नारायणदास महाराज की प्रेरणा से किया था। उन्होंने विद्यार्थियों का आह्वान किया कि वे भारत की प्राचीन ज्ञान परंपरा और संस्कृत भाषा के गौरव को आगे बढ़ाने का कार्य करें।

कांग्रेस ने बाबासाहेब के योगदान को सदैव किया अपमानित : साध्वी निरंजन

जालौन (हिंस)। बाबा साहब की 134 जयंती पर जालौन के उरई में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व केंद्रीय मंत्री व वरिष्ठ भाजपा नेत्री साध्वी निरंजन ने शिरकत की। यहां पर उन्होंने कांग्रेस पर जमकर हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि कांग्रेस ने संविधान निर्माता डॉ. भीमराव आंबेडकर (बाबासाहेब) के योगदान को लगातार नकारा और उनके विचारों के साथ खिलवाड़ किया। भाजपा सरकार ने बाबा साहेब के सपनों को साकार करने के लिए ठोस कदम उठाए हैं, कांग्रेस ने इतिहास में हमेशा उन्हें राजनीतिक रूप से कमजोर करने का प्रयास किया। उन्होंने मंच से संबोधित करते हुए कहा कि बाबा साहेब सिर्फ एक जाति या व्यक्ति नहीं थे। वे भारत के संविधान के रचयिता और देश की आत्मा थे। लेकिन कांग्रेस ने उन्हें अपमानित किया और संविधान की प्रस्तावना को कमजोर करने का प्रयास किया। उन्होंने आगे कहा कि भाजपा सरकार ने बाबा साहेब की विरासत को संजोते हुए दलितों, पिछड़ों और वंचितों के अधिकारों को मजबूती प्रदान की है। उन्होंने आपातकाल को याद दिलाते हुए कहा कि कांग्रेस ने उस समय संविधान को ही निलंबित कर दिया था। मीडिया की आवाज दबाई गई, विपक्षियों को जेल में ठूंसा गया और लोकतांत्रिक मूल्यों को ताक पर रख दिया गया। आज की युवा पीढ़ी को यह जानना चाहिए कि इमरजेंसी क्या थी और कैसे कांग्रेस ने तानाशाही रवैया अपनाया था। बंगाल के मुद्दे पर हमलावर होते हुए उन्होंने कहा कि ममता बनर्जी सरकार ने अवैध बांग्लादेशी घुसपैठियों को बढ़ावा दिया है। बैरकपुर, जहांगीरपुर जैसे इलाकों में हिंदू अल्पसंख्यक होते जा रहे हैं। वोट बैंक की राजनीति के लिए घुसपैठियों को राशन कार्ड और मतदान का अधिकार दिया जा रहा है, जो राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा है।

आर्य समाज मंदिर में वैदिक या अन्य हिंदू रीति-रिवाजों से विवाह वैध : हाईकोर्ट

प्रयागराज (हिंस)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने अपने एक आदेश में माना कि आर्य समाज मंदिर में दो हिंदुओं (पुरुष और महिला) के बीच किए गए विवाह भी हिंदू विवाह अधिनियम, 1955 की धारा 7 के तहत वैध हैं। यदि वे वैदिक या अन्य प्रासंगिक हिंदू रीति-रिवाजों और समारोहों के अनुसार किए गए हों। और विवाह स्थल, चाहे वह मंदिर, घर या खुली जगह हो, ऐसे उद्देश्य के लिए अप्रासंगिक है। न्यायमूर्ति अरुण कुमार सिंह देशवाल की पीठ ने कहा कि आर्य समाज मंदिर में विवाह वैदिक पद्धति के अनुसार संपन्न होते हैं। जिसमें कन्यादान, पाणिग्रहण, सप्तपदी तथा सिंदूर लगाते समय मंत्रोच्चार जैसे हिंदू रीति-रिवाज और संस्कार शामिल होते हैं। ये समारोह 1955 अधिनियम की धारा 7 की आवश्यकताओं को पूरा करते हैं। न्यायालय ने यह भी स्पष्ट किया कि यद्यपि आर्य समाज द्वारा जारी प्रमाण पत्र में विवाह की प्रथम दृष्ट्या वैधता का वैधानिक बल नहीं हो सकता है, फिर भी ऐसे प्रमाण पत्र *बेकार कागज* नहीं हैं। क्योंकि उन्हें मामले की सुनवाई के दौरान भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 2023 के प्रावधानों के अनुसार पुरोहित (जिसने विवाह संपन्न कराया था) द्वारा सिद्ध किया जा सकता है। इस आदेश के साथ एकल न्यायाधीश ने महाराज सिंह नामक व्यक्ति की याचिका खारिज कर दी, जिसमें उसने अपनी पत्नी द्वारा भारतीय दंड संहिता की धारा 498-ए के तहत दायर मामले को रद्द करने की मांग की थी। एसीजेएम बरेली की कोर्ट में चल रही आपराधिक प्रक्रिया को रद्द करने की मांग की गई थी। आवेदक ने न्यायालय में तर्क दिया कि चूंकि उसका कथित विवाह विपक्षी संख्या 2 के साथ आर्य समाज मंदिर में हुआ था, इसलिए उसे वैध विवाह नहीं माना जा सकता। इसलिए, उसे धारा 498-ए आईपीसी के तहत आरोपों का सामना करने का अधिकार नहीं है। उनका यह भी तर्क था कि वास्तव में आर्य समाज मंदिर में कोई विवाह नहीं हुआ था तथा उनकी पत्नी द्वारा प्रस्तुत विवाह प्रमाणपत्र, जिसे कथित रूप से आर्य समाज द्वारा जारी किया गया था, जाली एवं मनगढ़ंत था। (दूसरी ओर शासकीय अधिवक्ता ने उनकी याचिका का विरोध किया और कहा कि विपक्षी संख्या 2 के बयान तथा उसके गवाह (पुरोहित), जिसने विवाह संपन्न कराया था, उसके बयान के अवलोकन से यह स्पष्ट है कि विवाह हिंदू रीति-रिवाजों के अनुसार संपन्न हुआ था। यह भी तर्क दिया गया कि केवल इसलिए कि विवाह आर्य समाज मंदिर में हुआ है, वह अवैध नहीं हो जाएगा। न्यायालय ने हिंदू विवाह अधिनियम, 1955 की धारा 7 का उल्लेख किया तथा कहा कि हिंदू धर्म के पारंपरिक रीति-रिवाजों और समारोहों के अनुसार संपन्न विवाह, चाहे किसी भी स्थान पर हो (चाहे वह मंदिर, घर या कोई खुली जगह हो) वैध होगा। इसके अलावा, न्यायालय ने हिंदू विवाह के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संदर्भ पर विस्तार से प्रकाश डाला और कहा कि *हिंदू धर्म, जिसे सनातन धर्म (जिसका अर्थ है शाश्वत धर्म) के रूप में भी जाना जाता है, दुनिया का सबसे पुराना धर्म है।* एकल न्यायाधीश ने यह भी माना कि हिंदू धर्म एक गतिशील और विकासशील परंपरा है, जो हमेशा सुधार के लिए खुला रहा है। इसके अलावा, न्यायालय ने आर्य समाज की सुधारवादी विरासत पर भी प्रकाश डाला और कहा कि आर्य समाज भी एक मिशन है जिसकी स्थापना महान संत और सुधारक स्वामी दयानंद सरस्वती ने 10 अप्रैल, 1875 को बांबे में की थी। यह एक एकेश्वरवादी हिंदू सुधार आंदोलन था जो एक ईश्वर में विश्वास करता था और जन्म के आधार पर जाति व्यवस्था का विरोध करता था। न्यायालय ने आगे स्पष्ट किया कि वैदिक विवाह को हिंदू विवाह का सबसे पारंपरिक रूप माना जाता है, जिसमें वैदिक मंत्रों के उच्चारण के साथ कन्यादान, पाणिग्रहण और सप्तपदी जैसे विशिष्ट अनुष्ठान किए जाते हैं। इस प्रकार, उनका मत है कि यदि आर्य समाज मंदिरों में भी वैदिक रीति से विवाह संपन्न किया जाता है, तो वह तब तक वैध होगा जब तक हिंदू विवाह अधिनियम की धारा 7 की आवश्यकताएं पूरी होती हैं।

भाजपा का सक्रिय सदस्य सम्मेलन में विधानसभा चुनाव को लेकर रणनीति तैयार

कटिहार (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के जिला कार्यालय में गुरुवार को विधानसभा स्तरीय सक्रिय सदस्य सम्मेलन आयोजित की गई। सम्मेलन की अध्यक्षता कटिहार ग्रामीण मंडल अध्यक्ष गौतम वर्मा द्वारा किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ पंडित दीनदयाल उपाध्याय एवं डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के तैलचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर एवं वंदे मातरम के साथ किया गया। सम्मेलन में आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर विशेष रणनीति तैयार की गई और कार्यकर्ताओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से भाजपा जिला अध्यक्ष मनोज राय, पूर्व उपमुख्यमंत्री तारकिशोर प्रसाद, कोढा विधायक कविता पासवान, विधान पार्षद राजवंशी सिंह सहित अन्य वरिष्ठ नेता उपस्थित हुए। इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष मनोज राय ने कहा कि कार्यकर्ताओं का स्नेह और विश्वास ही पार्टी को मजबूत बनाता है। उन्होंने कहा कि भाजपा का कार्यकर्ता विकसित भारत की यात्रा का भागीदार है। हमारा उद्देश्य केवल सत्ता नहीं, बल्कि सेवा, समर्पण और सुशासन है। पूर्व उपमुख्यमंत्री तारकिशोर प्रसाद ने कहा कि भाजपा ने अपना हर वादा हमेशा पूरा किया है और विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने के लिए पार्टी का हर कार्यकर्ता प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि बिहार में कार्यकर्ताओं के बल पर पुन: बनेगी एनडीए की पूर्ण बहुमत की सरकार। पूर्व विधान पार्षद राजवंशी सिंह ने पार्टी के इतिहास को कार्यकर्ताओं के बीच रखते हुए कहा कि भाजपा का सक्रिय सदस्यों का यह संवाद हमारे संगठन की रीढ़ है।आप सभी की ऊर्जा और प्रतिबद्धता ही हमें *सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, और सबका प्रयास* के मंत्र को साकार करने की प्रेरणा देती है। इस मौके पर बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने संकल्प लिया कि वे कटिहार जिला और बिहार में पूर्ण बहुमत की सरकार बनाने के लिए काम करेंगे।

इस साल एफएमसीजी कंपनियों को राहत दे सकता है अच्छा मानसून

नई दिल्ली

देश के मौसम विभाग ने इस साल मॉनसून के दौरान भारी वर्षा के आगंतुकीय संकेत दिए हैं, जो कंपनियों को राहत दे सकते हैं। एफएमसीजी से लेकर सरकार तक ने अपनी नीतियों में सुधार कर मांग के निश्चित सुधार की बात की है। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में वाणिज्यिक गतिविधियों की बढ़ती मांग का अनुमान लगातार बढ़ रहा है। इस पूरे मौसम धारा के बारे में जानकरी के साथ, उपभोक्ता

ग्रामीण-शहरी दोनों क्षेत्रों में बढ़ेगी मांग

और कंपनियों में आर्थिक उतार-चढ़ाव की उम्मीदें उचित हैं। खुशखबरी के साथ मांग की वृद्धि की उम्मोदें हैं कि भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए आगे कुछ अच्छे समय आने वाले हैं। पभोक्ता कंपनियों का कहना है कि देश में लगातार चौथे साल मॉनसून में पर्याप्त वर्षा का अनुमान लगाया गया है। इन कंपनियों ने कहा कि देश के ग्रामीण क्षेत्रों में देश की 65 फीसदी आबादी रहती है। कंपनियों के अनुसार खरीफ फसलें अच्छी रहने से लोगों की आय बढ़ेगी जिसका फायदा उन्हें भी मिलेगा। सरकार ने चालू वित्त वर्ष में सालाना 12 लाख रुपये तक की आय पर कोई कर न लगाने की भी घोषणा की है। साथ ही देश में सामान्य से अधिक बारिश के अनुमान से उपभोग को और अधिक ताकत मिल सकती है। सामान्य से अधिक बारिश होने पर ग्रामीण क्षेत्र में मांग को दम मिलेगा। इन क्षेत्रों में पिछले कुछ महीनों से मांग में पहले से ही सुधार देखा जा रहा है। अब मॉनसून अच्छा रहने से मांग को और बढ़ावा मिलेगा। उपज बढ़ने से मुद्रास्फीति में और कमी आ सकती है। अन्य उपभोक्ता कंपनियों के वरिष्ठ अधिकारियों ने भी यही राय जाहिर की। उन्होंने कहा कि अच्छे मॉनसून के कारण ग्रामीण एवं शहरी दोनों क्षेत्रों से मांग बढ़ेगी। एनआईक्यू के ताजा आंकड़ों के अनुसार अक्टूबर से दिसंबर तिमाही (वित्त वर्ष 2025) में शहरी एवं ग्रामीण मांग में वृद्धि देखी गई है।

न्यूज ब्रीफ

भारतीय झींगा निर्यातकों ने अमेरिकी झींगा पर डंपिंग का विरोध किया

नई दिल्ली। भारतीय झींगा निर्यातकों ने अमेरिका के झींगा पर डंपिंग रोधी और प्रतिपूरक शुल्कों की समीक्षा के खिलाफ विरोध जताया है। अगले महीने समीक्षा की आशंका जताते हुए, निर्यातकों ने सरकार से हस्तक्षेप की मांग की है। इन शुल्कों की गणना करने का अमेरिका का फार्मूला गलत बताया गया है। कोलकाता स्थित समुद्री खाद्य निर्यातक एवं मेगा मोडा के प्रबंध निदेशक ने कहा कि यह शुल्कों की गणना में अंतरिक्ष है और इससे भारतीय व्यापारिक मामलों पर बुरा असर पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि अमेरिका का जीरोइंग पद्धति गलत है और भारत के साथ उचित व्यापारिक समझौते की आवश्यकता है। उन्होंने आगे कहा कि कठिन प्रतिस्पर्धा के बीच भारत को संरक्षण देने की जरूरत है ताकि वह अमेरिका में इक्वाडोर और वियतनाम से आने वाली प्रतिस्पर्धा का सामना कर सके।

रसायन, पेट्रोरसायन क्षेत्र पर अमेरिकी शुल्क के प्रभाव का आकलन कर रहा है भारत

नई दिल्ली। राष्ट्रीय रसायन एवं पेट्रोरसायन सचिव निवेदिता शुक्ला वर्मा ने देश के रसायन और पेट्रोरसायन उद्योग पर अमेरिकी शुल्क के प्रभाव का आकलन करने की सरकारी पहल की घोषणा की है। निवेदिता शुक्ला ने एक विचार-विमर्श सत्र में बताया कि यह निर्णय उद्योग जगत के साथ संवाद स्थापित करने के लिए किया गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अतिरिक्त 26 प्रतिशत के जवाबी शुल्क लागू करने का फैसला लिया था, जिसे अब नौ अप्रैल को 90 दिन के लिए टाल दिया गया है। इसके बावजूद, 10 प्रतिशत का मूल शुल्क अब भी लागू है। उद्योग के आंकड़ों के अनुसार, भारत के कुल निर्यात में रसायन की हिस्सेदारी करीब 18 प्रतिशत है। भारत के कुल निर्यात में रसायन की हिस्सेदारी करीब 18 प्रतिशत है इसका अंतरराष्ट्रीय निर्यात वित्त वर्ष 2023-24 में 5.7 अरब अमेरिकी डॉलर था। निवेदिता शुक्ला ने कहा कि सरकार उद्योग जगत के साथ विचार-विमर्श के बाद उपाय निर्धारित करेगी और उद्योग के स्थिति का समीक्षा करेगी। इस नए विकल्प का अनुसरण करते हुए, भारतीय रसायन और पेट्रोरसायन उद्योग अपने व्यापारिक प्रवृत्तियों को सुरक्षित रखने के लिए सक्रिय रूप से काम कर रहे हैं।

यश बैंक को 244 करोड़ की इनकम टैक्स डिमांड का नोटिस

मुंबई । यश बैंक को इनकम टैक्स डिपार्टमेंट से 244.20 करोड़ रुपए का अतिरिक्त टैक्स डिमांड का नोटिस मिला है। यह डिमांड 2016-17 के लिए किए गए असेसमेंट और पुनर्मूल्यांकन के बाद आई है। बैंक ने कहा है कि वह इस टैक्स डिमांड को चुनौती देगा और इसके खिलाफ अपील करेगा। बैंक को दिसंबर 2018 में इनकम टैक्स डिपार्टमेंट से 2016-17 के लिए एक टैक्स असेसमेंट ऑर्डर मिला था, जिसमें कुछ जोड़-घटाव किए गए थे। बैंक ने कहा वह इस टैक्स डिमांड को चुनौती देगा और इसके खिलाफ अपील करेग इसके बाद मार्च 2022 में पुनः मूल्यांकन आदेश आया, जिसमें कुछ और बदलाव किए गए थे। बैंक ने दोनों आदेशों के खिलाफ अपील की है और अब पुनः मूल्यांकन के बाद एक नई टैक्स डिमांड आई है। बैंक ने बताया कि पुनः मूल्यांकन आदेश में गलती हुई थी, क्योंकि इसमें आयकर रिटर्न में बताई गई आय के बजाय असेस्ड आय का उपयोग किया गया था। इस गलती को सुधारने के लिए 15 अप्रैल 2025 को एक रेक्टिफिकेशन आर्डर पास किया गया। हालांकि, इस आदेश के बाद टैक्स की मांग में काफी वृद्धि हो गई, और बैंक ने इसे बिना किसी ठोस कारण के बताया है। बैंक ने कहा कि वह इस अतिरिक्त टैक्स डिमांड के खिलाफ तुरंत रेक्टिफिकेशन आवेदन दाखिल करेगा और अगर जरूरत पड़ी, तो अपीलीय न्यायाधिकरण में भी अपील करेगा।

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत एशिया में भी मिला-जुला कारोबार

नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से :मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान बड़ी गिरावट के साथ बंद हुए। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स में :तेजी नजर आ रही है। यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के दौरान मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। एशियाई बाजारों में भी :मिला-जुला कारोबार होता हुआ नजर आ रहा है। अमेरिकी फेडरल रिजर्व के अध्यक्ष जेरोम पॉवेल द्वारा टैरिफ की वजह से अमेरिका में महंगाई बढ़ने और ग्रोथ पर दबाव पढ़ने की आशंका जताए जाने के कारण अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान बड़ी गिरावट दर्ज की गई। डाउ जॉन्स 700 अंक टूट गया। इसी तरह एसएंडपी 500 इंडेक्स ने 120.93 अंक यानी 2.24 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 5,275.700 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा नैस्डेक 516.01 अंक यानी 3.07 प्रतिशत की गिरावट के साथ 16,307.16 अंक के स्तर पर बंद हुआ। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स :फिलहाल 279.94 अंक यानी 0.71 प्रतिशत की बढ़त के साथ 39,947.33 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार उतार-चढ़ाव होता रहा। एफटीएसई इंडेक्स 0.32 प्रतिशत की मजबूती के साथ 8,275.60 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह डीएएक्स इंडेक्स ने 0.27 प्रतिशत उछल कर 21,311.02 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। दूसरी ओर सीएसी इंडेक्स 0.07 प्रतिशत की गिरावट के साथ 7,329.97 अंक के स्तर पर बंद किया गया।

एशियाई बाजारों में :मिला-जुला कारोबार होता हुआ नजर आ रहा है। एशिया के 9 बाजारों में से 6 के सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि 3 सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बने हुए हैं। गिफ्ट निफ्टी 125.50 अंक यानी 0.54 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 23,343.50 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह ताइवान वेटेड इंडेक्स 0.31 प्रतिशत लुढ़क कर 19,407.18 के स्तर पर और सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.29 प्रतिशत फिसल कर 1,135.64 अंक के स्तर पर पहुंचे गए हैं।

दूसरी ओर, निक्केई इंडेक्स 304.15 अंक यानी 0.89 प्रतिशत की मजबूती के साथ 34,224.55 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह कोस्पी इंडेक्स 0.70 प्रतिशत उछल कर 2,464.78 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। हैंग सेंग इंडेक्स में :जोरदार तेजी दर्ज की गई है। फिलहाल यह सूचकांक 328.83 अंक यानी 1.54 प्रतिशत की उछाल के साथ 21,385.81 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसी तरह स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 1.39 प्रतिशत की मजबूती के साथ 3,714.23 अंक के स्तर पर, शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.21 प्रतिशत की बढ़त के साथ 3,282.82 अंक के स्तर पर और जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.09 प्रतिशत फिसल कर 6,405.75 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

वन97 कम्युनिकेशन के एमडी ने 1,800 करोड़ के शेयर स्वेच्छा से छोड़े

नई दिल्ली। वित्तीय प्रौद्योगिकी कंपनी वन97 कम्युनिकेशन के प्रबंध निदेशक (एमडी) और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) विजय शेखर शर्मा ने लगभग 1,800 करोड़ रुपये के 2.1 करोड़ शेयर स्वेच्छा से छोड़ दिए हैं। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में यह जानकारी दी। शेयरों को पेटीएम ब्रांड की मूल कंपनी वन97 कम्युनिकेशंस की सूचीबद्धता के समय ईएसओपी के हिस्से के रूप में शर्मा को दिया गया था। अब ये शेयर वन97 के कर्मचारियों की शेयर विकल्प योजना, 2019 के तहत ईएसओपी पूल में लौट आएंगे। कंपनी ने कहा कि कंपनी के सीएमडी और सीईओ विजय शेखर शर्मा ने 16 अप्रैल, 2025 को दिनांकित पत्र में सूचित किया है कि उन्होंने स्वेच्छा से सभी 2,10,00,000 ईएसओपी को वन97 कम्युनिकेशन के कर्मचारी शेयर विकल्प योजना, 2019 के तहत लौटा दिए हैं।

आरबीआई ने अहमदाबाद के कलर मर्चेंट्स को-ऑपरेटिव बैंक का लाइसेंस रद्द किया

मुंबई (ईएमएस)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने गुजरात के शहर अहमदाबाद स्थित कलर मर्चेंट्स को-ऑपरेटिव बैंक का लाइसेंस रद्द कर दिया है। आरबीआई ने जारी किए गए बयान में यह निर्धारित किया कि बैंक के पास पर्याप्त पूंजी और कमाई की संभावनाएं नहीं हैं। आरबीआई ने बीमा और ऋण गारंटी निगम (डीआईसीजीसी) की मौद्रिक सीमा बढ़ाकर जमाकर्ताओं की सुरक्षा में सुधार करने का प्रस्ताव भी किया है। अब जमाकर्ताओं को केवल 5 लाख रुपये तक की जमा राशि पर डीआईसीजीसी द्वारा बीमा की गारंटी प्राप्त होगी। कलर मर्चेंट्स को-ऑपरेटिव बैंक के सहकारी समितियों के पंजीयक के खिलाफ भी एक परिसमापक की मांग की गई है। आरबीआई ने बैंक के असमर्थन के कारण उसके लाइसेंस को रद्द किया है और बैंक को बंद करने के लिए परामर्श दिया है। इस घटना से उठने वाले विवाद के बीच आरबीआई ने सामान्य सार्वजनिक को सुनिश्चित किया है कि इस प्रकार की कार्रवाई का निर्णय केवल बैंक और उसके ग्राहकों के हितों के लिए हो गया है।

विप्रो का मुनाफा 25.9 फीसदी: बढ़कर 3,569.6 करोड़ पहुंचा, कंपनी ने विडेंड का भी किया ऐलान

मुंबई। देश की प्रमुख आईटी कंपनियों में शामिल विप्रो ने मार्च 2025 में खत्म हुई चौथी तिमाही के नतीजे जारी कर दिए हैं। कंपनी का मुनाफा 25.9 फीसदी बढ़कर 3,569.6 करोड़ हो गया है, जबकि पिछले साल इसी तिमाही में मुनाफा 2,834.6 करोड़ था। इस तिमाही में विप्रो की कुल कमाई यानी ऑपरेशंस से आया रेवेन्यू 1.3 फीसदी बढ़कर 22,504.2 करोड़ रुपए हो गया है, जो पिछले साल 22,208.3 करोड़ था। कंपनी के कुल खर्चों में ज्यादा बदलाव नहीं हुआ, यह 18,978.6 करोड़ रुपए रहा। पूरे वित्त वर्ष 2024-25 में विप्रो का मुनाफा 13,135.4 करोड़ रुपए रहा, जो वित्त वर्ष 24 में 11,045.2 करोड़ रुपए था। हालांकि, कंपनी की सालाना कमाई थोड़ी घटी, वित्त वर्ष 24 में 89,760.3 करोड़ रुपए की तुलना में वित् वर्ष 25 में 89,088.4 करोड़ रही।

जेनसोल इंजीनियरिंग के स्वतंत्र निदेशक मेनन ने पद छोड़ा

कोष के दुरुपयोग और संचालन में चूक होने की वजह से बाजार नियामक सेबी की जांच के दायरे में आई 2 संकटग्रस्त कंपनी जेनसोल इंजीनियरिंग से उसके स्वतंत्र निदेशक अरुण मेनन ने तत्काल प्रभाव से इस्तीफा देने की जानकारी दी है। कंपनी के प्रवर्तकों में से एक अनमोल सिंह जग्गी को भेजे इस्तीफे में मेनन ने लिखा कि अन्य व्यवसायों के पूंजीगत व्यय को वित्तपोषित करने के लिए जीईएल के बहीखाते तथा जीईएल द्वारा इतनी ऊंची ऋण लागत पर स्थिरता बनाए रखने को लेकर चिंता बढ़ रही है। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के धन की हेराफेरी और कामकाज संबंधी खामियों के कारण जेनसोल इंजीनियरिंग और उसके प्रवर्तकों अनमोल सिंह जग्गी तथा पुनीत सिंह जग्गी को अगले आदेश तक प्रतिभूति बाजार से प्रतिबंधित करने की पृष्ठभूमि में मेनन ने इस्तीफा दिया है।

फिच रेटिंग्स ने भारत के वृद्धि अनुमान को घटाया

व्यापक स्तर पर नीति अनिश्चितता, व्यापार निवेश की संभावनाओं को पहुंचा रही हैं नुकसान

नई दिल्ली

रेटिंग एजेंसी फिच ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 के लिए भारत के सकल घरेल उत्पाद (जीडीपी) के वृद्धि दर अनुमान को घटाकर 6.4 प्रतिशत कर दिया है। रेटिंग एजेंसी फिच ने वैश्विक आर्थिक परिदृश्य (जीईओ) के अपने विशेष तिमाही अपडेट में कहा कि अमेरिकी व्यापार नीति के बारे में पूरे विश्वास के साथ कुछ भी कहना मुश्किल है। व्यापक स्तर पर नीति अनिश्चितता, व्यापार निवेश की संभावनाओं को नुकसान पहुंचा रही हैं।

शेयर की कीमतों में गिरावट से घरेलू संपत्ति कम हो रही है और अमेरिकी निर्यातकों को जवाबी कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा। फिच ने मार्च के अपने जीईओ में 2025 के विश्व वृद्धि अनुमानों में 0.4 प्रतिशत की कटौती की। चीन और अमेरिका के वृद्धि अनुमान को 0.5 प्रतिशत घटाया।

रेंटिंग एजेंसी ने भारत के संदर्भ में वित्त वर्ष 2024-25 और चालू वित्त वर्ष 2025-26 के लिए जीडीपी वृद्धि अनुमान को घटाकर क्रमश: 6.2 प्रतिशत और 6.4 प्रतिशत कर दिया है। वित्त वर्ष 2026-27 के लिए वृद्धि दर 6.3 प्रतिशत पर बरकरार रखी है।

फिच के अनुमानों के अनुसार अमेरिका की जीडीपी वृद्धि दर 2025 तक 1.2 प्रतिशत पर सकारात्मक रहने की उम्मीद है। चीन की वृद्धि दर इस वर्ष और अगले वर्ष चार प्रतिशत से नीचे रहने का अनुमान है, जबकि यूरोक्षेत्र में वृद्धि एक प्रतिशत से काफी नीचे बनी रहेगी।

पतंजलि ने खरीद ली मैग्मा जनरल इंश्योरेंस में हिस्सेदारी

भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) ने खरीदी प्रस्ताव को दी मंजूरी

नई दिल्ली

भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) ने पतंजलि आयुर्वेद को और 5 अन्य इकाइयों को मैग्मा जनरल इंश्योरेंस में हिस्सेदारी हासिल करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। इस निर्णय से पतंजलि के व्यापार को नई ऊर्जा मिलेगी। प्रस्तावित मैग्मा जनरल इंश्योरेंस में अधिग्रहण के लिए सीसीआई ने ग्रीन चैनल रूट का उल्लंघन नहीं होने का आश्वासन दिया है। इसके तहत, यह लेन-देन प्रतिस्पर्धा पर कोई नकारात्मक प्रभाव नहीं डालेगा। पतंजलि आयुर्वेद के साथ इस सौदे में शामिल होने वाली इकाइयां एसआर, रीति, आरआर, सुरुचि और स्वाति फाउंडेशन हैं। बाबा रामदेव की कंपनी को मैग्मा जनरल इंश्योरेंस में 98.055 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल होगी। इस

निर्णय के बाद, बाबा रामदेव की पतंजलि आयुर्वेद लि. मैग्मा जनरल इंश्योरेंस की प्रवर्तक इकाई बनेगी। यह स्थापित भारतीय कंपनियों के बीच एक नया साझेदारी का प्रस्ताव है, जिससे कारोबार में नयी ऊर्जा आने की संभावना है। अदार पूनावाला की सनोती प्रॉपर्टीज भी इस सौदे में शामिल हैं, जिससे उनकी हिस्सेदारी पतंजलि आयुर्वेद और कुछ अन्य कंपनियों को बेच दी गई है।

जापान को वित्त वर्ष 2024-25 में 5200 अरब येन का व्यापार घाटा

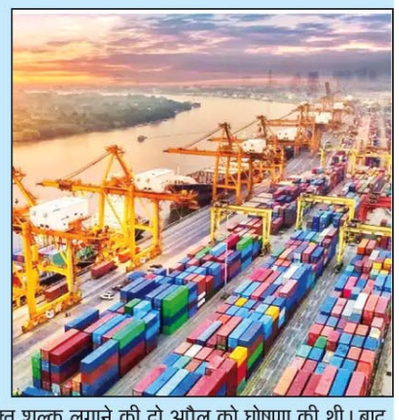

तोक्यो (ईएमएस)। जापान ने वित्त वर्ष 2024-25 में 5200 अरब येन (37 अरब अमेरिकी डॉलर) का व्यापार घाटा दर्ज किया। वित्त मंत्रालय की ओर से गुरुवार को जारी अस्थायी आंकड़ों के अनुसार, 31 मार्च तक के वित्त वर्ष में जापान का वैश्विक व्यापार घाटा कुल 5200 अरब येन (37 अरब अमेरिकी डॉलर) रहा। लगातार चौथा वर्ष घाटे दर्ज किया गया। हालांकि, अमेरिका के साथ व्यापार अधिशेष (आयात व निर्यात के बीच का अंतर) बढ़कर 9000 अरब येन (63 अरब अमेरिकी डॉलर) हो गया। जापान का अमेरिका एक महत्वपूर्ण दीर्घकालिक सहयोगी और अमेरिका में प्रमुख निवेशक है, जो सैकड़ों हजारों अमेरिकियों को रोजगार देता है। हालांकि, अमेरिका को निर्यात को लेकर शुल्क बढ़ोतरी का मुद्दा चर्चा का विषय बना हुआ है। अमेरिका ने जापान पर 24 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क लगाने की दो अप्रैल को घोषणा की थी। बाद में इस फैसले को नौ अप्रैल को 90 दिन के लिए टाल दिया गया।

रायजा पहली बार वर्ल्ड कप फाइनल में पहुंचीं, पांचवें स्थान पर रहीं

नई दिल्ली

पेरिस ओलंपियन रायज़ा ढिल्लों ने अपने करियर का पहला वर्ल्ड कप फाइनल खेलते हुए स्कीट महिला इवेंट में शानदार प्रदर्शन किया और पांचवें स्थान पर रहीं। इंटरनेशनल शूटिंग स्पोर्ट फेडरेशन (आईएसएसएफ) वर्ल्ड कप हासिल किया।

राइफल/पिस्टल/शॉटगन के दूसरे चरण के दूसरे दिन भारत ने दो स्वर्ण, एक रजत और एक कांस्य पदक के साथ चीन के बाद कुल तालिका में दूसरा स्थान हासिल किया।

पूर्व जूनियर वर्ल्ड चैंपियनशिप सिल्वर मेडलिस्ट और पिछले साल एशियाई चैंपियनशिप में कांस्य जीतने वाली रायज़ा ने बुधवार को अपने पहले सीनियर वर्ल्ड कप फाइनल में मजबूत प्रदर्शन किया।

60 शॉट के फाइनल में उन्होंने 30 शॉट्स के बाद 26 हिट किए और बाहर हो गईं। उन्हें चीन की जियांग यीटिंग को पछाड़ना था, जो पेरिस ओलंपिक में मिक्स्ड टीम ब्रॉन्ज मेडल जीत चुकी हैं।

रायज़ा को उच्चतम बिब नंबर का नुकसान भी झेलना पड़ा। उन्होंने पहले 20 में से 19 शॉट्स हिट किए, जिससे दूसरी चीनी फाइनलिस्ट चे यूफेई को पीछे छोड़ने में कामयाब रहीं।

शॉटगन की दिग्गज और तीन बार की ओलंपिक चैंपियन किम्बरली रोड ने 56 हिट्स के साथ स्वर्ण पदक जीता, और अमेरिकी टीम ने इस इवेंट में 1-2-3 स्थान हासिल किया।

सामंथा साइमोंटन को स्वर्ण के लिए शूट-ऑफ में रोड से 1-2 से हारकर रजत से संतोष करना पड़ा, जबकि पूर्व विश्व चैंपियन डानिया जो विज़ी ने कांस्य पदक जीता। किम्बरली का यह 19वां व्यक्तिगत वर्ल्ड कप स्वर्ण और कुल मिलाकर 26वां स्वर्ण है, जिसमें डबल ट्रैप और मिक्स्ड टीम स्कीट शामिल हैं।

उनका यह प्रदर्शन बुधवार शाम लास पाल्मास रेंज में हुआ।

रायज़ा रातभर 10वें स्थान पर थीं और फाइनल की टॉप 6 में जगह बनाने के लिए उन्हें दो बेहतरीन राउंड की ज़रूरत थी। उन्होंने पहले राउंड में परफेक्ट 25 और फिर 24 का स्कोर किया, जिससे वह कज़ाखस्तान की ज़ोया क्रावचेंको के साथ 117 पर टाई कर गईं।

शूट-ऑफ में ज़ोया ने अपनी दूसरी शॉट मिस कर दी और रायज़ा ने छठी और आखिरी जगह हासिल कर ली। रायज़ा की साथी ग़नेमत सेखों ने उल्टा ग्राफ दिखाया। दिन की शुरुआत छठे स्थान से की, लेकिन 116 के स्कोर के साथ नौवें स्थान पर खत्म किया। दर्शना राठौर 110 अंकों के साथ 15वें स्थान पर रहीं।

न्यूज़ ब्रीफ

डे क्रिकेट अकादमी के लिए 20 अप्रैल को ट्रायल

धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन एचपीसीए द्वारा अंडर-19 डे क्रिकेट अकादमी धर्मशाला के लिए 20 अप्रैल को ट्रायल आयोजित किए जाएंगे। इस दौरान वर्ष 2025-26 के लिए खिलाड़ियों का चयन किया जाएगा। ट्रायल क्रिकेट स्टेडियम धर्मशाला में 20 अप्रैल को सुबह 10 बजे से होंगे। ट्रायल में पूर्व वर्ष में चयनित खिलाड़ियों को भी भाग लेना होगा, उनकी प्रतिभा के तहत ही उन्हें आगामी वर्ष के लिए रिटेन किया जाएगा। एचपीसीए के सचिव अवनीश परमार ने बताया कि ट्रायल में भाग लेने के लिए खिलाड़ियों का जन्म एक सितंबर 2006 के बाद होना जरूरी है। साथ ही मात्र हिमाचली बोनोफाइड खिलाड़ी ही ट्रायल में भाग ले सकेंगे। इसके लिए खिलाड़ियों को ट्रायल वाले दिन ही रजिस्ट्रेशन करवानी होगी। बिना पंजीकरण के ट्रायल में खिलाड़ी भाग नहीं ले पाएंगे। इसके लिए खिलाड़ियों को जन्मतिथि प्रमाण पत्र, बोनोफाइड हिमाचली व दो पासपोर्ट साईज फोटोग्राफ लाने होंगे। अवनीश परमार ने बताया कि ट्रायल में भाग लेने वाले खिलाड़ियों को किसी भी प्रकार का अलांउस प्रदान नहीं किया जाएगा। उन्हें ट्रायल में भाग लेने के लिए अपनी क्रिकेट यूनिफार्म व किट लाना भी जरूरी होगा।

बीसीसीआई ने भारतीय टीम के सहयोगी स्टाफ के तीन सदस्यों को बाहर किया

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर के सहयोगी स्टाफ के तीन सदस्यों को बाहर कर दिया है। एक रिपोर्ट के अनुसार ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद से ही इन सदस्यों को बाहर किये जाने की चर्चाएं थीं। इसका कारण ऑस्ट्रेलिया दौरे में टीम के खराब प्रदर्शन के साथ ही ड्रेसिंग रुम की बातें बाहर आना बताया जा रहा है। बोर्ड इस बात से सबसे अधिक नाराज था कि टीम की गोपनीय बातें कैसे बाहर आ रही हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार बीसीसीआई ने सहायक कोच अभिषेक नायर को हटा दिया है। नायर 8 महीने पहले ही भारतीय टीम से जुड़े थे। इसके अलावा फील्डिंग कोच टी दिलीप और ट्रेनर सोहम देसाई को भी बाहर कर दिया गया है। ये दोनों ही गत तीन साल से भारतीय टीम से जुड़े हुए थे। इनकी जगह पर शीघ्र ही नया सहायक स्टाफ रखा जाएगा।

एक साल से भी कम समय में सहयोगी स्टाफ को बाहर किये जाने का कारण टीम के खराब प्रदर्शन और ड्रेसिंग रुम की बातें बाहर आने को बताया गया है। बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में भारतीय टीम का प्रदर्शन बहुत ही निराशाजनक रहा था और उसे 3-1 से हार का सामना करना पड़ा था। बीसीसीआई इस कारण भी नाराज थी कि ड्रेसिंग रूम की बातें बाहर आने से टीम की छवि पर विपरीत प्रभाव पड़ रह था और खिलाड़ियों के बीच मतभेद की आशंका बढ़ गयी थी।

श्रेयस ने अपने प्रदर्शन से केकेआर प्रबंधन को दिया करारा जवाब

मुम्बई। आईपीएल के इस सत्र में अब तक कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। ऐसे में टीम मालिक शाहरुख खान व सीईओ वेंकी मैसूर और प्रबंधन कप्तान के तौर पर श्रेयस अय्यर को रिटेन नहीं करने के लिए पछता रहे होंगे। श्रेयस की कप्तानी में पिछली बार केकेआर ने खिताब जीता था। वहीं श्रेयस ने अपनी पुरानी फ्रैंचाइजी केकेआर को इस सत्र में हराकर अपनी उपेक्षा के लिए करारा जवाब दिया है। इस मैच के बाद श्रेयस केकेआर के सीईओ वेंकी मैसूर से भी मिले। तब अय्यर के साथ सुनील नरेन भी मौजूद थे। केकेआर से अलग होने के बाद श्रेयस अय्यर का अपनी पुरानी टीम के खिलाफ ये पहला मैच था। इसमें अय्यर ने अपनी शानदार कप्तानी से अपीन टीम को सिर्फ 111 रन बनाने के बाद भी जीत दिला दी।

नीरज चोपड़ा ने पोटचेफस्ट्रूम आमंत्रण टूर्नामेंट में 84.52 मीटर थ्रो के साथ जीता स्वर्ण

नई दिल्ली

डबल ओलंपिक पदक विजेता नीरज चोपड़ा ने बुधवार को दक्षिण अफ्रीका में पोटचेफस्ट्रूम इनविटेशनल में 84.52 मीटर के प्रभावशाली थ्रो के साथ अपने 2025 सीजन की शुरुआत की। उनके इस प्रदर्शन ने विश्व एथलेटिक्स के लिए महत्वपूर्ण वर्ष में छह पुरुषों के क्षेत्र में शीर्ष स्थान हासिल करते हुए स्वर्ण पदक सुनिश्चित किया। चोपड़ा 25 वर्षीय दक्षिण अफ़्रीकी भाला फेंक खिलाड़ी डौ स्मिट से काफ़ी आगे रहे, जिन्होंने 82.44 मीटर का सर्वश्रेष्ठ थ्रो दर्ज किया। भारतीय स्टार ने शुरुआती सीजन में कुछ मज़बूत थ्रो किए, जिसमें सिर्फ़ वह और स्मिट ही 80 मीटर का आंकड़ा पार कर पाए।

तीसरा सर्वश्रेष्ठ थ्रो स्थानीय एथलीट डंकन रॉबर्टसन का रहा, जिन्होंने 71.22 मीटर तक थ्रो किया। हालांकि, नीरज का थ्रो उनके व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ 89.94 मीटर से कम था, लेकिन यह एक ठोस शुरुआत थी, जबकि स्मित 83.29 मीटर के अपने ही मार्क के करीब पहुंच गए। नीरज का अगला बड़ा इवेंट 16 मई को दोहा डायमंड लीग है, जहां उन्हें कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ेगा। 2024 के पेरिस ओलंपिक में नीरज ने 89.45 मीटर के थ्रो के साथ रजत पदक जीता था, जबकि पाकिस्तान के अरशद नदीम ने 92.97 मीटर के नए ओलंपिक रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक जीता था। जैसे-जैसे सीजन आगे बढ़ेगा, सभी की निगाहें नीरज पर होंगी कि क्या वह नदीम के रिकॉर्ड को चुनौती देकर अपने पहले से ही शानदार करियर को आगे बढ़ा सकते हैं।

आईएसएसएफ विश्व कप, लीमा : सुरुचि-सौरभ की जोड़ी ने 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा में जीता स्वर्ण

नई दिल्ली। लीमा (पेरू) में चल रही आईएसएसएफ विश्व कप निशानेबाजी प्रतियोगिता में भारतीय निशानेबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया है। बुधवार को 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा में भारत की सुरुचि इंदर सिंह और सौरभ चौधरी की जोड़ी ने स्वर्ण पदक अपने नाम किया। फाइनल में चीनी जोड़ी को दी मात स्वर्ण पदक मुकाबले में सुरुचि-सौरभ की जोड़ी ने चीन की कियानसुन याओ और काई हू की जोड़ी को 17-9 के अंतर से पराजित किया। दोनों भारतीय निशानेबाजों ने पूरे आत्मविश्वास के साथ लक्ष्य भेदा और खिताबी मुकाबला अपने नाम किया। कांस्य पदक मुकाबले में मनु-रविंदर हारे कांस्य पदक के लिए हुए मुकाबले में भारत की मनु भाकर और रविंदर सिंह की जोड़ी को चीनी निशानेबाजों चियानके मा और यीफान झांग के हाथों 6-16 से हार का सामना करना पड़ा। सुरुचि का दूसरा स्वर्ण, सौरभ को भी व्यक्तिगत कांस्य मंगलवार को 18 वर्षीय सुरुचि ने महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल व्यक्तिगत स्पर्धा में भी स्वर्ण पदक जीतकर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। इस स्पर्धा में उन्होंने अपनी सीनियर और दो बार की ओलंपिक पदक विजेता मनु भाकर को पछाड़ते हुए पहला स्थान हासिल किया। वहीं पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में सौरभ चौधरी ने कांस्य पदक जीतकर एक बार फिर अपने शानदार प्रदर्शन का प्रमाण दिया। सौरभ के लिए यह वर्ष 2022 के बाद किसी आईएसएसएफ विश्व कप में पहला व्यक्तिगत पदक है। चयन चरण में भी दमदार प्रदर्शन सुरुचि और सौरभ की जोड़ी ने 580 अंकों के साथ स्वर्ण पदक मुकाबले में स्थान सुनिश्चित किया। इस दौरान सुरुचि ने सौरभ से दो अंक अधिक प्राप्त किए। चयन चरण में चीनी जोड़ी याओ कियानसुन और हू काई 585 अंकों के साथ शीर्ष पर रही थी।

संजू सैमसन की चोट ने राजस्थान रॉयल्स की हार में डाला बड़ा असर

नई दिल्ली

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 में मंगलवार को अरुण जेटली स्टेडियम पर खेले गए रोमांचक मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स को सुपर ओवर में दिल्ली कैपिटल्स के हाथों हार का सामना करना पड़ा। इस मैच के दौरान राजस्थान के कप्तान संजू सैमसन चोटिल हो गए और रिटायर्ड हर्ट होकर मैदान से बाहर चले गए।

छठे ओवर में लगी चोट, सुपर ओवर में भी नहीं उतरे सैमसन – राजस्थान रॉयल्स की 189 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए संजू सैमसन जब शानदार लय में बल्लेबाज़ी कर रहे थे, तभी छठे ओवर में लेग स्पिनर विप्रज निगम की गेंद पर कट शॉट लगाने की कोशिश में उनकी पसलियों में खिंचाव आ गया। दर्द के चलते वह तुरंत मैदान पर ही अपने साइड को पकड़ते नज़र आए। अगली गेंद नो-बॉल थी और फ्री हिट पर सैमसन ने शॉट तो खेला लेकिन दौड़ नहीं पाए।

इसके बाद उन्होंने फिजियो की मदद ली और अंततः रिटायर्ड हर्ट होकर बाहर चले गए। उस वक्त सैमसन 19 गेंदों में 31 रन बनाकर खेल रहे थे और यशस्वी जायसवाल के साथ 5.3 ओवर में 61 रनों की शानदार ओपनिंग पार्टनरशिप कर चुके थे।

सुपर ओवर में भी रहना पड़ा बाहर – संजू सैमसन चोट के बाद दोबारा बल्लेबाज़ी के लिए नहीं उतरे। सुपर ओवर में राजस्थान रॉयल्स की तरफ से शिमरॉन हेटमायर, रियान पराग और यशस्वी जायसवाल बल्लेबाज़ी करने आए, लेकिन टीम केवल 11 रन ही बना सकी।

मैच के बाद सैमसन ने दी चोट पर अपडेट – मैच के बाद सैमसन ने अपनी चोट को लेकर कहा, फिलहाल ठीक लग रहा है। बस वापसी करने के लिए तैयार नहीं था। कल देखेंगे कैसा रहता है। उन्होंने माना कि स्कोर चेज़ किया जा सकता था लेकिन मिचेल स्टार्क की बेहतरीन डेथ ओवर गेंदबाज़ी ने खेल का रुख बदल दिया।

डब्लयूटीए 500 टेनिस टूर्नामेंट

रमनी में डब्लयूटीए 500 टेनिस टूर्नामेंट में रुस की मिरा एंड्रीवा खेलती हुई।

आर्सेनल 16 साल बाद चैंपियंस लीग के सेमीफाइनल में , रियल मैड्रिड को 5-1 के एग्रीगेट स्कोर से हराया

मैड्रिड

इंग्लिश क्लब आर्सेनल ने चैंपियंस लीग 2024-25 सीज़न में शानदार प्रदर्शन करते हुए मौजूदा चैंपियन रियल मैड्रिड को क्वार्टरफाइनल में 5-1 के एग्रीगेट स्कोर से मात दी। बुधवार रात हुए दूसरे लेग के मुकाबले में आर्सेनल ने 2-1 से जीत दर्ज कर 16 साल बाद सेमीफाइनल में जगह बनाई। अब उनका मुकाबला पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) से होगा। पहले लेग की बढ़त ने रखा मजबूत आधार आर्सेनल ने पिछले हफ्ते लंदन में खेले गए पहले लेग में 3-0 की बड़ी जीत दर्ज की थी, जिसका फायदा उन्हें मैड्रिड में मिला। मैच की शुरुआत से ही आर्सेनल ने रक्षात्मक रणनीति अपनाई और रियल मैड्रिड के आक्रामक खेल को ज़्यादा मौके नहीं दिए। साका ने चूकी पेनल्टी, फिर दागा पहला गोल पहले हाफ में आर्सेनल को पेनल्टी का मौका मिला जब वीएआर की मदद से

रियल के राउल असेंसियो द्वारा मिकेल मेरिनो को खींचने का मामला पकड़ में आया। हालांकि, साका का पेनल्टी किक थिबो कोर्टुआ ने रोक लिया। इस चूक के बाद साका ने दूसरे हाफ में 65वें मिनट में शानदार वापसी की और टीम के लिए पहला गोल दागा। विनीसियस जूनियर ने लौटाई उम्मीद, मार्टिनेली ने की निर्णायक वार साका के गोल के दो मिनट बाद ही विलियम सलीबा की गलती का फायदा उठाते हुए विनीसियस जूनियर ने बराबरी का गोल कर रियल को थोड़ी उम्मीद दी। लेकिन, स्टार खिलाड़ी किलियन एम्बाप्पे के चोटिल होकर मैदान छोड़ने से रियल मैड्रिड की मुश्किलें और बढ़ गईं। मैच के इंजरी टाइम में गेब्रियल मार्टिनेली ने आर्सेनल के लिए दूसरा और निर्णायक गोल कर रियल मैड्रिड की वापसी की उम्मीदें पूरी तरह खत्म कर दीं।

रियल मैड्रिड का फीका प्रदर्शन

पिछले सीज़न में चैंपियंस लीग और ला लीगा डबल जीतने वाली रियल मैड्रिड इस बार अपनी लय में नहीं दिखी। पहले लेग में 3-0 की हार के बाद टीम मैड्रिड में भी ज़्यादा कुछ नहीं कर पाई। स्टार स्ट्राइकर एम्बाप्पे भी पूरी तरह लय में नहीं दिखे और आखिरी मिनटों में चोटिल होकर बाहर हो गए। आर्सेनल तीसरी बार सेमीफाइनल में आर्सेनल ने अब तक चैंपियंस लीग इतिहास में सिर्फ तीसरी बार सेमीफाइनल में जगह बनाई है। पिछली बार 2009 में टीम इस मुकाम पर पहुंची थी। अब उनका सामना पेरिस सेंट जर्मेन से होगा, जो इस सीज़न में भी दमदार लय में है।

इंटर मिलान ने बायर्न म्यूनिख को 4-3 से हराकर चैंपियंस लीग सेमीफाइनल में बनाई जगह

मिलान

इंटर मिलान ने यूईएफए चैंपियंस लीग 2024-25 के क्वार्टरफाइनल के रोमांचक मुकाबले में बायर्न म्यूनिख को 4-3 के एग्रीगेट स्कोर से हराकर सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है। बुधवार देर रात सान सिरो स्टेडियम में हुए दूसरे लेग का मुकाबला 2-2 की बराबरी पर खत्म हुआ, लेकिन पहले लेग में मिली 2-1 की जीत के चलते इटालियन चैंपियन इंटर ने अंतिम-4 में प्रवेश किया। अब इंटर का मुकाबला सेमीफाइनल में बार्सिलोना से होगा।

लौटारो और पावार्ड के गोल ने इंटर को दिलाई बढ़त

बारिश और तेज़ हवाओं के बीच खेले गए इस मुकाबले में पहले हाफ तक दोनों टीमों के बीच गोल नहीं हुआ। हालांकि, दूसरे हाफ में मुकाबला रोमांचक हो उठा। बायर्न के स्टार स्ट्राइकर हैरी केन ने 52वें मिनट में गोल कर स्कोर बराबर कर दिया

और मुकाबले को नई जान दे दी। इसके बाद इंटर के कप्तान लौटारो मार्टिनेज ने 58वें मिनट में गोल दागकर इंटर को फिर से बढ़त दिलाई। महज तीन मिनट बाद, बेंजामिन पावार्ड ने एक शानदार हेडर से गोल कर इंटर को निर्णायक बढ़त दिला दी। डायर ने दिलाई उम्मीद, लेकिन समर ने बचाई जीत 75वें मिनट में एरिक डायर ने बायर्न के लिए हेडर के जरिए गोल कर मुकाबले को फिर रोमांचक बना दिया। इसके बाद बायर्न ने बराबरी के लिए लगातार दबाव बनाया। स्टॉपेज टाइम में हैरी केन का हेडर इंटर के गोलकीपर यान समर ने शानदार तरीके से रोक लिया और यहीं से इंटर की जीत तय हो गई।

सान सिरो में दिखा अलग नज़ारा, ट्रेबल सपना ज़िंदा

इंटर मिलान के फैंस ने टिकट की बढ़ी कीमतों के विरोध में शुरुआती 20 मिनट तक स्टेडियम में सन्नाटा बनाए रखा। इसके बाद फैंस ने जोरदार शोर और गानों से अपनी टीम का हौसला बढ़ाया। इंटर अब 2010 के जोसे मोरिन्हो युग की तरह एक बार फिर से सीरी ए, चैंपियंस लीग और इटालियन कप ट्रेबल जीतने की ओर बढ़ रही है। टीम इस समय इटली की लीग टेबल में नेपोली से तीन अंकों की बढ़त बनाए हुए है और डोमेस्टिक कप के सेमीफाइनल में एसी मिलान से भिड़ने वाली है।

आईपीएल के सामने पीएसएल कहीं नहीं टिकता : बिलिंग्स

लाहौर। आजकल जहां भारत में (आईपीएल) की धूम है वहीं दूसरी ओर पाकिस्तान में सुपर लीग (पीएसएल) खेल जा रहा है। वैसे तो आईपीएल और पीएसएल में कोई मुकाबला नहीं है पर फिर भी दोनो की तुलना की जाती रही है। इसी को लेकर एक वीडियो आया है। इसमें पाकिस्तान सुपर लीग में भाग ले रहे इंग्लैंड के सैम बिलिंग्स कहते हैं कि आईपीएल के सामने पीएसल कहीं नहीं टिकता। लाहौर कलंदर्स की ओर से खेल रहे बिलिंग्स ने कहा कि उनसे आईपीएल की तुलना पीएसएल से नहीं की जा सकती। साथ ही कहा कि आईपीएल के ग्लैमर के आगे पीएसएल कहीं नहीं है। केवल सिर्फ पीएसएल ही क्यों दुनिया की कोई भी टी-20 लीग आईपीएल की श्रेणी में नहीं आती। बिलिंग्स ने कहा कि वह चाहते हैं कि वह कुछ बेवकूफी की बात कहे, हालांकि, वह अपने रुख पर बने रहे और आईपीएल को दुनिया की किसी भी दूसरी टी-20 लीग से बेहतर बताया। बिलिंग्स ने रिपोर्टर से कहा, 'आप चाहते हैं कि मैं कुछ मूर्खतापूर्ण बात कहूं दुनिया की सबसे बेहतरीन प्रतियोगिता के तौर पर आईपीएल को नजरअंदाज करना मुश्किल है, यह बहुत स्पष्ट है, हर दूसरी प्रतियोगिता उससे पीछे है।' वैसे ये कोई पहला मौका नहीं है जब किसी पाक रिपोर्टर ने आईपीएल पर पूछा है। हाल ही में एक पाकिस्तानी रिपोर्टर ने कराची किंग्स के कप्तान डेविड वॉर्नर से आईपीएल में नहीं बिकने के बाद पीएसएल खेलने पर भारतीय प्रशंसकों से मिली नफरत के बारे में पूछा था। जिसके जवाब में वॉर्नर ने कहा था, 'मैंने पहली बार ऐसा सुना है, इस प्रकार की कोई बात नहीं है। मैं केवल क्रिकेट खेलना चाहता हूं।

नेल पेंट लगाने से डैमेज हो सकती है किडनी

हर लड़की चाहती है कि वह खूबसूरत दिखें, लोग उनके हुस्न की तारीफ करें। सुंदर और खूबसूरत दिखने के लिए वह महंगे ब्यूटी प्रॉडक्स और तरह-तरह के घरेलू नुस्खें अजमाती हैं। चेहरे के साथ-साथ वह अपनी बॉडी का भी ध्यान रखती हैं। हाथों को नेल पेंट से सजाती हैं शायद यह काम आप भी करती होगी लेकिन क्या आप सिर्फ खूबसूरती चाहती है अच्छी सेहत नहीं? जी हां, आपको बता दें कि नेल पेंट लगाना हमारी सेहत के लिए खतरनाक हो सकता है।

- नेल पेंट में पाया जाने वाला कैमीकल त्वचा और आंखों के संपर्क में आने पर सेहत पर बुरा असर डालता है। नेल पॉलिश में Formaldehyde नाम का एक कैमीकल होता है जो नेल पेंट को चिपचिपा बनाने में मदद करता है। इस कैमीकल का त्वचा के संपर्क में आने से खुजली की परेशानी हो सकती है, जिसके गंभीर परिणाम आपको भुगतने पड़ सकते हैं।
- नेल पॉलिश में Phthalates नामक एक ऑयली कैमीकल भी होता है, जो लगाते समय इसमें क्रैक नहीं पड़ने देता लेकिन जब यह आंख और मुंह के संपर्क में आता है तो इंफैक्शन होने का खतरा बढ़ जाता है। वहीं, इसकी वजह से नाक और गले में इंफैक्शन तक हो सकता है।
- नेल पॉलिश में मौजूद Toluene कैमीकल इसमें मौजूद सभी तत्वों को मिलाने के लिए इस्तेमाल किया जाता है। इसकी वजह से सिर दर्द, त्वचा संबंधी समस्याएं आदि हो सकती हैं। वहीं अगर यह कैमीकल बहुत अधिक मात्रा में शरीर में पहुंच जाए तो लीवर और किडनी तक को डैमेज कर देता है।

तो अब अगली बार अगर नेल पॉलिश लगाए तो ध्यान रखें कि उसे अपनी आंख, नाक, स्किन और मुंह से दूर रखें जितना जल्दी हो सके, इसे हटा लें।

योगा शरीर को बनाए लचीला

प्राकृतिक तौर पर लड़कियों का शरीर लड़कों के शरीर की तुलना में अधिक फ्लेक्सिबल होता है। इसलिए उम्र बढ़ने पर लड़कियों की तुलना में लड़कों को रीढ़ या पीठ के दर्द की समस्या अधिक होती है। इन दर्द से छुटकारा पाने का एक ही इलाज है योगा। लड़के योगा कर अपने शरीर को फ्लेक्सिबल बना सकते हैं और रीढ़ या पीठ से संबंधित दर्द से छुटकारा पा सकते हैं।

शराब छोड़ना चाहते हैं, तो धूम्रपान को कहें ना!

यदि आप शराब छोड़ने की कोशिश कर रहे हैं, तो सिगरेट छोड़ने पर ध्यान दीजिए, यह आपकी सेहत के लिए फायदेमंद होगा। शोधकर्ताओं ने पाया कि धूम्रपान करने वाले व्यक्तियों द्वारा धूम्रपान न करने वालों की तुलना में शराब का सेवन दोबारा शुरू करने का जोखिम अधिक होता है। शराब की आदत से छुटकारा पाने वाले वयस्क व्यक्ति का सिगरेट की लत से छुटकारा पाना अधिक महत्वपूर्ण है।

कहीं जान का दुश्मन न बन जाए ई-सिगरेट का धुआं

ताजा अध्ययन बताता है कि तंबाकू उत्पादों को रिप्लेस करने वाली ई-सिगरेट भी जहरीली हो सकती है। इसका खुलासा यूनिवर्सिटी ऑफ रॉकेस्टर की ओर से कराए गए नए अध्ययन में सामने आया है। अध्ययन कहता है कि ई-सिगरेट्स के धुएं में मिलेन वाली एयरोसोल्स तथा प्लेवरिंग एजेंट्स फेफड़ों की ऊतकों को खराब करते हैं। ई-सिगरेट पीना भी स्वास्थ्य को कई जोखिमों में ले जा सकता है। ई-सिगरेट के हीटिंग एलिमेंट के एक्टिव होने से फेफड़ों को नुकसान पहुंचता है। एक ताजा अध्ययन बताता है कि ई-सिगरेट्स का सेवन भी फेफड़ों के लिए अहितकर है। अध्ययन के मुताबिक, इन सिगरेट्स के धुएं ही फेफड़ों की टिश्यू को नष्ट करते हैं। अध्ययन कराने वाली यूनिवर्सिटी ऑप रॉकेस्टर में इंवायरमेंटल मेडिसिन के प्रोफेसर तथा इस शोध के लेखक इरफान रहमान का कहना है कि कई अग्रणी मेडिकल ग्रुप्स, संस्थाएं और विज्ञानी कारण परेशान हैं, क्योंकि इन ई-सिगरेट्स पर नियमों-कायदों की कमी है। अध्ययन के अनुसार, नुकसान तब होता है, जब ई-सिगरेट्स का गर्म होने वाला घटक क्रियाशील हो जाता है। यह हीटिंग एलिमेंट तरल सॉल्युशन को एयरोसोल में परिवर्तित करता है, जो ई-सिगरेट यूजर को पारंपरिक सिगरेट की तरह ही धुएं उड़ाने जैसा महूसस कराता है। असल में इस धुएं में उपस्थित एयरोसोल तथा फ्लेवर देने वाले घटक, पीने वाले के फेफड़ों की कोशिकाओं पर फ्री रेडिकल्स बनाते हैं तथा ऊतकों में सूजन लाते हैं।

नर्वस ब्रेकडाउन के इन लक्षणों को पहचाने

जमाना तेजी से बदल रहा है, हम तरक्की कर रहे हैं, चीजें आसान हो गई हैं और दुनिया में कुछ भी दूर नहीं रहा, कार और लेपटॉप, कंप्यूटर आम हो गए हैं और ये बहेद खुशी की बात है। लेकिन हर बड़ी चीज़ की एक कीमत होती है, हर अच्छी चीज का एक बुरा पहलू भी होता है। तेज दौड़ती जिंदगी में तनाव ने लोगों के बीच एक खास जगह बनाई है, जिसके चलते व्यवहार और मानसिक स्थिति में कुछ ऐसे परिवर्तन आए हैं जिन्हें अगर सही समय पर नहीं पहचाना जाए तो आगे चलकर आप नर्वस ब्रेकडाउन के शिकार हो सकते हैं। और यदि ये समस्या सही समय पर रोकी न जाए तो परिणाम गंभीर हो सकते हैं। नर्वस ब्रेकडाउन एक ऐसी मानसिक अवस्था होती है जो कुछ समय के लिए आपको अवसाद में इस कदर डुबो सकती है कि आप अपना मानसिक संतुलन तक खो बैठते हैं। तो चलिए क्यों न नर्वस ब्रेकडाउन के संकेतों को समय रहते पहचानना सीखें और एक स्वस्थ मानसिक व शारीरिक जीवन जिएं।

नर्वस ब्रेकडाउन के अनेक कारण हो सकते हैं लेकिन अभी तक इसका कोई ठोस कारण नहीं खोजा जा सका है। इसके लक्षणों के आधार पर चिकित्सक आपको इस स्थिति से उबारने में मदद करते हैं। तो निम्न से कोई एक या सभी नर्वस ब्रेकडाउन के लक्षण हो सकते हैं -

अवसाद, थकान और तनाव

अवसाद की अवस्था भी नर्वस ब्रेकडाउन की ओर इशारा करती है। इसके अलावा बहुत ज्यादा तनाव और थकान रहने की वजह से भी यह समस्या हो सकती है। इससे बचने के लिए अच्छी नींद और बेहतर दिनचर्या बहुत जरूरी है। कई बार तो तनाव की स्थिति में प्रभावित व्यक्ति परिवार और समाज से कटना भी शुरू कर देते हैं जिससे उसके भीतर दबे हुए भाव उसे नर्वस ब्रेकडाउन की स्थिति तक पहुंचा देते हैं। इस अवस्था से निकलने के लिए चिकित्सकीय परामर्श और सही उपचार बेहद जरूरी होता है, नहीं तो यह गंभीर रूप ले सकता है।

मूड में जल्दी-जल्दी बदलाव होना

नर्वस ब्रेकडाउन की स्थिति में कई बार मूड में तेजी से बदलाव आता है। छोटी-छोटी बातों पर प्रभावित व्यक्ति बहुत जल्दी दुखी हो जाता है या जल्दी ही किसी बात को लेकर उसे गुस्सा आ जाता है सामान्य व्यवहार से काफी अलग लगता है। यदि समय रहते इन बदलावों को पहचान लिया जाए और चिकित्सक से बात की जाए तो बचाव संभव है।

आत्महत्या जैसे भयानक खयाल आना

यदि व्यक्ति के मन में आत्महत्या का विचार आए या वह दुनिया छोड़ देने, कहीं भाग जानें आदि बात करता हो तो इन्हें नज़रअंदाज न करें, तुरंत मनोचिकित्सक से संपर्क करें। इस तरह का खयाल नर्वस ब्रेकडाउन की अवस्था में आना बेहद स्वाभाविक बात होती है।

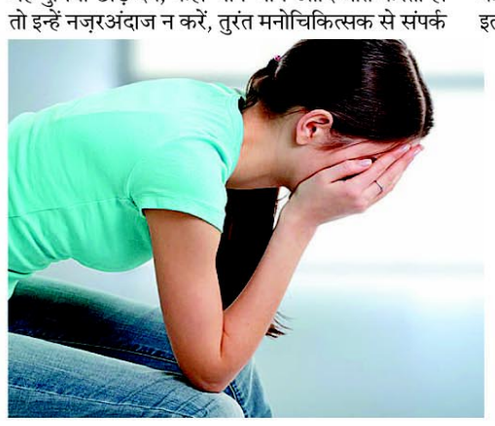

दांपत्य जीवन पर नकारात्मक प्रभाव

अगर कोई व्यक्ति नर्वस ब्रेकडाउन की अवस्था में होता है तो इसका प्रभाव उसकी अंतरंगता की भावना पर भी पड़ सकता है। उसके व्यवहार से धीरे-धीरे संभोग के प्रति अनिच्छा का भाव पैदा होना लगता है। ये संकेत गभीर है और नजरअंदाज करने वाला कतई नहीं है।

भावनाओं पर नियंत्रण खो बैठना

नर्वस ब्रेकडाउन की स्थिति होने पर व्यक्ति अकसर भावनाओं पर नियंत्रण खो बैठता है। छोटी-छोटी बातों पर वह घंटों तक रोते हैं, उन्हें हमेशा अकेलापन महसूस होता है और मन में बहुत अधिक नकारात्मक विचार आते हैं। कई बार तो आस-पास के सभी लोगों से वह खुद को इतना कटा महसूस करते हैं कि आप बिना किसी कारण के ही हर किसी से नाराजगी और चीढ़ होती है। कई बार इस स्थिति में व्यक्ति को पैनिक अटैक आते हैं। ऐसे में सांस लेने में तकलीफ, चिंता, ऐसे विचार कि कोई हर दम आपका गला दबा रहा हो आदि मन में इतनी तेजी से आते हैं कि यह पैनिक अटैक का रूप ले लेते हैं। नर्वस ब्रेकडाउन के दौरान न सिर्फआपकी मानसिक अवस्था में कोई परिवर्तन होगा बल्कि कई शारीरिक समस्याएं भी होती हैं, जैसे हार्ट बीट अनियमित रहती है, पेट खराब होना, मांसपेशियों में खिंचाव, बहुत अधिक कमजोरी महसूस होना या बेचैनी जैसी समस्याएं भी हो सकती हैं। इसके अलावा ऐसे में रोगी एकाग्र भी नहीं हो पाते हैं। उपरोक्त में से कोई भी लक्षण दिखाई देने पर समय रहते सचेत हो जाएं और डॉक्टर से संपर्क करें।

मानसिक जंजाल से बाहर निकलने के 5 तरीके

हमारा जीवनचक्र निरंतर चलता रहता है। जब नया सवेरा होता है तब खुशियों के साथ चुनौतियों को भी लेकर आता है। कई बार हम दूसरों के द्वारा और अपने द्वारा बुने हुए जाल में पूरी तरह से फंस जाते हैं। दुविधा की इस स्थिति में हम सही और गलत के बीच फर्क नहीं कर पाते और कई बार तो इसके कारण तनाव और अवसाद की चपेट में आ जाते हैं। लेकिन यह भी नहीं है कि इस स्थिति से बाहर नहीं आ सकते। मानसिक जंजाल से बाहर निकलने में ये तरीके आपके काम आ सकते हैं।

सोचिए नहीं ध्यान दीजिए

हम जब किसी भी चीज के बारे में अधिक सोचते हैं तो उलझन की स्थिति आ जाती है, ऐसे में हम अपने लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित नहीं कर पाते हैं। इसलिए आप जो काम कर रहे हैं उसके बारे में अधिक सोचने से बचें और उसपर अधिक फोकस कीजिए। इससे आपकी उस काम के प्रति चिंता कम होगी और आप एक निश्चित निर्णय पर पहुंच पाएंगे।

पुरानी बातों को भूल जाएं

भले ही आपको आपका पास्ट अधिक सता रहा हो और आप उसके कारण दूसरे निर्णय लेने में संकोच कर रहें हों ऐसे में आगे बढ़ने के लिए पुरानी बातों को भूलने की कोशिश कीजिए। जब तक आप पुरानी बातों को भूलेंगे नहीं तब तक आप आगे नहीं बढ़ पायेंगे। इसलिए जो हुआ उसे भूलकर आगे बढ़िए और दूसरी चीजों पर ध्यान दीजिए।

डरना जरूरी नहीं

किसी भी रास्ते की डगर फूलों वाली नहीं होती है उस रास्ते में कांटे भी होते हैं। ऐसा ही आपके जीवन के हर कदम पर होता है। ऐसे में अगर आप घर से बाहर निकलना छोड़ देंगे तो सबसे पिछड़ जाएंगे। इसलिए डर के बारे में अधिक न सोचें और सकारात्मक रवैया अपनाकर आगे बढ़ें। फिर देखिए कैसे आप असमंजस की स्थिति से बाहर आ जाते हैं।

भावनाओं के साथ तालमेल बनाएं

ऐसे लोग अधिक दुविधाग्रस्त होते हैं जो किसी चीज के बारे में अधिक विश्लेषण नहीं करते। इसलिए जरूरी है कि आप जो भी निर्णय लें उसमें अपनी भावनाओं और दूसरी इच्छाओं का भी ध्यान रखें। इसके लिए दूसरी चीजों को समझें और फिर निर्णय लीजिए।

खुद पर भरोसा रखें

अनिर्णय की स्थिति तब आती है जब आपका अपने आप पर भरोसा नहीं होता है। ऐसे में खुदपर भरोसा करने की जरूरत है। अपने ऊपर भरोसा रखकर आप जब भी आगे बढ़ते हैं असमंजस की स्थिति उतनी कम होती जाती है और आप आगे बढ़ते जाते हैं। इसलिए सबसे पहले अपने आप पर भरोसा कीजिए फिर देखिये कैसे चीजें आपके अनकूल होने लगेंगी। हम खुद से असमंजस की स्थिति में आते हैं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं अनिर्णय की स्थिति से बाहर नहीं आ सकते। सकारात्मक सोच के साथ आप सबकुछ अपने लिए आसान बना सकते हैं।

तनाव के कारण पैदा होता है त्वचा में सोरायसिस

ठहाका लगाकर हंसने से दूर होती है बीमारी

त्वचा में सोरायसिस (हाथ-पैर में चमड़े की परत छूटना) ठहाका या जोर से हंसने से काफी कम हो जाता है। यह बीमारी सबसे अधिक तनाव के कारण होती है। सबसे अधिक युवा इस बीमारी से पीड़ित हो रहे हैं। बिहार में इस बीमारी से पीड़ितों की संख्या लगभग 56 लाख है। 300 मरीजों पर किए गए अध्ययन के बाद पता चला कि सोरायसिस में कोशिकाएं टूटने लगती हैं, जिससे त्वचा की ऊपरी परत में सूखापन आ जाता है।

इसमें परत छोड़ती है त्वचा

इस बीमारी में त्वचा परत छोड़ने लगती है। अध्ययन में पाया गया कि ठहाका लगाने पर नसों का टूटना कम हो जाता है। यह रक्त संचार तेज होने से होता है। पीएमसीएच में 300 मरीजों में 30 ऐसे हैं] जिन्होंने ठहाका, जोर से हंसने, योग करने से इस बीमारी पर नियंत्रण पाया है । बीमारी सबसे पहले कोहनी, सिर और घुटने में होती है। इसके बाद यह पूरे शरीर में फैलना शुरू हो जाती है। हालांकि इससे ज्यादा घबराने की जरूरत नहीं है। नारियल का तेल इस बीमारी में काफी फायदेमंद साबित होता है।

अमेरिकी विशेषज्ञों ने दी थी जानकारी

ठहाका लगाकर हंसने से सोरायसिस जैसी बीमारी पर नियंत्रण पाने का पता अमेरिकी विशेषज्ञों ने लगाया था। फिर अमेरिका में ऐसे मरीजों को लॉफिंग क्लबों में जाने की सलाह दी गई। यह काफी कारगर हुआ। इसके बाद एम्स नई दिल्ली और रिम्स रांची में विशेषज्ञों ने अलग-अलग अध्ययन किया। इसी आधार पर पटना के पीएससीएच में भी 300 मरीजों का अध्ययन किया।

सबसे ज्यादा युवा होते हैं पीड़ित, लंबे समय तक चलता है इलाज

एक अध्ययन में पाया गया कि सोरायसिस पीड़ितों में सबसे ज्यादा युवा हैं। इन्हें यह बीमारी तनाव, अनियमित दिनचर्या, हाइपरटेंशन और रोग प्रतिरोधी क्षमता कम होने के कारण हुई है। यह ऐसी बीमारी है जिसकी दवा लम्बे समय तक चलती है। ठहाका, जोर से हंसना, योग इसका बेहतर उपचार हैं। मरीजों को ऐसा करने की सलाह दी जा रही है।

हॉबी भी बन सकती है कमाई का साधन

यदि आपकी भी कोई हॉबी है, तो वह आपको अच्छा रिटर्न भी दे सकती है। जरूरत है कि आप अपनी हॉबी को अपना पैशन बना लें, तभी तो वह आपको लाभ देगी। पैशन को निवेश में बदलने की शुरुआत करने पर उससे संबंधित कुछ बातों को जानना जरूरी है, तभी तो आप उसकी सही कीमत पा सकते हैं और अपनी कड़ी मेहनत से जुटाई संग्रहणीय वस्तुओं को भी सुरक्षित रख सकते हैं।

कलेक्शन के लिए जुनून

कलेक्शन की ललक किसी में बचपन या बुढ़ापे से लेकर कभी भी पैदा हो सकती है। कला, पेंटिंग, स्कल्पचर, स्टांप, सिक्के और नोट सरीखी वस्तुओं का कलेक्शन लंबे समय में आपको अच्छा रिटर्न दे सकता है।

पैशन को दें दिशा...

अपने पैशन को यूं ही मत जाने दें। आपका यह पैशन आपको किसी बड़े निवेश की ओर ले जा सकता है। अगर आपको सिक्के इकट्ठे करने का शौक है तो आप सिक्कों का एक बड़ा कलेक्शन कर इन्हें बेच कर अच्छी-खासी कमाई कर सकते हैं। पेंटिंग, स्कल्पचर, स्टांप तथा दुनिया के तमाम देशों की करंसी इकट्ठा करने की आपकी हॉबी आपको धनवान बना सकती है।

अभिभावकों की भूमिका...

अगर किसी बच्चे में कलेक्शन की हॉबी है तो अभिभावक और शिक्षकों को उसे प्रोत्साहित करना चाहिए। अभिभावकों में अपने बच्चे के टैलेंट को पहचानने की क्षमता होनी चाहिए। प्रत्येक माता-पिता का दायित्व है कि वे अपने बच्चे की कलेक्शन की आदत को पैशन बनाने में उसे प्रोत्साहन दें।

डीलर की पहचान जरूरी...

स्टांप, स्कल्पचर और सिक्के बेचने वाले डीलरों से कोई चीज खरीदने से पहले आप अच्छी तरह जांच-पड़ताल कर लें कि वास्तव में वह वस्तु अपने दाम के अनुरूप है या नहीं। एंटीक वस्तुएं खरीदते समय प्रत्येक आइटम का गहनता से परीक्षण करना होगा। इसकी भी जांच कर लें कि वह चीज अच्छी स्थिति में हो और किसी अधिकृत संस्था द्वारा प्रमाणति हो।

संकलन का बाजार...

संकलनकर्ताओं को देखना चाहिए कि उनके संकलन के लिए आसान खरीद और बिक्री का बाजार हो। संकलित वस्तुओं को किसी मान्यता प्राप्त अथॉरिटी से प्रमाण-पत्र मिला होना चाहिए। संग्राहक के पास अपने संकलन को बेहतर स्थिति में सुरक्षित रखने के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर भी होना चाहिए।

रेसिपी

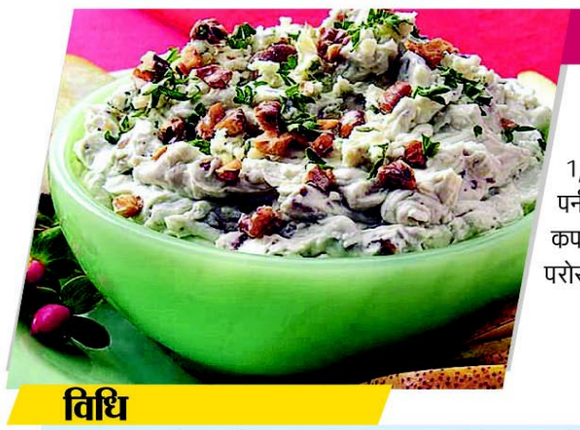

वॉलनट डिप

सामग्री

1/2 कप कटे हुए अखरोट, 1 कप पनीर के टुकड़े, 2 टेबल-स्पून दूध, 1/2 कप ताज़ा दही, नमक स्वादअनुसार, परोसने के लिए : क्रीम क्रेकर बिस्कुट

विधि

1/4 कप अखरोट, पनीर, दूध, दही और नमक को मिलाकर मिक्सर में पीसकर मुलायम मिश्रण बना लें। इस मिश्रण को एक बाउल में निकाल लें और बचे हुए 1/4 कप अखरोट डालकर अच्छी तरह मिला लें। कम से कम 1 घंटे के लिए फ्रिज में रखकर, क्रीम क्रेकर बिस्कुट के साथ ठंडा परोसें।

शिमला मिर्च की लौंजी

सामग्री

1 कप शिमला मिर्च के टुकड़े, 2 टेबल-स्पून तेल, 1/2 टी-स्पून कलौंजी, 1 टी-स्पून सौंफ, 1 टी-स्पून बारीक कटी हुई हरी मिर्च, एक चुटकी हल्दी पाउडर, 2 टी-स्पून धनिया पाउडर, 1/2 टी-स्पून लाल मिर्च पाउडर, 3/4 टी-स्पून अमचुर, 2 टेबल-स्पून शक्कर, नमक स्वादअनुसार

विधि

एक चौड़े नॉन-स्टिक पैन में तेल गरम करें, कलौंजी, सौंफ और हरी मिर्च डालकर मध्यम आंच पर 1 मिनट के लिए भुन लें। शिमला मिर्च डालकर कुछ और सेकन्ड तक मध्यम आंच पर भुन लें। हल्दी पाउडर, धनिया पाउडर, लाल मिर्च पाउडर और अमचुर डालकर अच्छी तरह मिला लें और मध्यम आंच पर 1 मिनट के लिए पका लें। 1/2 कप पानी, शक्कर और नमक डालकर अच्छी तरह मिला लें और मध्यम आंच पर 4-5 मिनट या शिमला मिर्च के नरम होने तक, बीच-बीच मे हिलाते हुए पका लें। तुरंत परोसें या हवा बद डब्बे में डालकर 2-3 दिनों के लिए फ्रिज में रखे।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : प्रदीप शील ● सहयोगी संपादक : रवि शंकर चौधरी ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**